बुधवार
03 जुलाई 2024

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज



बोले डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ... राहुल गांधी जैसा आदमी संसद लायक नहीं

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के हाथरस स्थित सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव फुलराई में हुआ बड़ा हादसा

सत्संग में मौत का तांडव, भगदड़ में 120 की मौत

- भोले बाबा के प्रवचन को सुनने के लिए पहुंचे थे करीब सवा लाख लोग
- उम्मीद से ज्यादा भीड़ होने के कारण सत्संग पहुंचे लोग परेशान होने लगे
- अत्यधिक भीड़, गर्मी और उमस के कारण लोग बेहोश होने लगे तो इसे देख मच गई भगदड़

हादसे में 100 से अधिक लोग की हालत गंभीर, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री ने घटना पर जताया दुख







एजेंसी/हाथरस

उत्तर प्रदेश के हाथरस स्थित सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव फुलराई में मंगलवार को आयोजित भोले बाबा के सत्संग के दौरान बड़ा हादसा हो गया। सत्संग के दौरान मची भगदड़ में 120 लोगों की मौत की खबर है। मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं हैं। सौ से ज्यादा लोग की हालत गंभीर है। स्थिति ऐसी हो गई थी कि हाथरस के सिकंदराराऊ की सीएचसी पर स्थिति कंट्रोल में नहीं आ पा रही थी। हर तरफ लाशें-ही-लाशें दिखाई दे रही थीं। घायलों के इलाज के लिए आसपास के जिले के डाक्टर भी बुलाया गया था। दवा, ग्लूकोज का स्टाक मंगाया गया। पीएम मोदी ने लोकसभा में ही हादसे पर दुख जताया है। सीएम योगी ने दुख जताने के साथ ही अधिकारियों को कई निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सीएम योगी बुधवार को खुद हाथरस आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस में हुए हादसे का संज्ञान लिया है। सीएम योगी ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है साथ ही घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। एडीजी आगरा जोन व कमिश्नर अलीगढ़ को घटना की जांच का निर्देश मुख्यमंत्री ने दिया है। चीफ सेक्रेटरी मनोज कुमार सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार हाथरस पहुंचे।

बताया जाता है कि हाथरस के सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव फुलराई में भोले बाबा का प्रवचन का कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान उम्मीद से ज्यादा भीड़ आ गई थी। एक अनुमान के अनुसार सवा लाख लोग पहुंच गए थे। भीड़ के कारण लोग परेशान होने लगे थे। जैसे ही सत्संग खत्म हुआ लोग वहां से निकलने के लिए जाने लगे। इसी बीच भोले बाबा का काफिला जब जाने लगा तो भीड़ को रोक दिया गया। इससे लोग बेचैन हो गए और वहां से निकलने के लिए जल्दबाजी करने लगे। ज्यादा भीड़ होने के कारण कई लोग दम घुटने के कारण बेहोश होकर गिरने लगे। यह देख भीड़ और उत्तेजित हो गई। इससे वहां भगदड़ मच गई। भगदड़ में महिलाएं, पुरुष और बच्चे जमीन पर गिर गए। लोग कुचलते हुए भागने लगे। जिससे 50 से अधिक लोगों ने मौके पर दम तोड़ दिया। उधर, इस घटना से प्रशासन में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पुलिस समेत आला अधिकारी मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पतला भिजवाया। जबकि मृतक शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

हाथरस में भगदड़ में हुई मौत के बाद परिजनों की सहायता के लिए जिला प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी कर दिया है। इस पर मृतकों और घायलों के बारे में जानकारी ली जा सकती है। प्रशासन ने इसके लिए 05722227041 और 05722227042 नंबर जारी किया है। माना जा रहा है कि भोले बाबा के सत्संग में बड़े पैमाने पर यूपी के आसपास के राज्यों से भी लोग पहुंचे थे। ऐसे में इन लोगों के परिजनों को सूचना के लिए यह हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है।

पीएम मोदी ने सीएम से की बात हरसंभव मदद का दिया भरोसा

हाथरस हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात की है। उन्होंने केंद्र सरकार की तरफ से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है। इससे पहले पीएम मोदी ने लोकसभा मे अपने भाषण के दौरान ही इस हादसे की सूचना सदन को दी और बताया कि प्रशासन के अधिकारी लगातार मदद में लगे हैं। वहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हाथरस में भगदड़ में लोगों की हुई मौत को हृदय विदारक बताया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुर्मू ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में हुए हादसे में महिलाओं और बच्चों सहित कई श्रद्धालुओं की मौत की खबर हृदय विदारक है। मैं उन लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं।

मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रु. आर्थिक मदद देने की घोषणा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस भगदड़ में हताहत हुए लोगों और उनके परिजनों के लिए आर्थिक सहायता का ऐलान किया है। मारे गए लोगों के परिजनों को सीएम योगी ने 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार की आर्थिक सहायता देने का निर्देश दिया है। एडीजी आगरा और कमिश्नर अलीगढ़ के नेतृत्व में टीम गठित कर दुर्घटना के कारणों की जांच का निर्देश दिया है। 24 घंटे में जांच रिपोर्ट मांगी है। आयोजकों के विरुद्ध एफआईआर के साथ बड़ी कार्रवाई की तैयारी है।

एलआईयू ने बड़ी घटना का जताया था अंदेशा: हाथरस में हुई भगदड़ को लेकर पहले ही एलआईयू ने प्रशासन को भीड़ को लेकर चेताया था। इसके बाद भी कोई इंतजाम नहीं किया गया। एलआईयू ने अफसरों को किसी बड़ी घटना होने का अंदेशा जता दिया था।



विश्व हरि भोले बाबा सूरज पाल।

डीएम ने कहा कि इसकी परमिशन एसडीएम की तरफ से दी गई थी। यह प्राइवेट आयोजन था। इसमें पूरी ड्यूटी कानून व्यवस्था और सुरक्षा की लगाई गई थी। अंदर की व्यवस्था उन लोगों के द्वारा की जानी थी। एक उच्चस्तरीय टीम जांच कर रही है। जांच में अन्य बातें सामने आ जाएंगी।

राहुल गांधी ने जताया दुख, कार्यकताओं से मदद की अपील

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भगदड़ में मौतों पर शोक जताया है। कहा कि भगदड़ से कई श्रद्धालुओं की मृत्यु का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। सभी शोकाकुल परिजनों को अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं। सरकार और प्रशासन से अनुरोध है कि घायलों को हर संभव उपचार एवं पीड़ित परिवारों को राहत उपलब्ध कराएं। सभी कार्यकर्ताओं राहत और बचाव में सहयोग प्रदान करें।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने व्यक्त किया शोक

घटना पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने दुख प्रकट करते हुए कहा कि जो इस तरह के आयोजन करते हैं, पहले उनको उतने लोगों की व्यवस्था करनी चाहिए उसके बाद ही इस तरह के आयोजन करने चाहिए। इस आयोजन में जिन लोगों ने अपनी जान गवाईं है। मैं उनके प्रति अपना दुख व्यक्त करता हूं और शासन प्रशासन से मांग करता हूं कि ऐसे लोगों पर और ऐसे सरकारी अधिकारियों पर सबसे सख्त कार्रवाई हो जो इस तरह के आयोजनों की अनुमति देते हैं।

अखिलेश यादव ने हादसे के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हाथरस हादसे के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। अखिलेश ने कहा कि भोले बाबा का कार्यक्रम पहली बार नहीं हो रहा है। आयोजन पहले भी हुए हैं। सवाल यह है कि इतने बड़े पैमाने पर इतने ज्यादा लोग इकट्ठा हुए तो आखिर सरकार क्या कर रही थी। सरकार की जानकारी में होने के बाद भी इतनी बड़ी घटना हो जाना बहुत दुखद है।

सत्संग में शामिल होने कई राज्यों से आए थे लोग

सत्संग में शामिल होने अलीगढ़, एटा, आगरा, मैनपुरी, इटावा, फिरोजाबाद, कासंगज के अलावा दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा और एमपी से भी काभी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु पहुंचे थे। सत्संग समाप्ति के बाद श्रद्धालुओं की भीड़ का पंडाल से निकलना शुरू हुआ। सत्संग में शामिल होने के लिये अपने परिवार के साथ जयपुर से आई एक महिला ने बताया कि सत्संग के समापन के बाद लोग बाहर निकलने में जल्दबाजी कर रहे थे। पंडाल में काफी उमस थी। जिसके चलते तमाम श्रद्धालु बाहर निकलने की जल्दी करने लगे। इस दौरान भोले बाबा का काफिला निकालने के लिए श्रद्धालुओं को रोका गया। तभी श्रद्धालुओं में भगदड़ मच गई। जिसमें तमाम श्रद्धालु जमीन पर गिर पड़े और लोग उन्हें कुचलते हुए भागने लगे।



अब तक भगदड़ में गईं हजारों जानें

- **31 मार्च 2023** : इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के अवसर पर आयोजित हवन कार्यक्रम के दौरान एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब ढह जाने से कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई
- **14 जुलाई 2015** : आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी जिले में 'पुष्करम' उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर एक प्रमुख स्नान स्थल पर भगदड़ से 27 तीर्थयात्रियों की मृत्यु हो गई।
- **13 अक्टूबर 2013** : मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि उत्सव के दौरान मची भगदड़ में 115 लोगों की मौत हो गई और 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए।
- **8 नवंबर 2011** : हरिद्वार में गंगा नदी के तट पर हरकी पैड़ी घाट पर मची भगदड़ में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई।
- **14 जनवरी 2011** : केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में एक जीप के सबरीमाला मंदिर के दर्शन कर लौट रहे तीर्थयात्रियों से टकरा जाने के कारण मची भगदड़ में 104 लोगों की मौत।
- **4 मार्च 2010** : उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ मचने से लगभग 63 लोगों की मौत हो गई।
- **30 सितंबर 2008** : राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में बम विस्फोट की अफवाह के कारण मची भगदड़ में 250 श्रद्धालु मारे गए।
- **3 अगस्त 2008** : हिमाचल प्रदेश में नैना देवी मंदिर में चट्टान खिसकने की अफवाह के कारण मची भगदड़ में 162 लोगों की मौत हो गई।
- **25 जनवरी 2005** : महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान 340 से अधिक श्रद्धालुओं की कुचलकर मौत हो गई।

अहमदाबाद में भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

एजेंसी/अहमदाबाद

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा की गई कथित हिंदू विरोधी टिप्पणी के खिलाफ मंगलवार अहमदाबाद में प्रदर्शन किया गया। इस दौरान गुजरात कांग्रेस मुख्यालय के बाहर भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। कार्यकर्ता ने एक-दूसरे पर पथराव भी किया। शहर के पुलिस नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने बताया कि हिंसक झड़प और पथराव के बाद पालदी इलाके में घटनास्थल से दोनों पक्षों के कई कार्यकताओं और नेताओं को हिरासत में लिया गया। भाजपा ने कांग्रेस कार्यकताओं पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर हमला करने का आरोप लगाया। जबकि विपक्षी पार्टी के नेताओं ने हिंसा शुरू करने के लिए भाजपा कार्यकताओं को जिम्मेदार ठहराया। टीवी चैनलों के वीडियो में कांगरेस के गुजरात मुख्यालय राजीव गांधी भवन के बाहर दोनों पक्षों के कार्यकर्ता एक-दूसरे से मारपीट करते हुए दिखाया गया है।

मुंबई के पासपोर्ट सेवा केंद्रों में भ्रष्टाचार के रैकेट का भंडाफोड़, सीबीआई ने जब्त किए 1.59 करोड़ रुपये

एजेंसी/मुंबई

सीबीआई ने मुंबई के पासपोर्ट सेवा केंद्रों में भ्रष्टाचार के रैकेट का भंडाफोड़ किया। सीबीआई ने तीन दिन की तलाशी अभियान के बाद 1.59 करोड़ रुपये और डिजिटल साक्ष्य भी जब्त किए हैं। 14 अधिकारियों और 18 दलालों और बिचौलियों के खिलाफ 28 जून को 12 मामले दर्ज किए गए थे। मुंबई के पासपोर्ट सेवा केंद्र में बड़े स्तर पर चल रहे भ्रष्टाचार रैकेट को पकड़ने के लिए सीबीआई ने बड़े स्तर पर जांच अभियान शुरू किया। दरअसल 28 जून को लोअर परेल और मलाड के पासपोर्ट सेवा केंद्रों के 14 अधिकारियों, 18 दलालों और बिचौलियों के खिलाफ 12 मामले दर्ज किए गए थे। इन मामलों के दर्ज किए जाने के बाद सीबीआई ने मुंबई और नासिक में जांच अभियान शुरू कर दिया। सोमवार तक बड़े स्तर पर जांच अभियान चलता रहा। इस दौरान उनको लगभग 1.59 की नगदी और डिजिटल साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।

तीन दिनों के जांच अभियान के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो को नकदी के अलावा पांच डायरियां भी मिली हैं। इन डायरियों में कथित तौर पर लेन-देन का विवरण और रिश्वतखोरी के गिरोह के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी अधिकारी और बिचौलिए सांठगांठ के साथ यह भ्रष्टाचार कर रहे थे। वे अधूरे दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट जारी करने या पासपोर्ट आवेदकों के विवरणों में हेरफेर करने की अनुमति देते थे।



गुजरात, कर्नाटक और राजस्थान के बाद एक्ट लागू करने वाला चौथा राज्य होगा उत्तर प्रदेश

उप्र में स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन एक्ट लागू करेगी योगी सरकार

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए संकल्पित योगी सरकार ने इस लक्ष्य को हासिल करने और बड़े निवेश को आकर्षित करने के लिए प्रदेश में स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन (एसआईआर) एक्ट को लागू करने का निर्णय लिया है। लोकभवन में मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन एक्ट के इस प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई है। इस एक्ट को निर्माण (नोडल इन्वेस्टमेंट रीजन फॉर मैन्युफैक्चरिंग) एक्ट नाम दिया गया है। इसके माध्यम से देश



और दुनिया के बड़े-बड़े निवेशकों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित किया जा सकेगा। सरकार के इस निर्णय से ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही आर्थिक विकास को गति मिलेगी, जबकि जन सामान्य को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे।

एक्ट से डिसेंट्रलाइज होंगी शक्तियां:

योगी कैबिनेट के इन निर्णय की जानकारी देते हुए प्रमुख सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास अनिल कुमार सागर ने बताया कि प्रदेश में स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन डेवलप करने के लिए यह एक्ट बनाया गया है। इस तरह का एक्ट अभी तक तीन राज्यों में है,जिनमें गुजरात, राजस्थान और कर्नाटक शामिल हैं। इस तरह इस एक्ट को लागू करने वाला यूपी चौथा राज्य बन जाएगा। उन्होंने बताया कि जो स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन होते हैं वो बड़े इन्वेस्टमेंट रीजन होते हैं, जहां पर क्लस्टर डेवलपमेंट होता है और साथ ही जो पावर स्टेट गवर्नमेंट में या बाकी डिपार्टमेंट्स में निहित होती हैं। उन्हें अथॉरिटी लेवल पर डिसेंट्रलाइज कर दिया जाता है। ऐसा करने से दो लाभ होते हैं, पहला जो मास्टर प्लानिंग हो उसमें यदि कोई बदलाव करना हो तो वहीं पर किया जा सकता है और दूसरा जितने भी एनओसी और क्लियरेंस जारी होते हैं जिनके लिए प्रदेश स्तर तक आना होता है वो शक्तियां भी डिसेंट्रलाइज हो जाती हैं। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की अवधारणा के अनुरूप जितना डिसेंट्रलाइजेशन होगा। उतना ही अच्छी तरह से हम इन्वेस्टर्स को सर्विस दे पाएंगे।

राज्यसभा भेजे जाएंगे उपेंद्र कुशवाहा, विधान परिषद के लिए श्रीभगवान सिंह ने किया नामांकन

केटी न्यूज/पटना



कारकाट लोकसभा सीट से चुनाव में हार का सामना करने के बावजूद एनडीए ने उपेंद्र कुशवाहा को राज्यसभा भेजने का फैसला लिया है। सियासी गलियारे में इस बात की चर्चा थी कि उपेंद्र कुशवाहा गठबंधन से नाराज चल रहे हैं हालांकि इसी बीच एनडीए ने उन्हें बड़ा गिफ्ट दे दिया है। दरअसल, जेडीयू से अलग होने के बाद उपेंद्र कुशवाहा ने अपनी अलग पार्टी बनाई है। लोकसभा चुनाव में उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने एनडीए के साथ गठबंधन किया। गठबंधन में आने के बाद लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने उपेंद्र को उनकी मनपसंद सीट काराकाट दे दी। काराकाट से उपेंद्र कुशवाहा एनडीए के संयुक्त उम्मीदवार के तौर पर चुनाव मैदान में उतरे लेकिन खेल उस वक्त बिगड़ गया जब पावर स्टार पवन सिंह काराकाट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन दाखिल कर दिया।

पश्चिम बंगाल के आसनसोल से बीजेपी ने पवन सिंह को उम्मीदवार बनाया था लेकिन पवन सिंह ने बीजेपी को आसनसोल का टिकट लौटा दिया और वहां से चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। पवन सिंह बीजेपी से काराकाट या आरा से टिकट मांग रहे थे लेकिन उन्हें टिकट नहीं मिला। जिसके बाद पवन सिंह ने काराकाट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला लिया और चुनाव मैदान में उतर गए।हालांकि चुनाव में पवन सिंह और उपेंद्र कुशवाहा दोनों को हार का सामना करना पड़ा और महागठबंधन के उम्मीदवार माले के राजाराम ने बाजी मार ली। हार के बाद से ही उपेंद्र कुशवाहा इशारों में अपने ही गठबंधन पर सवाल खड़ा कर रहे थे और कह रहे थे कि वह हारे नहीं हैं बल्कि उन्हें हराया गया है। उनका सीधा इशारा था कि बीजेपी ने सोची समझी रणनीति के तरह पवन सिंह को निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतारा है। उपेन्द्र कुशवाहा की नाराजगी के बीच खबर आई कि एनडीए ने सर्वसम्मति से कुशवाहा को राज्यसभा भेजने का फैसला लिया है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा है कि एनडीए ने उपेंद्र कुशवाहा को राज्य सभा भेजने का फैसला लिया है। एनडीए के सभी दलों ने इसके लिए अपनी सहमति दे दी है। एनडीए की तरफ से राज्यसभा का उम्मीदवार बनाए जाने पर खुद उपेंद्र कुशवाहा ने गठबंधन के सभी दलों के नेताओं का आभार जताया है। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि एनडीए गठबंधन ने सामूहिक रूप से यह फैसला लिया है।

नामांकन के दौरान सीएम नीतीश कुमार रहे मौजूद

केटी न्यूज/ पटना



बिहार विधान परिषद की खाली हुई एक सीट पर उपचुनाव के लिए एनडीए उम्मीदवार के तौर पर भगवान सिंह कुशवाहा ने नामांकन दाखिल कर दिया है। नामांकन के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के अलावा गठबंधन के तमाम बड़े नेता मौजूद रहे। दरअसल, आरजेडी विधान पार्षद रामबली सिंह के अयोग्य घोषित होने के बाद विधान परिषद की खाली हुई सीट पर 12 जुलाई को चुनाव होना है। आरजेडी के प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए विधान परिषद के तत्कालीन सभापति देवेश चंद्र ठाकुर ने फैसला लिया था और बीते 6 फरवरी को उनकी सदस्यता रद्द कर दी थी। तब से यह सीट खाली थी। भगवान सिंह कुशवाहा ने खाली हुई इस एक सीट के लिए विधानसभा पहुंचकर अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। नामांकन के मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के अलावा एनडीए के कई नेता मौजूद रहे। इस सीट के लिए महागठबंधन की तरफ से उम्मीदवार उतारने की संभावना न के बराबर है। ऐसे में भगवान सिंह कुशवाहा का निर्विरोध निर्वाचन तय माना जा रहा है। श्रीभगवान सिंह कुशवाहा जेडीयू के स्थापना काल से जुड़े सदस्य है। पार्टी का विकसित करने में इनकी अहम भूमिका मानी जाती है। कई संकटों से इन्होंने पार्टी का उबारा है।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान हिंदुओं को हिंसक बताने पर भड़की बीजेपी

बोले डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ... राहुल गांधी जैसा आदमी संसद लायक नहीं

- बयान ने पूरे देश की राजनीति को गर्म कर दिया
- हिन्दुओं को आतंकवादी बता कर भारतीयों का अपमान किया
- कहा-राहुल जनेऊ पहनकर वोट के लिए ढोंग करते है

केटी न्यूज/पटना



लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हिंदुओं को लेकर विवादित बयान देकर पूरे देश की राजनीति को गर्म कर दिया। राहुल गांधी के बयान को लेकर सियासत में उबाल आ गया है। एक तरफ जहां विपक्षी दल राहुल का बचाव करने उतर गए हैं तो वहीं बीजेपी और एनडीए के तमाम दल हमलावर हो गए हैं। बिहार में भी इसको लेकर सियासत शुरू हो गई है। बीजेपी नेता और डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने राहुल गांधी द्वारा हिंदुओं को हिंसक कहने पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सोने का चम्मच लेकर पैदा हुए हैं। सदन में हिन्दू के ऊपर प्रहार कर रहे हैः तीन बार से उन्हें लॉन्च करने की कोशिश हो रही फिर हर बार फेल हो जा रहे हैं। पांच बार के सांसद ऐसे संसद में बोलता है भला राहुल गांधी जैसा आदमी संसद के लायक नहीं है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने हिन्दुओं को आतंकवादी बता कर भारतीयों का अपमान किया है। हिन्दुओं को सहिष्णुता का पक्षधर माना जाता है लेकिन ये हिन्दू को हिंसक बता रहे हैं। महात्मा गांधी के आखिरी शब्द राम था। सिखों का इन्होंने कत्ल किया है। बंगाल में जो हो रहा उसका समर्थन करके ये सनातन को खत्म कर रहे हैं। रामचरितमानस का अपमान करने वाले राजद के साथ ये लोग हैं। त्रिणमूल के साथ गलबयियां कर रहे हैं। विजय सिन्हा ने कहा कि पहले जवाहरलाल नेहरू ने हिन्दू का अपमान किया था। फिर इंदिरा गांधी ने अपमानित करने का काम किया था। राहुल गांधी के पिता राजीव गांधी ने हिन्दू को दूसरे दर्जा पर खड़ा किया। पी चिदंबरम ने हिन्दू को आतंकवादी कहा था और हिन्दू आतंकवाद का नाम कांग्रेस ने दिया था। चुनाव में जनेऊ पहनकर हिन्दू वोट लेने का ढोंग करते हैं। उन्होंने कहा कि संसद और संसद के बाहर में इन्होंने हिंदुओं का अपमान किया है। संसद में भगवान शिव का चित्र दिखा कर तुष्टीकरण का राजनीति कर रहे हैं। राहुल गांधी देश में इटालियन संस्कृति लागू करना चाहते हैं। 2014 में ईश्वर का शपत लिया था राहुल ने लिया, उसके बाद ईश्वर का नाम क्यों नहीं लिया। राहुल गांधी नर नहीं पशु के समान हैं।

मानसिक बीमार व्यक्ति का कोई इलाज नहीं : सम्राट



पटना। सम्राट चौधरी ने राहुल गांधी को बताया मानसिक बीमार, कहा-ऐसे व्यक्ति का कोई इलाज नहीं संसद के पहले सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ऐसा बयान दिया कि हंगामा मच गया। राहुल गांधी का कहना था कि बीजेपी के लोग हिंदू नहीं हैं ये लोग हिंदू के नाम पर सिर्फ हिंसा फैलाने का काम करते हैं। संसद में राहुल गांधी भगवान शंकर, गुरु नानक जी महाराज, भगवान बुद्ध और जीसस क्राइस्ट की फोटो संसद में दिखाने लगे और अहिंसा और धर्म की बात करने लगे। राहुल गांधी ने कहा कि हिंदू हमेशा अहिंसा में विश्वास रखते हैं लेकिन बीजेपी के लोग तो हिंदू है ही नहीं वो सिर्फ हिंसा फैलाने का काम करते हैं। राहुल गांधी के इस बयान को लेकर बिहार के डिप्टी सीएम और बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी हमलावर नजर आए। उन्होंने राहुल गांधी को मानसिक रूप से बीमार बताया। कहा कि ऐसे मानसिक रोगियों का कोई इलाज नहीं है। राहुल गांधी पूरी तरह से बीमार हो गए हैं। जैसी बात वो संसद में कही है वह कोई मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति की कहेगा।

कार्रवाई : बिहार में 90 भ्रष्ट सीओ व डीसीएलआर की संपत्ति जब्त करने की तैयारी में जुटी सरकार

केटी न्यूज/पटना

बिहार में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में सरकार के एक्शन मोड़ में आने के बाद हडकंप मचा हुआ है। विभाग द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश के बाद 90 सीओ समेत अन्य पदाधिकारियों के खिलाफ जांच बैठाई गई है। जो फिलहाल चल रही है। अगर दोषी पाए गये तो उनकी संपति की भी जब्त करने की तैयारी की जा रही है। सरकार के एक्शन मोड़ में आने के बाद अधिकारियों में हडकंप मचा हुआ है। ज्ञात हो कि नीतीश कुमार जब से सत्ता में आये है उनकी सरकार भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करती आयी है। अब भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों की संपत्ति जब्त करने की तैयारी लगभग पुरी कर ली गई। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम शुरू कर दी है और इससे जुड़ा आदेश निर्गत कर दिया गया है। अगर जरूरत पड़ती तो ईओयू की सहायता सरकार लेगी। फिलहाल दो सीओ पर कार्रवाई की गई। जिसमें एक को जहां निर्लंबित किया गया है तो वहीं दूसरे के खिलाफ विभागीय जांच शुरू करने का आदेश दिया गया है। वहीं विभाग में सीओ और डीसीएलआर के कार्यों की समीक्षा शुरू कर दी गई है। ज्ञात हो कि नीतीश कुमार ने सरकार बदलते ही ऐलान किया था कि आरजेडी कोटे के सभी विभागों की जांच सरकार द्वारा कराएगी।

उचित मूल्य 9800197310 उत्तम व्यवहार
गीता प्रेस
पुस्तक की दुकान
सभी प्रकार की धार्मिक पुस्तकों के एकमात्र विक्रेता
सहयोगी प्रतिष्ठान
डॉ. रामप्रवेश राय (मुन्ना राय)
: 6299941536
लक्ष्मी पैलेस मेन रोड, बक्सर (नहर के पास)

लालू यादव और राबड़ी देवी को बड़ी राहत... पटना हाईकोर्ट ने दोनों के खिलाफ दर्ज केस को किया रद्द

केटी न्यूज/पटना





आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और पूर्व सीएम राबड़ी देवी को आज पटना हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट की बेंच ने मंगलवार लालू और राबड़ी के खिलाफ दर्ज केस को आज खारिज कर दिया। जस्टिस संदीप कुमार की बेंच ने मंगलवार को केस को खारिज करने का आदेश दिया है। मामला 14 साल पुराना यानि 2010 का है। लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी पर पटना के एयरपोर्ट थाने में केस दर्ज किया गया था। इस केस का ट्रायल भी निचली अदालत में शुरू हो गया था। लालू-राबड़ी ने पहले निचली अदालत में मुकदमे को रद्द करने की अर्जी लगायी थी। वहां से अर्जी खारिज हुई तो हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी. हाईकोर्ट ने मंगलवार को अपना फैसला सुनाया। विदित हो कि वर्ष 2010 के विधानसभा चुनाव के दौरान का है। लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी अपना वोट डालने वेटनरी कॉलेज बूथ पर गये थे। उसी दौरान ये आरोप लगा था कि लालू-राबड़ी ने मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश की और मतदान केंद्र पर हंगामा किया। इसके बाद दोनों के खिलाफ एयरपोर्ट थाने में केस संख्या-190/2010 दर्ज किया गया था। इस मामले में 2012 में पटना के सीजेएम ने संज्ञान लेते हुए लालू-राबड़ी के खिलाफ ट्रायल शुरू करने का आदेश दिया था। लालू-राबड़ी की ओर से हाईकोर्ट में दायर याचिका में कहा गया था कि पुलिस ने अपने केस में जो धारायें लगायी हैं, वे गलत हैं। लालू प्रसाद और राबड़ी देवी ने ऐसा कोई काम नहीं किया है, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाये। लालू-राबड़ी के वकीलों ने हाईकोर्ट में ये भी दलील दी कि पटना के सीजेएम ने इस केस का संज्ञान लेने में देरी की। जो कानून के मुताबिक सही नहीं है। ऐसे में केस को खारिज किया जाये। राज्य सरकार की ओर से पेश हुए वकील इस मामले में कोई ठोस दलील नहीं दे पाये। लिहाजा हाईकोर्ट की बेंच ने लालू-राबड़ी के खिलाफ दर्ज इस मामले को खारिज करने का आदेश दिया है।

मुसलमान भाजपा को पटकना चाहते है तो जन सुराज का साथ दें: पीके

पटना। जन सुराज अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने किशनगंज में एक जनसभा को संबोधित किया। संपर्क अभियान के तहत वे एक दिन के लिए किशनगंज दौरे पर थे। उन्होंने मुस्लिम समाज से अपील करते हुए कहा कि मुस्लिम समाज को याद करना चाहिए कि आप यहां से बंगाल से मात्र 20 किलोमीटर की दूरी पर रहते हैं। जब भी मुस्लिम समाज को लगे कि प्रशांत किशोर पर भरोसा करना चाहिए कि नहीं। मुस्लिम समाज की महिला भी सड़क पर आ गई थी और धरना प्रदर्शन पर बैठी थी। बंगाल में जब दीदी के अपने लोग जब उन्हें छोड़ कर भागने लगे तब देश में कौन आदमी था जो दीदी के मदद के लिए खड़ा हुआ वो प्रशांत किशोर था। लालू-तेजस्वी, राहुल गांधी, अखिलेश यादव बंगाल नहीं गए थे। 2 बरस बंगाल के गांव-गांव में ऐसी व्यवस्था बनाई की भाजपा को 100 सीट पार होने नहीं दिया। 77 पर भाजपा को ऐसा रोका की देख लीजिए ।

S2 Mall
SCPL
RERA REG NO. - BRERAP00017-4/200/R-111/2018





ESCALATOR FOOD COURT SHOPPING



FINE DINE RESTAURANT KIDS ZONE MULTIPLEX

SHANTI CREATION PVT. LTD.
For Booking Contact : 9431019808, 9693777038
Reg H.O. : G-1, Vidya Vatika Apartment, East Boring Canal Road, Gorakh Nath Lane, Patna - 800001
E-Mail : shanticreationpvtltd@gmail.com | Web : www.scplpatna.in

कर्मियों ने दी चेतावनी-5 जुलाई तक वेतन नहीं मिला, तो 6 जुलाई से होगा भूख हड़ताल

पीएमसीएच के 243 वार्ड अटेंडेंट को 4 महीने से नहीं मिला वेतन, कामकाज किया ठप, मरीज हुए परेशान

- हर महीने सैलरी नहीं मिलने पर भोजन व अन्य जरूरी आवश्यकताओं को भी पूरा करने में होती है दिक्कत

केटी न्यूज/पटना



पीएमसीएचमें तैनात 243 वार्ड अटेंडेंट को पिछले 4 महीने से वेतन नहीं मिला है। वेतन नहीं मिलने से गुस्साएं वार्ड अटेंडेंट ने आज अस्पताल में कामकाज ठप कर दिया है। जिससे मरीज और उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पीएमसीएच की स्थित अस्त व्यस्त हो गयी है। इन कर्मियों ने चेतावनी दी है कि यदि 5 जुलाई तक वेतन नहीं मिला तो 6 जुलाई से सभी भूख हड़ताल पर चले जाएंगे। पीएमसीएच में तैनात वार्ड अटेंडेंट ने अपनी पीड़ा बताते हुए कहा कि हम लोग बाहर से आकर पटना में किराये के मकान में रह रहे हैं। हर महीने वेतन नहीं मिलता है जिसके कारण मकान मालिक को समय पर किराया भी नहीं दे पाते हैं जिसके कारण मकान मालिक भी गुस्सा हो जाते हैं और घर खाली करने की बात करते हैं। हर महीने सैलरी नहीं मिलने पर भोजन व अन्य जरूरी आवश्यकताओं को भी पूरा करने में दिक्कत होती है। ऐसी नौकरी करने से क्या फायदा जब समय पर पैसा ही नहीं मिलता है। 5 महीने पर वेतन मिलने से भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पीएमसीएच के डिप्टी सुपरिटेंडेंट एके झा से मिलकर कर्मियों ने अपनी मांग रखी तो उन्होंने पहचानने तक से उन्हें इनकार कर दिया। कहा कि आप जिस कंपनी से जुड़े हैं उनके पास जाकर शिकायत करें। वही जो कंपनी पीएमसीएच में वार्ड अटेंडेंट मुहैया कराती है वहां के सुपरवाइजर राजू कुमार ने बताया कि तकनीकी गड़बड़ियों के कारण वेतन रिलीज नहीं हो पाया है।

सरकार महिलाओं को सरंक्षण देने में विफल : तेजस्वी यादव

पटना। बिहार में बढ़ते अपराध की घटनाओं को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने डबल इंजन सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और सोशल मीडिया के जरिए सरकार पर हर दिन और सुबह शाम हमले बोल रहे हैं। तेजस्वी यादव ने एक बार फिर अपराध को मुद्दा बनाते हुए सरकार को घेरने की कोशिश की है। तेजस्वी ने कहा कि दिल दहलाने वाली निर्मम घटना में रोहतास के डिहरी में मीठापुर गांव की बेटी नीतू कुशवाहा का अपहरण कर हत्या कर दी गयी है। कुछ दिन पहले ही नवीनगर में भी दूसरी बेटी श्रेया की हत्या की गयी थी। बिहार में अपराधी बेखौफ है। महिलाओं और बेटियों पर सत्ता संरक्षित अत्याचार की कोई सीमा ही नहीं बची। मुख्यमंत्री को कुछ लेना-देना ही नहीं है। इससे पहले तेजस्वी ने शेखपुरा में एक्सिस बैंक से दिनदहाड़े लाखों की लूट को लेकर सरकार पर हमला बोला है। सरकारी बदमाशों ने दिनदहाड़े एक्सिस बैंक में घुस पिस्तौल के बल पर लाखों की लूट की है।

जासो, कमरपुर एवं सरेंजा पंचायत टीबी मुक्त घोषित, डीएम ने सौंपा प्रमाण पत्र

- 2025 तक पूरे भारत को टीबी मुक्त करने का रखा गया है लक्ष्य, शेष चयनित पंचायतों में तेज होगा कार्य

केटी न्यूज/बक्सर





जिला टीबी मुक्त जिला की तरफ अग्रसर होने लगा है। जिले के तीन पंचायतों को फिलहाल टीबी मुक्त घोषित कर दिया गया है। जिसके बाद मंगलवार को जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में टीबी मुक्त पंचायत का प्रमाण पत्र वितरण एवं टीबी फोरम की बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभाकक्ष में की गई। कार्यक्रम में बताया गया कि भारत सरकार ने देश को 2025 तक टीबी मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। बक्सर जिला अंतर्गत सभी प्रखंडों से कम से कम दो पंचायतों को टीबी मुक्त करने के लिए चिन्हित किया गया था। जिसके आलोक में बक्सर जिला के तीन पंचायत सदर प्रखंड के जासो, चौसा के कमरपुर एवं राजपुर प्रखंड के सरेंजा पंचायत टीबी मुक्त हो गई है।

पूरे राज्य के छह जिलों के करीब 28 पंचायत टीबी मुक्त पंचायत में शामिल है। जिसमें से बक्सर जिला के तीन पंचायतों के नाम भी जुड़ गए है। यह बक्सर जिले के स्वास्थ्यकर्मियों तथा टीबी मुक्त अभियान से जुड़े वोलंटियरों के लिए बड़ी उपलब्धि है। जिन पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया गया है, उस पंचायत के मुखिया को जिला पदाधिकारी द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए पूरी टीम को बधाई दिया गया।

टीबी फोरम की बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा कम प्रगति होने के कारण सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी चौसा, इटाढ़ी, राजपुर एवं संबंधित प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से स्पष्टीकरण पूछते हुए उनका वेतन अवरूद्ध करने का निर्देश दिया गया। जबकि बैठक में सिविल सर्जन द्वारा बताया गया कि सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर टीबी से संबंधित सभी प्रकार की दवाईयां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

जिला पदाधिकारी ने सभी आशा को अपने पोषक क्षेत्र से टीबी के संदेहप्रद मरीजों को अस्पताल में जांच के लिए भेजे जाने के लिए सिविल सर्जन बक्सर को निर्देशित किया गया। अवगत कराया गया कि यदि आशा द्वारा भेजे गए व्यक्ति में जांच के क्रम में टीबी पाया जाता है तो प्रति मरीज 500 के दर से संबंधित आशा को भुगतान किया जायेगा। बैठक में उप विकास आयुक्त बक्सर, सिविल सर्जन बक्सर, जिला टीबी यक्ष्मा पदाधिकारी, डब्ल्यूएचओ के पदाधिकारी, मुखियागण एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

एक नजर

केसठ में पूरे दिन हुई बारिश, गुल रही बिजली; कई स्कूलों में जलजमाव से बुरा हाल



केसठ। प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में मंगलवार को सुबह से हो रही रिमझिम बारिश से लोगों की दिनचर्या प्रभावित हुई है। बारिश के कारण जहा धान की खेती करने वाले किसान काफी खुश नजर आए तो दूसरी तरफ पूरे दिन बिजली गायब रहने से लोगों की परेशानी बढ़ गई। वही कई जगहों तथा स्कूलों में जलजमाव हो गया है। जिस कारण छात्रों से लेकर ग्रामीणों तक को परेशान होना पड़ा है। हालाकि बारिश होने ने किसानों से चेहरे खुशी के खिल उठे। धान की खेत को तैयार करने के लिए किसान खेतों पर पहुंचने लगे। लेकिन इस दौरान बिजली गुल से आम आदमी परेशान रहा। जिसके कारण प्रखंड के विभिन्न कोचिंग संस्थान, सीएससी सेंटर सहित अन्य दुकान बंद रही। वही बारिश में छोटे छोटे बच्चे घर से बाहर और अपने छतों पर स्नान कर आनंद ले रहे थे। इस संबंध में जानकारी देते हुए बिजली विभाग के जेई अविनाश कुमार ने बताया कि बारिश के कारण ब्रेकडाउन के कारण आपूर्ति प्रभावित हुई है। दूसरी तरफ विगत दो दिनों से हुई झमाझम बारिश से प्रखंड के कई विद्यालयों में बारिश का पानी जमा हो गया है। जिससे स्कूली बच्चों एवं शिक्षकों को परेशानी हो रही है। मध्य विद्यालय किरनी, कन्या प्राथमिक विद्यालय केसठ, मध्य विद्यालय केसठ, कस्तुरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, बीआरसी परिसर समेत अन्य विद्यालयों के परिसर में वर्षा का पानी से जलजमाव हो गया है। इन सभी विद्यालयों में जल जमाव होने से सैकड़ों, छात्र छात्राएं, शिक्षक एवं बीआरसी में कार्यरत कर्मियों को में आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। इसको लेकर अभिभावक चिंतित है कि बच्चे विद्यालय कैसे पहुंचेंगे।

चौसा में रैयतों के मुआवजा के लिए 4 व 5 जुलाई को महर्षि च्यवन कॉलेज में लगेगा विशेष कैम्प

चौसा। चौसा में निमार्णाधीन 1320 मेगावॉट विद्युत तापगृह रेल कॉरिडोर व वाटर पाइप लाइन निर्माण के लिए हितबद्ध रैयतों के मुआवजे के लिए आगामी चार व पांच जुलाई को चौसा के महर्षि च्यवन महाविद्यालय में विशेष कैम्प लगाए जाएंगे। इस आशय की जानकारी जिला भू अर्जन ने दी है। बताया जाता है कि यह निर्णय भू-अर्जन पुनर्वासन एवं पुनर्व्यस्थापन प्राधिकार, पटना प्रमण्डल, के तहत अधिगृहित भूमि संबंधित विवाद के समाधान के लिए प्राप्त निदेश के आलोक में दी गई सहमति के क्रम में लिया गया है। वही, विद्युत तापगृह के निर्माण में महत्वपूर्ण रेल कोरिडोर एवं वॉटर पाईप लाईन परियोजना चौसा के हितबद्ध रैयतों जिनके मुआवजा का भुगतान के लिए पीठासीन पदाधिकारी भू-अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापना प्राधिकार, पटना प्रमंडल पटना में वाद संदर्भित है, वैसे हितबद्ध रैयतों को सूचित किया जाता है कि विहित आवेदन पत्र में वांछित सूचना भरकर संबंधित कागजात यथा खतियान की छायाप्रति, निबंधित वंशावली की छाया प्रति, पारिवारिक बंटवारा का कागज, एलपीसी की छायाप्रति, लगान रसीद की प्रति, आधार कार्ड की छायाप्रति, पैन-कार्ड की छायाप्रति, बैंक पासबुक की छायाप्रति, बंध-पत्र एवं शपथ पत्र इत्यादि विहित आवेदन पत्र के साथ संलग्न कर शिविर में बनाये गए काउंटर पर जमा करेंगे।

उत्पादकता बढ़ाने के लिए संतुलित मात्रा में उर्वरकों का करें प्रयोग: डॉ प्रफ्फूल



केसठ। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण आत्मा बक्सर के तत्वावधान में पंचायत स्तरीय खरीफ किसान चौपाल का आयोजन किया गया। यह आयोजन मंगलवार को प्रखंड के स्थानीय पंचायत व रामपुर पंचायत के स्थानीय गांव में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड कृषि समन्वक हरिशचंद्र पासवान व प्रभारी प्रखंड तकनीकी प्रबंधक डॉ प्रफ्फूल कुमार ने किया। इस मौके पर किसान सलाहकार विजय कुमार, अमरेंद्र प्रसाद, रितेश कुमार आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम में किसानों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस दौरान किसानों के बीच कृषि से संबंधित विभागों द्वारा संचालित होने वाली विभिन्न योजनाओं की जानकारी के साथ-साथ फसलों के उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिए मिट्टी जांच के आधार पर संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग, फफूंदनाशी एवं कीटनाशी से बीजों प्रचार, सिंचाई के लिए जल प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण एवं समेकित कीट तथा पोषक तत्व प्रबंधन से संबंधित जानकारी दी गई। खरीफ मौसम में लगाए जाने वाले फसलों में कीट व्याधि का नियंत्रण एवं इसमें लगने वाले प्रकोप को कम करने के उद्देश्य से अनुशासित बीजों की उपलब्धता के साथ-साथ किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती जैसे सब्जी की खेती, मोटे अनाज की खेती तथा जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम एवं कृषि से संबंधित विभागों की योजनाओं की तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई गई। इसके साथ-साथ बीज टीकाकरण के बारे में भी किसानों को बताया गया। बीज कैसे उपचारित करें तथा उससे क्या फायदा है जिसके बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वही प्रखंड के कतिकनार पंचायत में खरीफ किसान चौपाल कार्यक्रम आज 3 जुलाई दिन बुधवार को आयोजित होगा। कृषि विभाग के कर्मियों द्वारा अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए किसानों से अपील किया जा रहा है।

खबरें फटाफट

श्रीभगवान कुशवाहा ने भरा एमएलसी के लिए नामांकन पत्र

डुमरांव। जदयू की तरफ बिहार विधान परिषद के लिए पूर्व मंत्री श्रीभगवान कुशवाहा ने 2 जुलाई को अपना नामांकन पत्र भर दिया। इनके नामांकन पत्र भरने के दौरान डुमरांव विधान सभा क्षेत्र से जदयू के प्रदेश महासचिव श्रीकांत कुशवाहा के नेतृत्व में सैकड़ों लोग पटना पहुंचे हुए थे। पार्टी कार्यकताओं व लोगों के अनत्व को देख पूर्व मंत्री काफी खुश नजर आए। उन्होंने कार्यकर्ताओ से कहा कि जो विश्वास आपने मुझ पर जताया है, उसे मैं जया होने नहीं दूंगा। आपके मान-सम्मान के लिए विधान परिषद में आपकी आवाज बनकर काम करूंगा। पटना से डुमरांव पहुंचे कार्यकताओं में काफी जोश देखा गया।

वन महोत्सव के पहले दिन किया पौधरोपण

डुमरांव। वन महोत्सव के शुभ अवसर पर ग्रीन एंबेसडर बनाए गए डुमरांव के उमेश गुप्ता रौनियार ने धरती को हरा भरा बनाने के लिए पांच वृक्ष का रोपण किया। जिसमें सीताफल, अशोक, अनार, स्नेक प्लांट एवं अढ़उल का पौधा लगाया गया। साथ हीं लोगों को पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने वन महोत्सव को पेड़ों का त्योहार बताया। इस मौके पर विमलेश कुमार सिंह, संजय कुमार, कमलेश प्रसाद, मनोज गुप्ता, रिया राज, नवीन गुप्ता, रुचि गुप्ता, आस्था गुप्ता, आयांश आदि उपस्थित थे।

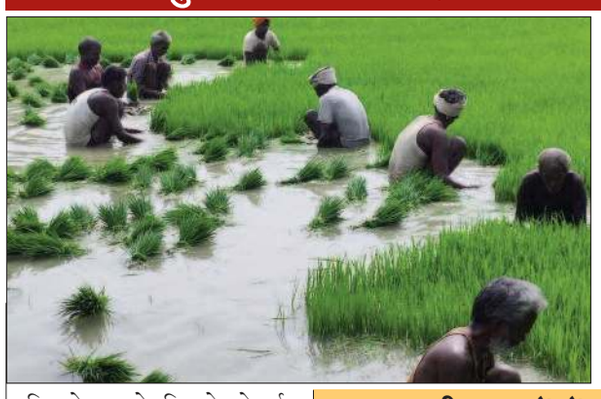
अभी भी सामान्य से कम हुई वर्षा, लेकिन किसानों की उम्मीद जगी; रोपनी शुरू

मानसून सक्रिय : पूरे दिन रुक-रुक कर होते रही बारिश, किसानों में खुशी

- पूरे दिन हुई बारिश के बाद खेतों को रोपनी के लिए तैयार कर रहे हैं कृषक
- जून में पूरे माह औसत से भी अभी कम बारिश हुई है

केटी न्यूज/बक्सर

जिला मुख्यालय में बारिश के कारण कीचड़ व जलजमाव से बढ़ी परेशानी





जिले में मानसून एक बार फिर से सक्रिय हो गया है। पिछले 24 घंटे से जिले के लगभग सभी प्रखंडों में रूक रूक कर बारिश हो रही है। मंगलवार को पूरे दिन बारिश जारी रही। हालांकि अभी भी औसत से कम वर्षापात हुआ हैं। लेकिन इस बारिश ने धान की रोपनी शुरू करा दी है। किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई है। अभी कल तक जो किसान भीषण गर्मी के चलते बिचड़ा बचाने की जुगत में थे वे आज बारिश के बीच अपने खेत को रोपनी लायक बनाने लगे। कई किसानों ने रोपनी शुरू भी कर दी है।

आद्रा नक्षत्र की इस बारिश को धान के साथ ही इस मौसम में बोई जाने वाली सब्जी फसलों के लिए काफी फायदेमंद बताई जा रही है। बारिश से खेतों में नमी के साथ ही मौसम भी नरम हो गया है। जिसका बड़ा लाभ किसानों का मिला है। किसानों का कहना है कि इस बारिश से धान के बिचड़ो को नई उर्जा मिली है तथा बिचड़ा खिल उठे है। वही धान के बिचड़ा के साथ ही सब्जी के बिचड़ो के लिए भी यह बारिश फायदेमंद है। बता दें कि अभी कुछ दिन पहले तक मानसून की बेरूखी तथा भीषण गर्मी व तल्ख धूप से किसानों की चिंता बढ़ गई थी। किसान मानसून की आस लिए धान की नर्सरी तो तैयार कर रहे थे, लेकिन उन्हें इस बात की चिंता सता रही थी कि बारिश नहीं होगा तो धान की रोपनी कैसे होगी। लेकिन पिछले 24 घंटे से मानसून के सक्रिय होने से किसानों की चिंता दूर हो गई है।

डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र स्थित नंदन गांव के निवासी किसान दीपक सिंह, ठोरी पांडेयपुर के इंद्रदेव पांडेय, कोरानसराय के दयाशंकर तिवारी, धनसोई के दिनेश सिंह, राजपुर के मनोज कुशवाहा आदि ने बताया कि आद्रा नक्षत्र की बारिश खरीफ खेती के लिए काफी फायदेमंद होती है। किसानों ने कहा कि कई दिनों के बाद हुई बारिश से अब खेत रोपनी के लिए तैयार करने लायक हो गए है।

शहरी इलाकों में जलजमाव व कीचड़

बक्सर। बारिश से जहा किसान खुश नजर आए वही शहरी क्षेत्र में इस बारिश से जलजमाव व कीचड़ की समस्या से लोगों को परेशान होना पड़ा है। जानकारी के अनुसार बक्सर के सेंट्रल जेल रोड व आईटीआई परिसर में जलजमाव से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। मानसून की पहली बारिश ने ही शहर की सूरत बिगाड़कर रख दी है। वही डुमरांव में भी जलजमाव कीचड़ से लोगों को परेशान होना पड़ा है। शहर के मुख्य पथ स्टेशन रोड में लालगंज कड़वी के पास तथा ईदगाह से लेकर राज हाई स्कूल के पास तक मुख्य सड़क पर जलजमाव हो गया है। इसके अलावे हरिजी के हाता से लेकर लंगटू महादेव मंदिर तक सड़क पर उभरे गड्ढों में जलजमाव के कारण भी वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वही नई कॉलोनियों में इस बारिश से स्थिति नारकीय हो गई है।

अभी भी औसत से कम वर्षा, लेकिन उम्मीद बढ़ी : कृषि विभाग के आंकड़ो की मानें तो अभी भी औसत से कम बारिश हुई है। विभाग द्वारा मंगलवार को जारी किए गए वर्षापात के रिपोर्ट में बताया गया है कि जुलाई माह में औसत 277.20 एमएम बारिश होनी चाहिए। दो जून तक यह औसत 17.88 एमएम वर्षा को सामान्य औसत माना जाता है। मंगलवार को 14.56 एमएम बारिश हुई है। जो उक्त दिन तक औसत से कम है। वही जून में पूरे माह औसत से भी अभी कम बारिश हुई है। सबसे अधिक केसठ प्रखंड में 38.2 एमएम बारिश रिकार्ड किया गया है। जबकि चक्की, राजपुर और सिमरी में बहुत कम बारिश हुई है। हालांकि जिस तरह से आकाश बादलों से घिरा है तथा रूक रूक कर बारिश हो रही है, उससे यह औसत और बेहतर होने की उम्मीद जगी है। नया भोजपुर के प्रगतिशील किसान आशुतोष पांडेय ने बताया कि आद्रा में बारिश होने से धान की फसल अच्छी होती है तथा पैदावार का दर भी ठीक रहता है।

ब्रह्मपुर में करंट की चपेट में आने से एक की मौत, एक इलाजरत

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर



स्थानीय थाना क्षेत्र के रहथुआ व बसवर गांव में करंट की चपेट में आने से 24 घंटे के अंदर एक किशोर तथा एक बिजली मिस्त्री की बुरी तरह से झुलस गया है। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की देर शाम रहथुआ के स्व. सुरेश कुमार सिंह का 16 वर्षीय पुत्र विनय कुमार सिंह अपने घर में बिजली के खराब हुए उपकरण की मरम्मत कर रहा था। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

वहीं दूसरी घटना बसवर गांव की है। यहां पेशे से बिजली मिस्त्री ९बिजेन्द्र ओझा उर्फ छोटे ओझा जंफर जोड़ने के दौरान करंट की चपेट में आ गए। जिससे वो बुरी तरह से जख्मी हो गए हैं। हालांकि इस मामले में स्थानीय पॉवर सब स्टेशन के कर्मियों की लापरवाही की बात भी हो रही है। ब्रह्मपुर जेई दयाशंकर राम ने कहा कि प्रथम दृष्टया कर्मियों की लापरवाही प्रतीत हो रही है। मामले की जांच करा दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं 24 घंटे के अंदर दो हादसे होने के बाद लोगों में भय व्याप्त है।

जो कार्य अहिंसा से हो सकते हैं, वह हिंसा से कभी नहीं: सांसद

- बक्सर सांसद ने इटाढ़ी के चांदू डिहरा में किया बुद्ध के प्रतिमा का अनावरण

केटी न्यूज/बक्सर



आज दुनिया के जिन देशों में युद्ध हो रहे या युद्ध के हालात बने है उससे उन देशों की मुश्किलें काफी बढ़ गई है। भगवान बुद्ध का सिद्धांत था। शांति एवं प्रेम से रहे। जो कार्य अहिंसा से हो सकता वह, हिंसा से कभी नहीं हो सकता। उक्त बातें मंगलवार को इटाढ़ी प्रखंड के चांदू डीहरा गांव में गौतम बुद्ध की प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम में पहुंचे निवर्तमान सांसद सुधाकर सिंह द्वारा लोगों को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि आने वाला भविष्य हमें यह संकेत दे रहा है कि हमें बुद्ध के रास्ते पर चलना होगा। भगवान बुद्ध ने जिस तरह से दुनिया को शांति का संदेश दिया। आज हमें भी उनके बताये रास्ते पर चलने की जरूरत है। इस दौरान सांसद व डुमरांव विधायक अजीत कुशवाहा द्वारा संयुक्त रूप से पंचशील दीप जलाकर प्रतिमा का अनावरण किया गया।

वही, मौके पर डुमरांव विधायक अजीत कुशवाहा ने कहा कि दुनिया के सबसे पहले वैज्ञानिक महामानव गौतम बुद्ध थे। जिन्होंने अपने प्रायोगिक ज्ञान के बल पर यह सिद्ध कर दिया कि अगर कोई कारण है तो उसका निवारण भी है। लोगों में तार्किक बात करने की क्षमता एवं सामाजिक सोच पैदा करने की बात को उजागर किया। इन्होंने वैज्ञानिक सोच के बदौलत दुनिया को शांति के मार्ग पर चलने का राह दिखाया। हम आज भी अगर उनके अष्टांगिक मार्ग को अपनाते हैं तो भारत सहित दुनिया के अन्य देश भी विकास करेंगे। जबकि, पर्यावरण संरक्षक विपिन कुमार ने कहा कि भगवान बुद्ध ने अपने समय में वर्षा काल के दौरान जहां भी बुद्ध विहार थे। वहां तालाबों की खुदाई संरक्षण एवं पौधरोपण करने का काम किया। हमें आज भी अधिक से अधिक पौधरोपण कर भगवान बुद्ध के इस सामाजिक पर्यावरण को बचाने की जरूरत है। इस मौके पर राजद जिला अध्यक्ष शेषनाथ सिंह, निर्मल कुशवाहा, सत्यशोधक समाज के शिव प्रसाद कुशवाहा, पूर्व मुखिया कन्हैया राय, अजय सिंह, मकरध्वज सिंह विद्रोही, गुरु दयाल सिंह, गायक गोपाल मौर्य, सुरेंद्र भारती के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे।

डुमरांव राज हाई स्कूल में शिविर लगा नये सत्र के लिए एनसीसी कैडेटों का किया गया चयन

शारीरिक व लिखित परीक्षा के आधार पर चयनित हुए कैडेट

केटी न्यूज/डुमरांव



मंगलवार को स्थानीय राज प्लस टू उच्च विद्यालय में एक शिविर का आयोजन कर नये सत्र के लिए एनसीसी कैडेटो का चयन किया गया। चयन प्रक्रिया 30 बिहार बटालियन एनसीसी बक्सर के समादेशी पदाधिकारी कर्नल रितेश रंजन, एडम ऑफिसर ले. कर्नल राम सागर मिश्र, राज हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक अनुराग मिश्र तथा विद्यालय के दोनों एनसीसी पदाधिकारी डॉ. संजय रंजन सिन्हा तथा अभयानंद प्रजापति के देखरेख में संपन्न हुआ। छात्रों के चयन के लिए कई मापदंड निर्धारित किए गए थे। सबसे पहले दौड़ प्रतियोगिता कराई गई। इसके बाद शारीरिक क्षमता की जांच की गई। दौड़ तथा शारीरिक परीक्षा में चयनित छात्रों के बीच अंत में लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें चयनित होने वाले 100 कैडेटो का सलेक्शन किया गया। राज हाई स्कूल के ट्रूप संख्या 134 के एनसीसी पदाधिकारी डॉ. संजय रंजन सिन्हा तथा 135 के अभयानंद प्रजापति ने बताया कि नये सत्र के लिए दोनों कंपनी में 50-50 छात्रों का चयन किया गया है। चयन के बाद इन छात्रों को नियमित परेड तथा अन्य कार्यों का अभ्यास कराया जाएगा तथा समय समय पर इन्हें कैंप से जोड विशेष रूप से आत्मरक्षा, समाज सेवा, मैपिंग, आपदा से निपटने तथा हथियार चलाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

एनसीसी पदाधिकारियों ने बताया कि एनसीसी में कैडेटो को पूरी मिलेट्री साइंस की जानकारी दी जाती है। वही समादेशी पदाधिकारी कर्नल रितेश ने कहा कि चयन पारदर्शी तरीके से किया गया है। योग्य छात्रों का चयन किया गया है। आगे इनका कठिन प्रशिक्षण होने वाला है। उन्होंने कहा कि एक एनसीसी कैडेट सामान्य कैडेटो के अपेक्षा अधिक अनुशासनप्रिय व उजार्वान होते है। मौके पर उपस्थित विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनुराग मिश्र ने नवचयनित कैडेटो को बधाई दी और कहा कि आप पढ़ाई के साथ साथ पूरे मनोयोग से एनसीसी का प्रशिक्षण प्राप्त करें। यह प्रशिक्षण आपके जीवन तथा कैरियर के लिए काफी उपयोगी साबित होगा। प्रक्रिया को संपन्न कराने में 30 बिहार बटालियन बक्सर के सुबेदार मेजर महेश प्रसाद, हवलदार राहुल व बलविंदर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हिंदुओं से माफी मांगें राहुल गांधी: विवेक चौधरी

केटी न्यूज/बक्सर



लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी के द्वारा सदन में हिंदुओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष विवेक चौधरी के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकताओं ने बक्सर नगर के मुनीम चौक पर कांग्रेस नेता व लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी का पुतला दहन किया। इससे पहले भाजपा कार्यकताओं ने राहुल गांधी के पुतला के साथ नगर भ्रमण कर राहुल गांधी मुदार्बाद, राहुल गांधी हिंदुओं से माफी मांगों के नारे लगाए गए,नगर के ठठेरी बाजार, मेन रोड, पीपी रोड, यमुना चौक होते हुए मुनीम चौक पर पुतला फूंका गया। इस दौरान भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष विवेक चौधरी ने कहा कि लोकसभा में विरोधी दल के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को सदन में हिंदुओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी जो अपने आप को हिन्दू कहते हैं वह हिन्दू नहीं है हिंसक हैं ऐसे बयान को घोर निंदा करता हूं, राहुल गांधी का इस तरह का बयान घोर निंदनीय है उन्हें अपने बयान पर देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए, हमारे देश के करोड़ों लोग गर्व से कहते हैं कि हम हिंदू हैं। राहुल गांधी हिंदुओं का अपमान कर रहे हैं हिंदुओं के आस्था से खिलवाड़ कर रहे हैं राहुल हिंदुओं से माफी मांगे नहीं तो देश की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी।

मौके पर पूर्व प्रत्याशी प्रदीप दुबे, भाजपा के पूर्व जिलामहामंत्री मदन जी दुबे, शिवजी खेमका, भाजपा के वरिष्ठ नेता वैकुण्ठनाथ शर्मा, लक्ष्मण शर्मा, हरिशंकर गुप्ता, रमेश गुप्ता, अक्षय ओझा व अन्य उपस्थित रहे।

सिकरहटा थाना क्षेत्र के देव गांव में सोमवार की देर शाम घटी घटना, जांच में जुटी पुलिस

फोन पर साली से मजाक करने के विवाद में आरोपित ने साढ़ू को चाकू मार किया जख्मी

♦ जख्मी युवक का सदर अस्पताल में कराया जा रहा है इलाज, मामले की छानबीन कर रही पुलिस

केटी न्यूज/आरा





भोजपुर जिले के सिकरहटा थाना क्षेत्र के देव गांव में मोबाइल फोन पर साली से मजाक करने के विवाद को लेकर आरोपित ने अपने साढ़ू को चाकू मार कर जख्मी कर दिया। जख्मी युवक को चाकू दाहिने से पीठ एवं बाएं हाथ के केहुनी पर मारी गई है। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जख्मी युवक के सिकरहटा थाना क्षेत्र के देव गांव निवासी स्व.सूरज पासवान का 32 वर्ष से पुत्र परमेश्वर पासवान है एवं वह पेशे से राजमिस्त्री है। इधर जख्मी युवक के बड़े भाई चंद्रमा पासवान ने बताया कि एक दिन पूर्व उसके ससुर घर पर झगड़ा कर कहीं चले गए थे। जब उसे ये बात मालूम हुआ तो उसने अपने तीनों साली के घर पर फोन कर उनके पहुंचने की जानकारी ले रहा था। उसी दौरान जब उसने चरपोखरी थाना क्षेत्र के नगरी गांव निवासी अपने साढ़ू जीतू पासवान की पत्नी व अपनी साली ममता के मोबाइल फोन पर कॉल किया तो उसने पूछा कि वह वहां पहुंचे हैं तो उसने कहा कि नही। तभी उसने अपनी साली से मजाक कर ली। इसी बात पर गुस्सा होकर उसके पति द्वारा फोन पर गाली-गलौज किया गया और उसे धमकी दी गई कि मैं तुझे बता दूंगा।

सोमवार की शाम जब वह अपने घर पर प्लास्टर का काम कर रहा था। तभी उसका साढ़ू उसके घर आया और छत पर चढ़कर बोला की क्या हाल है इसके बाद उसने उसके पीठ में एवं हाथ पर चाकू मार दी। तभी परिजनों ने उसे देख लिया और दबोच लिया। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना डायल 112 नंबर पुलिस वाहन एवं स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना वहां पहुंची और आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पर परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा अस्पताल लाया गया। वहीं दूसरी ओर जख्मी युवक के बड़े भाई चंद्रमा पासवान ने नगरी गांव निवासी उसके साढ़ू जीतू पासवान पर अपनी साली व उसकी पत्नी से मजाक करने के विवाद को लेकर उसे चाकू मारने का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

पूर्व के जमीनी विवाद में घर में घुसकर युवक को मारी गोली

आरा। जिले के तीयर थाना क्षेत्र के अंगरुआ गांव में पूर्व के जमीनी विवाद को लेकर घर में घुसकर एक युवक को गोली मार दी गई। जख्मी युवक को गोली दाहिने साइड सीने एवं दाहिने साइड पीठ में मारी गई है। गोली लगते ही वह खून से लथपथ होकर जख्मी हालात में जमीन पर गिर पड़ा। जिसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। जख्मी युवक तीयर थाना क्षेत्र के अंगरुआ गांव निवासी धनु राम का 36 वर्षीय पुत्र विवेक कुमार है। घटना को लेकर गांव एवं आसपास की इलाके में सनसनी मच गई है। घटना की सूचना मिलते ही तीयर थानाध्यक्ष घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गए हैं। इधर विवेक कुमार ने बताया कि उसका गांव में ही डेढ़ बिगहा जमीन और पुश्तैनी मकान है। उसी जमीन व मकान को गांव के ही एक युवक द्वारा जबरन उस पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। जिसको लेकर करीब 35 वर्षों से विवाद चल रहा है। उसे लेकर उसने कोर्ट में कैसे भी किया है। उक्त व्यक्ति द्वारा उसे कहा जा रहा है कि तुमने केस क्यों किया और मुझे नोटिस क्यों भेजवा रहे हो। तुम यह मकान खाली कर दो तो उसने इसका विरोध किया। सोमवार कि देर रात जब वह घर के आंगन में था। तभी उक्त व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ उसके घर में घुसकर उसके आंगन में आ गया और उसे गोली मार दी।

धीमी प्रगति वाले प्रखंडों में समय से पूरा कराएं एनबीएस का लक्ष्य : एसीएमओ

♦ अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी ने एनबीएस के लिए एमओआईसी को दिए सख्त निर्देश

केटी न्यूज/आरा

जिले में चल रहे नाइट ब्लड सर्वे का लक्ष्य निर्धारित अवधि में पूरा किया जाए। जिन प्रखंडों में लक्ष्य के अनुरुप धीमी प्रगति है, वहां पर फ्रंटलाइन वर्कर्स, स्थानीय जनप्रतिनिधि व प्रबुद्ध जनों के साथ मिलकर लोगों को नाइट ब्लड सर्वे को लेकर लोगों को जागरूक करें। ताकि, सर्वे के साथ-साथ लिए गए रक्त की स्टैनिंग भी समय से पूरी की जा सके। उक्त बातें अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. केएन सिन्हा ने नाइट ब्लड सर्वे की अद्यतन रिपोर्ट की समीक्षा के दौरान कही। एसीएमओ ने



सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को जिले में 27 जून से शुरू हुए नाइट ब्लड सर्वे की गति तेज करने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि जिले के सभी प्रखंडों को मिलाकर 9000 लोगों के खून का सैंपल लेना है। जिनमें प्रत्येक प्रखंड से 300 नमूने सेंटिनल और 300 रैंडम साइट्स से लेने है। उन्होंने सभी प्रखंडों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को लक्ष्य के अनुरुप कार्य करने का निर्देश दिया है।

एनबीएस को लेकर लोगों को करें जागरूक

डॉ. सिन्हा ने कहा कि सर्वे कार्य की सफलता में सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, बीएचएम व बीसीएम को अपनी भागीदारी सुनश्चित करना होगा। शत प्रतिशत सफलता के लिए चयनित स्थलों के आसपास बैनर, पोस्टर एवं माइकिंग के द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जाए। जिससे लोगों में जागरूकता आए कि फाइलेरिया उन्मूलन के लिए क्यों एनबीएस जरूरी है। लोगों को बताया जाए कि खून में फाइलेरिया के परजीवी रात में ही सक्रिय होते हैं। इसलिए नाइट ब्लड सर्वे से सही रिपोर्ट का पता चल पाता हैं। नाइट ब्लड सर्वे की गतिविधियों का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य प्रखंड स्तर पर फाइलेरिया व माइक्रो फाइलेरिया की दर को जानना है। नाइट ब्लड सर्वे से यह पता चलेगा कि जिले में कितने प्रतिशत लोगों में फाइलेरिया का परजीवी मौजूद है।

पंखे से लटका मिला युवक शव

केटी न्यूज/आरा

जिले के गीधा थाना क्षेत्र के बीरपुर गांव में पंखे की कुंडी से लटका युवक बरामद हुआ है। शव के मिलने से गांव में आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। वही परिजन द्वारा घरेलू विवाद को लेकर फांसी लगाकर आत्महत्या करने की बात कही जा रही है। वही घटना की सूचना पाकर गीधा थाना इंचार्ज प्रियशिला पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच शव को अपने कब्जे में ले कर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया।

मृतक बीरमपुर गांव निवासी चंदन गोंड बेंगलुरु स्थित प्राइवेट कंपनी काम करता था। इधर मृतक के पडोसी शिव कुमार कुशवाहा ने बताया कि वह शुरू से ही बेंगलुरु में रहकर काम करता था। शादी के बाद वह बेंगलुरु चला गया। इस बीच उसकी पत्नी गर्भवती हो गई। जिसके कारण उसकी पत्नी अपने मायके बक्सर चली गई थी। लड़का हो जाने के बाद उसकी मां ने कहा शुभ दिन देख कर के उसकी विदाई कराकर उसे घर ले आना है। जिसके बाद उसके सास-ससुर बहू के मायके उसकी विदाई कराने भी गए थे। लेकिन मायके वालों ने उसे नहीं भेजा। इसके बाद वे लोग वापस चले आए थे। इसके उसके ससुराल वालों ने बक्सर महिला थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई कि ससुराल वाले उसे नहीं ले जा रहे हैं। जिसके बाद महिला थाना पुलिस ने उसके पति को बुलाया। वह बुधवार को बेंगलुरु से लौटा और दोनों पक्ष बक्सर महिला थाना में भी गए। उसके बाद वह अपनी पत्नी को गुरुवार को वापस अपने ससुराल से लेकर उसे घर आया था। इसी बीच सोमवार की शाम उसने अपने कमरे में पंखे से लटक कर फांसी लगा ली।

एक नजर

आकर्षण का केंद्र बना यूको पर्यटन स्थल



सासाराम। रोहतास जिले के यूको पर्यटन स्थल मां तुतला भवानी के पास पहली बारिश में झरने की पानी के बीच जंगल पहाड़ में बंदरों की चहलकदमी का वीडियो आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। पहाड़ जंगल की तराई में बंदरों की उझल कूद चहलकदमी का वीडियो फॉरेस्ट ऑफीसर अमित कुमार ने अपने स्टेटस पर लगाया तो लोगों के बीच आकर्षण बन गया। इस वीडियो को लेकर एनसीपी के प्रदेश प्रवक्ता आशुतोष सिंह ने बताया कि मानसून की पहली बारिश में घर आंगन के बीच नन्हे मुन्ने बच्चों को खेलने कुदते देखा गया। लेकिन आद्रा नक्षत्र के बीच रोहतास में पहली बारिश से पहाड़ी झरने की सुगबुगाहट के साथ तराई में जिस तरह से पानी में बंदर छलांग लगाते वीडियो लोगों को पसंद बनते जा रहा है। उन्होंने कहा रोहतास में पिछले दिनों तेज धूप गर्मी से इंसान पशु पक्षी की भी परेशानी बढ़ गई थी। मानसून की हल्की पहली बारिश से इंसान पशु पक्षी सभी को भीषण गर्मी से राहत मिली है। बंदरों की झूंड पानी में उझल कूद चहलकदमी प्रमाण के लिए काफी है कि पिछले दिनों मौसम की बेरुखी से जंगल में भी पशु पक्षी जानवरों को पानी की अभाव में परेशानी हुई। जब बारिश आई तो बंदरों की फेहरिस्त ने भी मानसून का आंनद लेकर शरीर को सुकून दिया।

जलजमाव के कारण नप क्षेत्र में जनजीवन अस्त-व्यस्त, बढ़ी लोगों की परेशानी



बिक्रमगंज। स्थानीय नगर परिषद क्षेत्र में सोमवार की देर रात्रि से ही लगातार हो रही बारिश के कारण आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। नगर परिषद बिक्रमगंज के आनंद नगर वार्ड संख्या 05 और वीआईपी कालोनी वार्ड संख्या 18 सहित कई अन्य वार्डों में सड़क पर हुए जलजमाव के कारण से लोगों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आपको बताते चलें कि बिक्रमगंज-डिहरी मुख्य मार्ग, आरा-सासाराम मुख्य मार्ग, बिक्रमगंज-डुमरांव मुख्य मार्ग एवं आरा-पटना मुख्य मार्ग के किनारे भी जलजमाव हो जाने से लोगों को आने व जाने में कठिनाई महसूस हो रही है। साथ ही साथ सब्जी बाजार की भी काफी दुर्दशा बनी हुई है। जिसमें स्थानीय लोग सब्जी बाजार के अंदर प्रवेश करने में भी कतरा रहें है। लोगों ने बताया कि सोमवार की रात से लगातार हो रही बारिश ने नगर परिषद के विकास की पोल खोल कर रख दी है। नगर परिषद क्षेत्र में जगह- जगह जलजमाव के कारण से लोगों को काफी परेशानी का समाना करना पड़ रहा है। लोगों ने बताया कि नगर परिषद प्रशासन को जलजमाव की समस्या को गंभीरता से लेने की जरूरत है। जब मानसून से पहली हुई बारिश में अभी यह हाल है तो मानसून की बारिश के दौरान नगर परिषद की क्या स्थिति रहेगी। नगर परिषद प्रशासन को जल-जमाव की समस्या को दूर करने का स्थायी निदान करने की जरूरत है।

चालू सत्र से ही शुरू होगा तीन वर्षीय डाटा साइंस एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स

सासाराम। गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय ,जमुहार के अंतर्गत संचालित सूचना प्रौद्योगिकी एवं अभियंत्रण विभाग द्वारा आईबीएम के सहयोग से चालू सत्र 2024 से एक नई विधा की शुरूआत की जा रही है। आईबीएम एवं गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में चालू सत्र से 3 वर्षीय डाटा साइंस एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स शुरू होने जा रहा है। जिससे इस क्षेत्र के छात्रों को राष्ट्रीय स्तर पर कदम से कदम मिलाने का एक अवसर प्राप्त होगा तथा विश्वविद्यालय के छात्रों को एक नई दिशा प्राप्त होगी।

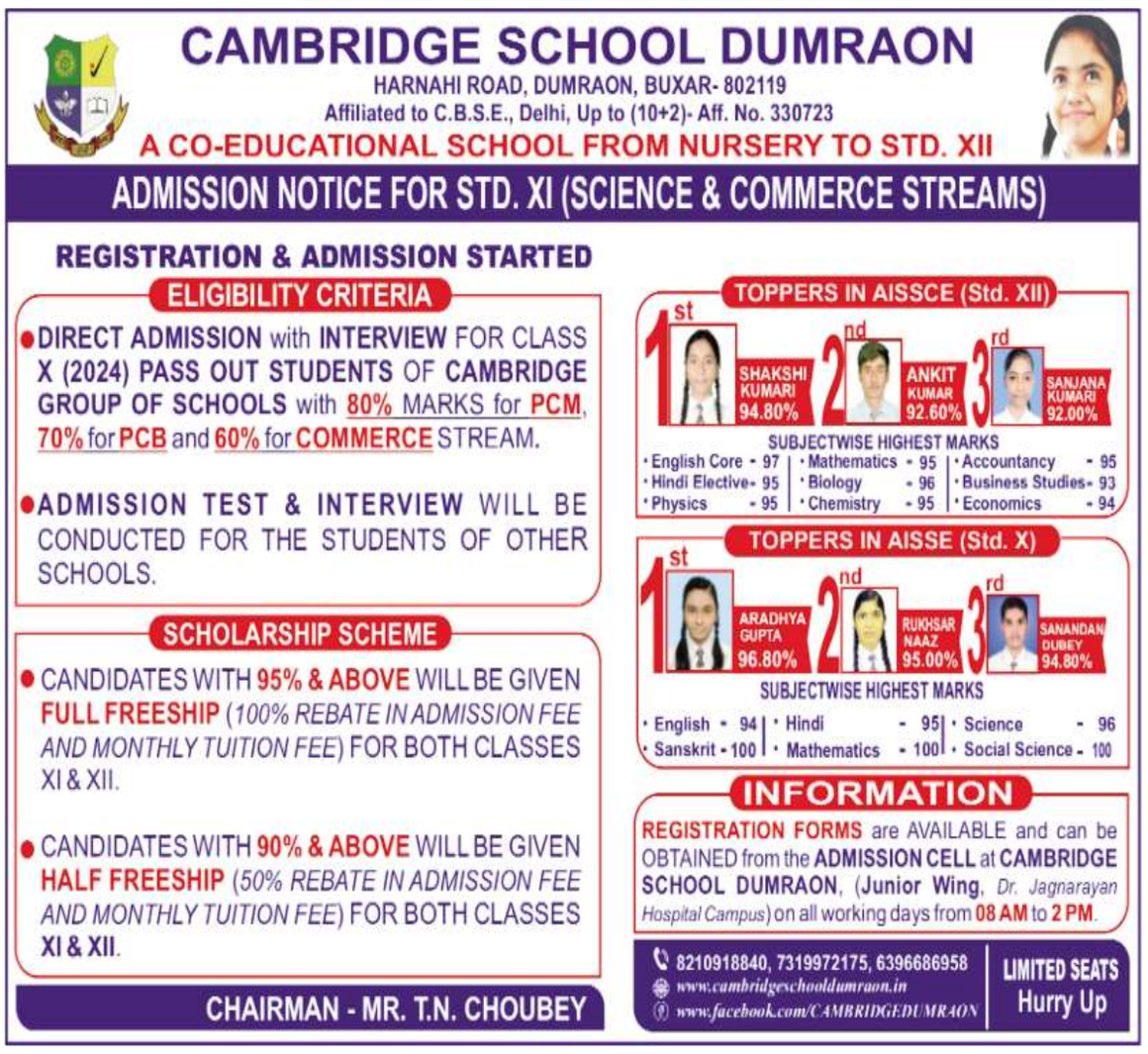
संकाय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इस कोर्स को इस प्रकार का आकार प्रदान किया गया है। जिसमें छात्र विषय से संबंधित दक्षता प्राप्त करेंगे और आईबीएम के विशेषज्ञ शिक्षकों के सानिध्य में उन्हें विभिन्न प्रकार के सर्वेक्षण एवं गतिविधियों में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा जो की संस्थान की दक्षता को विकसित करेगा।

युवक का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

सासाराम। जिले के सासाराम मुफस्सिल थाना के पुलिस ने दयालपुर गांव के पास रेल लाइन से एक पुरुष शव बरामद किया। उक्त शव की शिनाख्त चेनारी के रहने वाले मोहम्मद आफताब के रूप में हुई। शव की शिनाख्त के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। घटना के सूचना पर पहुंचे भीम आर्मी के रोहतास जिलाध्यक्ष अमित पासवान ने उक्त युवक की हत्या कर शव को फेंकने की आशंका जताई है। वहीं परिजन भी हत्या की बात बता रहे हैं। भीम आर्मी के रोहतास जिला अध्यक्ष अमित कुमार पासवान ने बताया कि मोहम्मद आफताब पैसे लेनदेन करता था। जिसे लेकर हत्या की आशंका जताई जा रही। हालांकि उन्होंने उक्त मामले में जांच करने की मांग उठाई है। बताया गया कि उक्त युवक सासाराम में ही फिलहाल अपने घर में रहते थे। जहां पुलिस ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दयालपुर गांव के पास रेलवे लाइन से युवक का शव बरामद किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए सदर अस्पताल सासाराम में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपते हुए अगली कार्रवाई जारी रखी है। सदर अस्पताल सासाराम के चिकित्सक ने बताया कि पुलिस ने एक युवक के शव को पोस्टमार्टम कराकर सौंप दिया। ट्रेन से युवक की मौत होने की बात बताई गई।







बिना ड्रग लाइसेंस लिये दवा का विक्रय व भंडारण करने पर होगी कार्रवाई: एडीएम

- दवा कारोबारी समय से ड्रग लाइसेंस का नवीनीकरण करा लें
- एडीएम ने ली जिला स्तरीय कमेटी की बैठक, विभिन्न विभागों को दिए निर्देश

केटी न्यूज/ गाजीपुर

अपर जिलाधिकारी दिनेश कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कमेटी की बैठक रायफल क्लब सभागार में आहुत की गई है। इसमें अपर जिलाधिकारी द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन गाजीपुर के विभागीय अधिकारियों द्वारा किए गए कार्यों का अनुश्रवण किया गया एवं बैठक में निम्नानुसार कार्रवाई किए जाने के लिए निर्देश दिया गया। बिना ड्रग लाइसेंस लिए दवा का विक्रय न किया जाए। समय से ड्रग लाइसेंस का नवीनीकरण करवाएं। बिना बिल बाउचर / कैश मेमो / इनवाइस के दवा का क्रय-विक्रय व भंडारण न किया जाए। इसके लिए ड्रग एसोसिएशन के पदाधिकारियों को औषधि निरीक्षक के साथ पूर्ण



सहयोग के लिए निर्देशित किया गया। औषधि निरीक्षक को निर्देशित किया गया कि जनपद में अधोमानक एवं नकली दवाओं के विक्रय एवं भंडारण पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए प्रवर्तन कार्रवाई की जाए। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन गाजीपुर के खाद्य अनुभाग के अधिकारियों को जनपद में अधोमानक / मिलावटी एवं स्वास्थ्य के लिए हानिकारक खाद्य पदार्थों के निर्माण/भंडारण/ वितरण एवं विक्रय पर प्रतिबंध लगाए जाने के लिए टीम बनाकर कार्रवाई किए जाने के लिए निर्देशित किया गया। मीटिंग में उपस्थिति खाद्य व्यापार मंडल के पदाधिकारियों द्वारा विभागीय अधिकारियों के साथ सहयोग किए जाने के लिए आश्वासन दिया गया। छात्र-छात्राओं के लिए भोजन तैयार करने वाली रसोइयों (मिड- डे -मील) आवासीय विद्यालयों में तैयार भोजन की नियमित जांच कराई जाए। इसके लिए खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों के सहयोग के लिए जिला बेसिक शिक्षाधिकारी गाजीपुर को निर्देश दिया गया। साथ ही शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि एमडीएम की जॉच स्वयं भी चखकर करें। पालिथीन में दी जा रही चाय को हतोत्साहित किए जाने के लिए खाद्य व्यापार मंडल, औषधि एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं विभागीय अधिकारियों को खाद्य कारोबारकताओं एवं उपभोक्ताओं को जागरूक किए जाने के लिए निर्देश दिए गए। वाट-माप विभाग के अधिकारियों को नियमित भ्रमण कर जॉच के लिए निर्देश दिए गए।

एक नजर

जननी सुरक्षा योजना के तहत महिलाओं को नि:शुल्क भोजन, दवा एवं ड्राप बैंक की सुविधा उपलब्ध

गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति (शाशी निकाय) की बैठक कलेक्ट्रट सभागार में सम्पन्न



हुई। जिसमें जननी सुरक्षा योजना कार्यक्रम के अन्तर्गत महिलाओं को नि:शुल्क भोजन, दवा एवं ड्राप बैंक की सुविधा, ओपीडी एवं अन्य बिन्दुओं पर समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि हेल्थ वेलनेस सेंटर पर आवश्यक दवाओं की उपलब्धता रहे।ओपीडी संचालन तथा नियमित रूप से सीएचओ एवं एएनएम की उपस्थिति का निर्देश दिया। समस्त सीएचसी, पीएचसी पर सीसी टीवी कैमरा का संचालन रिकॉर्डिंग मोड पर रखने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने संबंधित चिकित्सा अधीक्षकों को हेल्थ वेनलेस सेंटर की क्रियाशीलता बराबर चेक करते रहने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान उन्होंने जननी सुरक्षा योजनान्तर्गत गर्भवती महिलाओं के संस्थागत प्रसव के संबंध में जानकारी लेते हुए इस कार्यक्रम के अन्तर्गत महिलाओं को नि:शुल्क भोजन तथा दवा एवं ड्राप बैंक की सुविधा के साथ-साथ 48 घंटे रोके जाने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने ई-कवच, जननी सुरक्षा योजना, जेएसवाई के भुगतान, मातृत्व मृत्यु दर की समीक्षा, परिवार कल्याण कार्यक्रम, टीकाकरण, आशा/जे एसवाई भुगतान, क्षय रोग नियंत्रण, कुष्ठ उन्मूलन, प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना, आयुष्मान कार्ड, जन्म-मृत्यु पंजीयन एवं अन्य बिन्दुओं पर विस्तारपूर्वक समीक्षा की। जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान गर्भवती महिलाओं के प्रवस पूर्व पंजीकरण में खराब प्रगति पर सीएमएस महिला चिकित्सालय एवं एमओवाईसी जखनियां, कासिमाबाद एवं गोड़उर से स्पष्टिकरण कर निर्देश दिया। जननी सुरक्षा योजना अन्तर्गत प्रसव उपरान्त किसी भी महिला का भुगतान बाकी न हो। जेएसएसके में खराब प्रगति होने पर भदौरा एमओवाईसी का वेतन रोकना तथा स्पष्टीकरण देने का का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजनान्तर्गत आयुष्मान कार्ड का अभियान चलाकर पात्र लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनाने का निर्देश दिया। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन में मनिहारी की प्रगति खराब होने पर एमओवाईसी का वेतन रोकने तथा स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। बैठक में उन्होंने निर्देश दिया कि शासन की जो भी लाभपरक योजनाएं संचालित हैं। उसका शत-प्रतिशत क्रियान्वयन हो, कोई भी पात्र योजना से वंचित न रहे। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी देश दीपक पाल, जिला विकास अधिकारी सुभाष चन्द्र सरोज, परियोजना निदेशक राजेश यादव, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी (एन एच एम),, समस्त एमओवाईसी एवं अन्य संबंधित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

राहुल गांधी का फूंका पुतला, बताया हिंदुत्व विरोधी है मानसिकता

बलिया। राहुल गांधी द्वारा हिंदुत्व को लेकर दिए गए बयान के विरोध



में भारतीय जनता युवा मोर्चा के पदाधिकारियों द्वारा टीडी कॉलेज चौराहे पर सांसद राहुल गांधी का पुतला फूंका गया। नेतृत्व भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष आदित्य तिवारी ने किया। इस दौरान आदित्य तिवारी ने बताया कि सांसद राहुल गांधी का बयान देश के लोकतंत्र पर कुठाराघात है और हिंदुओं के प्रति उनकी मानसिकता कितनी ओछी है यह भी दशार्ता है। इस मौके पर नाराायण जी जायसवाल, अंकित तिवारी, भोला गुप्ता, पिंकू चौबे, शशिकांत चौबे, प्रियांशु सिंह, पप्पू गिरी, अविनाश पांडेय, अतुल्यित पांडेय आदि उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकताओं ने मनोज सिन्हा व कलराज मिश्रा का मनाया जन्मदिन

गाजीपुर। जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा तथा राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्रा के जन्मदिन पर भाजपा नेता मुरली कुशवाहा के छावनी लाइन (प्रसादपुर) स्थित आवास पर जिला मंत्री सुरेश बिंद, जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा तथा मंडल अध्यक्ष गोपाल राय के द्वारा केक काटकर व इन दोनों विभूतियों के सम्मान मे नारा लगाकर मनाया गया। एक दूसरे को मिठाई खिलाकर इनके दीघार्यु, स्वस्थ जीवन की शुभकामना व्यक्त किया गया। इस अवसर पर जिला मंत्री सुरेश बिन्द ने कहा कि मा मनोज सिन्हा तथा मा कलराज मिश्र के उत्कृष्ट कार्यों से जिले को पूरे देश में एक नयी उर्जा व पहचान मिली है। जिला मीडिया प्रभारी शशिकांत शर्मा ने कहा कि मनोज सिन्हा तथा कलराज मिश्र जैसी अप्रतिम विभूतियों की जन्मभूमि पर गाजीपुर आज इनके कृतित्व व व्यक्तित्व से पूरे देश में गौरवान्वित व सम्मानित हो रहा है। इस अवसर पर गोला ग्राम प्रधान तथा मंडल उपाध्यक्ष संजय कुमार राम, मुरली कुशवाहा,विनोद राय ,पंकज विश्वकर्मा, रंजीत कुमार राम,मनोज कुशवाहा,बब्बन यादव सहित आदि लोग उपस्थित थे।

खबरें फटाफट

तीन एंड्रायड मोबाइल के साथ दो चोर गिरफ्तार

बलिया। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के



क्रम में बांसडीह पुलिस ने चोरी के तीन एंड्रॉयड मोबाइल के साथ दो चोरों को मंगलवार को मिश्रवलिया तिराहे के पास से गिरफ्तार कर संबंधीत धाराओं में चालान कर दिया। पूछताछ में अभियुक्तों ने अपना नाम व पता दुर्गेश कुमार पुत्र सुभाष बिन्द तथा आकाश बिन्द पुत्र श्रीभगवान साहनी निवासीगण राजपुर थाना बासडीह जनपद बलिया बताया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उनि शकील अहमद, हेका रितेश सिंह, का धीरज मौर्या आदि रहे।

बाइक के धक्के से वृद्ध महिला घायल

बलिया। सुखपुरा थाना क्षेत्र के परसिया चट्टी पर बाइक के धक्के से मंगलवार की सुबह एक वृद्ध महिला घायल हो गई। आसपास के लोगों ने उन्हें निजी चिकित्सक के यहां उपचार कराने के बाद जिला अस्पताल भेज दिए। वृद्ध महिला का नाम जितनी देवी है, उम्र लगभग 75 वर्ष बताई जा रही है। वृद्ध महिला पैदल जा रही थी, तभी एक बाइक सवार ने धक्का मार दिया, जिससे वृद्ध महिला घायल हो गई।

एंटी लार्वा का किया छिड़काव

चंदौली । संचारी रोग व दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण करने व सही उपचार के दृष्टिगत व्यापक अभियान चलाते हुए वर्ष 2024 में संचारी रोग नियंत्रण अभियान (एक से 31 जुलाई) व दस्तक अभियान का प्रथम चरण (11 से 31 जुलाई तक) में जनपद के समस्त 734 ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम को संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत जनपद में कार्यरत समस्त सफाई कर्मचारियों का ग्राम पंचायतवार रोस्टर तैयार कर ग्रामों / ग्राम पंचायतों में नालियों/ रास्तों की साफ-सफाई, रास्तों में झाड़ियों की कटाई व एंटीलार्वा का छिड़काव कराया जा रहा है।

जनपद स्तरीय शांति समिति की बैठक में मऊ के जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

किसी भी नई परंपरा की नहीं करें शुरुआत दिशा निर्देशों का कड़ाई से हो अनुपालन



- तंग गलियों में नंगे तारों को ऊपर करने, 10 दिनों तक शहर के मुख्य गलियों में भारी वाहन का प्रवेश प्रतिबंधित करने जैसी अनेक मांगों से कराया अवगत

केटी न्यूज / मऊ

जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में आगामी त्योहार मोहर्रम के दृष्टिगत जनपद स्तरीय शांति समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार मेंसंपन्न हुई। बैठक के दौरान शांति समिति के सदस्यों द्वारा सांय 6:00 बजे के बाद अनवरत बिजली आपूर्ति करने, संस्कृत पाठशाला से कर्बला तक ताजिया ले जाने में देरी न करने, गलियों की टूटी नाली ठीक करने, खुली नालियों को ढकने, तंग गलियों में नंगे तारों को ऊपर करने, 10 दिनों तक शहर के मुख्य गलियों में भारी वाहन का प्रवेश प्रतिबंधित करने जैसी अनेक मांगों से अवगत कराया गया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष ने भी ताजिए के रास्तों का अवश्य निरीक्षण कर बिजली के नंगे तारों को ठीक करने की बात कही। शांति समिति के सदस्यों द्वारा उठाई गई समस्याओं के निस्तारण को लेकर आश्वस्त करते हुए जिलाधिकारी ने अधीक्षण अभियंता विद्युत, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका एवं अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी को ताजिए के रास्तों का स्वयं निरीक्षण करते हुए,अगर कोई समस्या हो तो उसे तत्काल निस्तारित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने सदस्यों को ताजिए की ऊंचाई पर विशेष ध्यान देने को कहा जिससे किसी को करंट लगने जैसी समस्या से सामना न करना पड़े। उन्होंने जुलूस के दौरान अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन न करने एवं समय से सारे कार्यक्रम पूर्ण करने को कहा। इसके अलावा उन्होंने सूअर बाड़ों के मालिकों को पूर्व में ही सूचित कर सचेत करने के निर्देश दिए। उन्होंने सदस्यों से दूसरे धर्म के लोगों की भावनाओं का भी का ख्याल रखना को कहा। इसके अलावा जिलाधिकारी ने प्रतिबंधित पशुओं का प्रयोग न करने को कहा। जिलाधिकारी ने पूर्व के त्योहारों के दौरान शांति समिति के सदस्यों द्वारा सहयोग करने पर धन्यवाद देते हुए मोहर्रम को भी शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने जिम्मेदार लोगों से अपनी जिम्मेदारी निभाने को भी कहा जिससे त्यौहार के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने समिति के सदस्यों से शासन द्वारा जारी दिशा निदेर्शों के अनुरूप ही त्यौहार मनाए जाने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने भी किसी भी प्रकार की नई परंपरा प्रारंभ नहीं करने, निर्धारित रूट पर ही ताजिया निकालने, समय का विशेष ध्यान रखने तथा ताजिए की ऊंचाई पर भी विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने ताजिए की लंबाई, चौड़ाई एवं ऊंचाई पूर्व की भांति ही रखने के निर्देश दिए। साथ ही किसी भी प्रकार के हथियार का प्रदर्शन न हो, यह भी सुनिश्चित करने को कहा। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक एवं अपर जिलाधिकारी ने भी शांति समिति के सदस्यों को शासन द्वारा जारी दिशा निदेर्शों से अवगत कराते हुए शांतिपूर्ण ढंग से सौहार्दपूर्ण माहौल में त्योहार मनाने को कहा। बैठक में पुलिस अधीक्षक इलमारन, अपर पुलिस अधीक्षक महेश कुमार अत्री, अपर जिलाधिकारी सत्यप्रिय सिंह व अन्य अधिकारी सहित शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने वन महोत्सव का किया शुभारंभ

मऊ। पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ अभियान के अन्तर्गत देश में 01 जुलाई, 2024 से 07 जुलाई, 2024 तक वन महोत्सव मनाया जा रहा है, जिसके दृष्टिगत आज जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने विकासखंड परदहा के कंपोजिट विद्यालय सुल्तानपुर बनोरा में बृक्षा रोपण कर इस महोत्सव का शुभारंभ किया। वहां पर उन्होंने एक वृक्ष मां के नाम पर वृक्षारोपण किया। जिलाधिकारी ने वहां पर उपस्थित लोगों को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक भी किया। इस दौरान उन्होंने कंपोजिट विद्यालय के अध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं से भी संवाद किया। जिला अधिकारी ने कंपोजिट विद्यालय में नामांकन हेतु आए अभिभावकों से भी वार्ता कर परिषदीय विद्यालयों में बच्चों के नामांकन हेतु प्रेरित किया। कुछ बच्चों का नामांकन भी जिलाधिकारी द्वारा स्वयं किया गया। कंपोजिट विद्यालय के निरीक्षण के दौरान



जिलाधिकारी बड़े खुश नजर आए। वहां की सारी व्यवस्थाएं बहुत ही अच्छी पाई गई। कंपोजिट विद्यालय में नामांकन की स्थिति एवं उपस्थित बहुत अच्छी पाई गई साथ ही शिक्षक एवं बच्चों का शिक्षण/शैक्षिक गुणवत्ता स्तर भी अच्छा था। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को वृक्षारोपण कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए तथा धरा को हरियाली से परिपूर्ण करने हेतु वृक्षारोपण कार्यक्रम सफलतापूर्वक किया जाना आवश्यक है। इस दौरान बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार उपाध्याय द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया।

इस बार 30 गांवों को बाढ़ से मिलेगी राहत

केटी न्यूज / बलिया।

सरयू की बाढ़ से तटवर्ती क्षेत्रों को बचाने के लिए शुरू की गईं दो परियोजनाएं समय से पहले पूरी हो गईं। इससे रेवती क्षेत्र के करीब 30 गांवों को बाढ़ के समय राहत होगी। जिले के रेवती विकास खंड में प्रवेश के बाद सरयू की धारा खड़ी (लंबवत) हो जाती है। इससे तटबंध पर दबाव अधिक पड़ता है।

बरसात के मौसम में नदी का प्रवाह क्षेत्र भी बढ़ जाता है। लिहाजा तटबंध की सुरक्षा विभाग के लिए भी एक चुनौती बन जाती है। वहीं, इलाकाई लोगों की भी धुकधुकी बढ़ जाती है। खासकर सरयू नदी के दाहिने तट पर निर्मित तुतीर्पार श्रीनगर तटबंध के किमी 62.850 से किमी 63.000 के मध्य स्थित गांवों पर बाढ़ का खतरा भी बढ़ जाता है। सिंचाई और बाढ़ खंड ने 373.62 लाख की लागत से 150 मीटर लंबे लांचिंग एप्रेन एवं स्लोप पिचिंग के कार्य को तमाम



अवरोधों के बाद भी करीब दो माह पहले पूरा कर लिया। इस परियोजना के पूरा होने से क्षेत्र के महादनपुर, महाराजपुर और भोजछपरा सहित आधा दर्जन से अधिक गांवों की सुरक्षा भी पुख्ता हो गई है। वहीं तुतीर्पार श्रीनगर तटबंध के किमी 69.950 से किमी 70.200 के मध्य बने तटबंध पर भी नदी के लंबवत होने से खतरा बढ़ गया था। जो क्षेत्र के डेढ़ दर्जन से अधिक गांवों के लिए चिंता का विषय था। शासन से 208.74 लाख की परियोजना स्वीकृत की गई थी। तटबंध को पुख्ता और मजबूती प्रदान करने के लिए 80 मीटर लंबे लांचिंग एप्रेन तथा स्लोप पिचिंग एवं कार्य कराना था। दोनों परियोजनाओं के पूरा होने से तटवर्ती गांवों के लोगों ने राहत की सांस ली है।

क्या बोले सहायक अभियंता

बलिया। इस संबंध में सहायक अभियंता अमृत लाल ने बताया की स्वीकृति के तुरंत बाद चुनाव की अधिसूचना जारी हो गई थी। इससे कार्य लटकता नजर आया। लेकिन सरयू के मिजाज को देखते हुए परियोजनाओं को समय से पूरा करना भी जरूरी था। लिहाजा चुनाव आयोग से अनुमति लेकर कार्य को समय से पहले पूरा करा दिया गया। इन दोनों परियोजनाओं के पूरा हो जाने से तुतीर्पार श्रीनगर तटबंध का यह क्षेत्र पूर्णत: सुरक्षित हो गया है।

गाजीपुर के 851 ग्राम पंचायतों में माइक्रो प्लान के तहत कराए गए कार्य

केटी न्यूज/ गाजीपुर

जनपद में संचारी रोग अभियान 2024 के अंतर्गत 16 विकास खंडों की 1238 ग्राम पंचायतों के सापेक्ष 851 ग्राम पंचायतों में माइक्रो प्लान के अनुसार गतिविधियां सम्पन्न कराई गई है। 480 ग्राम पंचायतों में झाड़ी कटाई, 371 ग्राम पंचायतों में नाली सफाई व निर्धारित गतिविधियों को कराया गया है। ग्राम पंचायत स्तर पर पंचायत सहायक व ग्राम पंचायत सचिव के स्तर से विकास खंड स्तर में सहायक विकास अधिकारी (पं0) के स्तर से व जिले पर संबन्धित जिला सलाहकार स्तर से कराए गए कार्यो का नियमित रूप से अनुश्रवण किया जा रहा है। समस्त कर्मचारियों को निर्धारित माइक्रोप्लान के अनुसार ही कार्य कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

बलिया नगर पालिका के नाला सफाई की खुली पोल

झमाझम बारिश से मन मस्त, कीचड़ से तन त्रस्त

- कीचड़ व फिसलन से बढ़ी परेशानी

केटी न्यूज / बलिया

मानसून ने थोड़ा सा ट्रेलर क्या दिखाया, नगर पालिका के नाला सफाई की पोल खुल गई। गड्ढानुमा सड़क पर पानी लग गया। रिमझिम बारिश के कारण जगह-जगह कीचड़ और फिसलन की स्थिति उत्पन्न हो गई। हालांकि मानसून के बारिश के बीच लोगों ने राहत की सांस ली है, जो किसान अब तक टकटकी लगाए बैठे थे तो वह अब धान की बेहन डालने के बारे में सोचने लगे। मंगलवार की सुबह से ही कभी रिमझिम, कभी छिटपुट का क्रम जारी है। कुल मिलाकर झमाझम बारिश से मन तो मस्त है, लेकिन कीचड़ से तन त्रस्त है। सुबह से ही मौसम के करवट लेने के कारण स्कूल, कॉलेज, कचहरी, कलेक्ट्रेट सहित प्रमुख आफिस खाली-खाली रहा है। वहीं युवाओं





को देखा गया कि वह भीगते हुए काम पर निकले और बारिश में भीगने का आनंद लिया। मौसम विभाग के अनुसार मानसून अब पूरे उत्तर प्रदेश में सक्रिय हो गया है। पश्चिम के जिलों में मूसलाधान का जो दौर जारी हुआ, उससे नगर निकायों की कलई खुल गई है। अब पूर्वांचल में जैसे-जैसे मानसून सक्रिय होगा, विकास कार्यों की कलई खुलनी शुरू हो जाएगी। फिलहाल प्रचंड गर्मी के बाद रिमझिम फुहारे न सिर्फ लोगों के तनों को भीगा रहा है, बल्कि धरती के कलेजे को भी ठंडक पहुंचा रहा है।

और तेज होगी बारिश: मौसम विभाग के अनुसार अभी बारिश का यह दौर लगातार जारी रहेगा, लेकिन दो दिन बाद यानी गुरुवार से यह और रफ्तार में होगी। कुल मिलाकर दो दिन बाद रिमझिम बारिश मूसलाधार में बदल जाएगी।

मनिहारी ब्लॉक में चलाया गया पौधरोपण अभियान



केटी न्यूज / गाजीपुर

वन महोत्सव- 2024 के अंतर्गत सामाजिक वानिकी वन प्रभाग रेंज जखनियां द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय मनिहारी के प्रांगण में वृहद स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया गया एवं सैकड़ों छात्र-छात्राओं को आम, अमरूद, आंवला, आदि फलदार पौधा वितरित किया गया। क्षेत्रीय वनाधिकारी शंकरनाथ सिंह ने लोगों को पौधारोपण के प्रति प्रेरित करते हुए कहा कि वन महोत्सव एक से सात जुलाई तक चलेगा पौधारोपण अभियान में लोगों को बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। खंड शिक्षाधिकारी हेमंत कुमार ने कहा कि एक पौधा मां के नाम अभियान को सफल बनाएं, पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करें, पौधों के महत्व को समझें और इनका संरक्षण करें। साथ ही सैदपुर रेंज में टाउन इंटरनेशनल कॉलेज के प्रांगण में भी पौधारोपण अभियान चलाया गया एवं छात्र-छात्राओं ने चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया।

संवाद, अच्छा व्यवहार और शुचिता से हर समस्या का होगा समाधानः सीएम योगी आदित्यनाथ

- मुख्यमंत्री से भारतीय प्रशासनिक सेवा (यूपी कैडर-2023 बैच) के 16 प्रशिक्षु अधिकारियों ने की मुलाकात
- आम आदमी की समस्याओं को कभी छोटी न समझें, उसे हर हाल में प्राथमिकता दें: सीएम

केटी न्यूज / लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित प्रशिक्षु अफसरों (2023 बैच) से मुलाकात की। सीएम ने सभी को शुभकामनाएं दीं, फिर अफसरों का मार्गदर्शन किया। सीएम ने कहा कि संवाद, अच्छा व्यवहार और अपने कार्यों में शुचिता बनाए रखें, इससे हर समस्याओं का समाधान होगा। सीएम ने प्रशिक्षण के दौरान फील्ड में किए गए कार्यों के बारे में भी अफसरों से जानकारी ली। सीएम ने शुभकामनाएं देते हुए बोले कि बेहतरीन पारी खेलिए और कुछ नयापन दीजिए।

टालने की आदत छोड़ें, पीड़ित की सुनवाई करें

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि टालने की आदत छोड़ें। पीड़ित की सुनवाई करें। टालने की आदत से असंतोष पैदा होता है। यह आदत ठीक नहीं होती। समय पर निर्णय लेने की आदत डालें।



आईजीआरएस-सीएम हेल्पलाइन की शिकायत सीधे हमारे पास इसलिए आती, क्योंकि सुनवाई स्थानीय स्तर पर ठीक से नहीं होती। इसलिए पीड़ित की सुनवाई करें और मेरिट के आधार पर समयसीमा के भीतर समस्याओं का निस्तारण भी करें। सीएम ने यह भी कहा कि प्रतिदिन एक घंटा जनता की सुनें। जनप्रतिनिधियों व स्थानीय संगठनों की समस्याएं भी सुनें।

अभी से तय कीजिए दृष्टि और दिशा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकतंत्र में संवाद सबसे बड़ी ताकत है। फील्ड में जब भी जाएं तो आमजन से संवाद स्थापित करें। संवाद शून्य होने से लोगों में असंतोष होता है। उनसे अच्छा व्यवहार करें और कार्यों में शुचिता बरकरार रखें। इससे आपकी छवि अलग और अतुलनीय बनेगी। आम आदमी की किसी भी समस्या को छोटी न समझें, क्योंकि पीड़ित के लिए वह समस्या काफी मायने रखती है। समस्या का समाधान हो जाता है तो वह अधिकारी आमजन का विश्वास हासिल कर लेता है। जमीनी धरातल पर जुड़े लोगों से कभी कटें नहीं। किसी भी समस्या को बड़ी न बनने दें, बल्कि संवाद के जरिए उसका तत्काल रास्ता निकालें। प्रशिक्षु अधिकारी जनप्रतिनिधियों से भी संवाद स्थापित करें।

यह प्रशिक्षु अफसर रहे मौजूद

अनुभव सिंह, दीपक सिंहवाल, गुंजिता अग्रवाल, ईशिता किशोर, काव्या सी, महेंद्र सिंह, चलुआ राजू, नारायणी भाटिया, नितिन सिंह, रिंकू सिंह राही, साहिल कुमार, साई आश्रित शाखामूरी, शिशिर कुमार सिंह, स्मृति मिश्रा, स्वाति शर्मा और वैशाली।

सीखने और पढ़ने की आदत निरंतर रखें

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रशिक्षु अफसरों से कहा कि सीखने और पढ़ने की आदत निरंतर रखें। शासन से कोई जीओ गया है तो उसे स्वयं पढ़ें, न कि किसी अन्य पर निर्भर रहें। आपकी दृष्टि औरों से अलग होगी। इसे पढ़कर रिजल्ट में बदलें। प्रशासनिक अधिकारी के रूप में अच्छा मॉडल दें। इससे आपके अधीनस्थ भी कार्यों में रूचि लेंगे। गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करें। मॉडल विलेज बनाने की तरफ सोचें। इसके लिए ग्रामीणों से संवाद करें, श्रमदान के जरिए भी कई कार्य प्राथमिकता से हो सकते हैं। सीएम ने कहा कि अफसर के रूप में नगर निकायों, तहसीलों, थाने और ब्लॉक को स्वावलंबी बनाएं। सीएम ने अफसरों को सीख दी कि गलत तत्वों से हर हाल में दूरी बनाएं। घर की बजाय लोगों को ऑफिस में बुलाएं और वहीं संवाद बनाएं।

खबरें फटाफट

कर्मचारियों को मिल्टन वॉटर बोतल वितरण किया गया

चंदौली। डीडीयू नगर स्थित प्लांट डिपो इंजीनियरिंग के अंतर्गत पूर्व मध्य रेलवे प्लांट डिपो इंस्टीट्यूट द्वारा अपने सदस्य कर्मचारियों के बीच गिफ्ट वितरण करने की प्रचलन है। इसी के तहत मंगलवार को उप मुख्य इंजीनियर टीएमसी प्रीतम सिंह द्वारा प्लांट डिपो इंजीनियरिंग कारखाना के अंतर्गत ट्रैक मशीन कर्मचारियों को गिफ्ट के रूप में मिल्टन वॉटर बोतल वितरण किया गया। इस दौरान मुख्य रूप से वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी,पीड़ी राजीव कुमार सिंह, सहायक इंजीनियर टीएमसी घनश्याम राय, ईसीआरकेयू के केंद्रीय सहायक महामंत्री बी0बी0 पासवान,पीड़ी इंस्टिट्यूट के सचिव शंकर राम, एसपी सिंह, सुल्तान अहमद, राजेश निषाद, केदार तिवारी, मोहन राम, ओमप्रकाश पाण्डेय, अजय कुमार, राजेन्द्र शर्मा, दिलीप साह, मुन्ना, मंगली चौहान, प्रशान्त कुमार, नरेश सिंह, सपन चक्रवर्ती आदि उपस्थित रहे।

तीन नए कानूनों को लेकर किया जागरूक

चंदौली। एक जुलाई से लागू होने वाले तीन नए कानून को लेकर लगातार कार्यशाला और बैठक कर अधिकारियों द्वारा लोगों को जागरूक करने के साथ है ऐसा निर्देश दिए जा रहे हैं। अलीनगर महिला थाना पर सोमवार की दोपहर प्रभारी प्रियंका सिंह ने समाजसेवियों और लोगों के साथ बैठक कर उन्हें तीन नए कानून के बारे में पोस्टर और पंपलेट के माध्यम से जागरूक करते हुए उसके महत्व को बताया। थाना प्रभारी प्रियंका सिंह ने बताया कि भारतीय दंड संहिता के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता लागू होगी। दंड प्रक्रिया संहिता के स्थान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 की शुरूआत हो गई है। नए कानून में जीरो एफआईआर, ई-एफआईआर का प्रावधान ऐसा किया गया है कि व्यक्ति कहीं से भी एफआईआर दर्ज करा सकता है। ऐसा करने के बाद वो तीन दिन में पुलिस के पास आ जाता है, तो उसकी एफआईआर हो जाएगी।

मंगलवार की सुबह चार बजे गुप्त सूचना पर जौनपुर पुलिस व एसटीएफ ने की घेराबंदी

एक लाख का इनामी शहाबुद्दीन गैंग के शूटर चवन्नी सिंह का एसटीएफ ने किया एनकांउटर

- एसटीएफ ने शूटर के पास से एके-47, 9-एमएम पिस्टल, बोलेरो व कारतूस बरामद
- कुख्यात सुमित सिंह उर्फ मोनू पर दर्ज है 24 से अधिक अपराधिक मामले जिसमें 10 हत्या
- भाजपा सांसद के प्रतिनिधि की हत्या में वांटेड था मोनू सिंह चवन्नी

केटी न्यूज/ जौनपुर

मंगलवार की सुबह चार बजे जौनपुर में यूपी एसटीएफ ने बिहार के कुख्यात शहाबुद्दीन के शूटर रहे एक लाख के इनामी अपराधी सुमित सिंह उर्फ मोनू चवन्नी (35) को एनकाउंटर में मार गिराया। गुप्त सूचना मिली कि चवन्नी दो साथियों के साथ बोलेरो से की जा रहा है। जिसके बाद यूपी एसटीएफ ने उसे पीछा कर रोका तब भागने लगा। जिसके बाद एसटीएफ के द्वारा पीछा किया तो मोनू से पुलिस की टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। दोनों तरफ से जवाबी फायरिंग में यूपी एसटीएफ द्वारा चलाई गयी गोली कुख्यात ईनामी मोनू के मुंह पर जा लगी। जिसके बाद फायरिंग रूक गया एसटीएफ की टीम के द्वारा घायल अवस्था में कुख्यात को जिला अस्पताल लाया गया। जहां डाक्टरों ने मौत की पुष्टि कर कर दी। वहीं कुख्यात के मोनू चवन्नी के दो साथी भागने में सफल रहे एसटीएफ ने शूटर के पास से एक एके-47, 9-एमएम पिस्टल, बोलेरो और कारतूस बरामद किए। कुख्यात मोनू चवन्नी पर यूपी-बिहार में 24 से अधिक एफआईआर दर्ज हैं जिसमें दस हत्या के मामले हैं। मऊ निवासी चवन्नी सिंह भाजपा नेता की हत्या में वांटेड था। वह एक समय पर बिहार के शहाबुद्दीन गैंग का शूटर था। एसपी डॉ. अजय पाल शर्मा ने बताया कि जनपद जौनपुर अंतर्गत थाना सिंगरामऊ में 5 मार्च को सुमित कुमार उर्फ मोनू चवन्नी के द्वारा अपने साथी के साथ मिलकर फायरिंग कर रंगदारी मांगी गई थी। इसके बाद पुलिस द्वारा इन अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु दबिश दी जा रही थी।









चवन्नी एके-47 से ताबड़तोड़ करने लगा फायरिंग: एसपी

एसपी अजय पाल शर्मा ने बताया कि एसटीएफ और पुलिस ने संयुक्त ऑपरेशन में कुख्यात ईनामी अपराधी मोनू चवन्नी को मार गिराया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि चवन्नी शाहगंज की तरफ से आ रहा है। इनपुट के आधार पर टीम बदलापुर के पास पीली नदी के पुल पर पहुंची। कुछ देर बाद चवन्नी बोलेरो से आया पुलिस की टीम ने उसे रोकने प्रयास किया तो वह भागने लगा। टीम ने उसका पीछा किया। चवन्नी कार में बैठकर ही एके-47 से ताबड़तोड़ फायरिंग करने लगा। जवाब में एसटीएफ के द्वारा भी फायरिंग की गयी। जिसमें उसे गोली लगी। चवन्नी को जिला अस्पताल ले आई। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पांच से ज्यादा राज्यों में था ठिकाना

चवन्नी सिंह मूल रूप से यूपी में मऊ जिले के नरई इमलिया इलाके का रहने वाला था। वह इलाहाबाद के हिंदू हॉस्टल, छत्तीसगढ़, बिहार और जम्मू-कश्मीर समेत कई राज्यों में छिपकर वारदातों को अंजाम देता था।

भाजपा सांसद के प्रतिनिधि की हत्या में वांटेड था

बिहार के सिवान में 23 नवंबर 2014 को भाजपा सांसद के प्रतिनिधि श्रीकांत भारती की हत्या में भी उसका नाम आया था। एसटीएफ के मुताबिक, चवन्नी सिंह सुपारी किलर था। 23 सितंबर, 2014 को चवन्नी ने बलिया के कारोबारी परशुराम तिवारी और उनके बेटे की हत्या की थी। वारदात के बाद चवन्नी ने कारोबारी की पत्नी से फोन कर कहा- अब मार दिए हैं तो क्या हुआ? माफ नहीं करोगी। गवाही मत दो नहीं तो सब मारे जाएंगे।

एक नजर

प्रयागराज में हुई दुर्घटना में मृत लोगों के परिजनों से मिलीं विधायक डा. रागिनी

जौनपुर (मछलीशहर)। प्रयागराज के सराय ममरेज थाना के सोरो पेट्रोल पंप के पास सड़क दुर्घटना मे मृत मछलीशहर के चौकीखुर्द गाँव के पांच मुसहरों के परिजनों से मछलीशहर की विधायक डा. रागिनी सोनकर ने मंगलवार को मुलाकात कर उन्हें ढांढस बधाया तथा सरकार से सहायता दिलाने का भरोसा दिलाया । उन्होंने कहा कि उन्हें आर्थिक सहायता दिलाने के लिए जिला प्रशासन से भी बात की जाएगी। 24 जून को मछलीशहर विधानसभा के चौकीखुर्द गांव के पांच मुसहर बाइक से घर लौट रहे थे, प्रयागराज के चौका-बरना मार्ग पर सोरो पेट्रोल पंप के पास टैंकर की चपेट मे आ गये थे। इसमें विकास कुमार 19, जनता देवी 34, सुम्मरी 60 और दीवाना 7वर्ष लक्ष्मी 8 माह की मौत हो गयी थी । इसकी सूचना मिलने पर मछलीशहर की विधायक डा. रागिनी सोनकर ने एक्स पर पोस्ट करके सरकार से पीड़ित परिवार के लिए मदद की मांग की थी मंगलवार को मछलीशहर की विधायक डा. रागिनी सोनकर मृतक के परिजनों से मुलाकात करके आर्थिक सहायता की तथा उन्हे ढांढस बधाया। उन्होंने मुसहर परिवार को सरकार से मदद दिलाने का भरोसा दिलाया। उनके साथ इस मौके पर विनय प्रिय पाण्डेय अरुण पाण्डेय अखिलेश सिह अशोक यादव पुर्व प्रमुख सुर्य भान यादव भरत यदुवंशी विवेक यादव नन्हे यादव बबऊ यादव अरुण जायसवाल सोनू फरिदी अशोक यादव बाबा शेषनाथ प्रजापति मौजूद रहे।

प्रदीप बने रोटरी क्लब के अध्यक्ष व पुनीत सचिव

मऊ। रोटरी क्लब मऊ के सत्र 2024-25 में अध्यक्ष प्रदीप सिंह और सचिव पुनीत श्रीवास्तव बने। जुलाई माह से शुरू हुए सत्र में कार्यभार ग्रहण करने के बाद रोटरी क्लब के अध्यक्ष प्रदीप सिंह ने कहा कि क्लब द्वारा लगातार सामाजिक कार्यों को करने वाली पूरे विश्व की सबसे बड़ी संस्था है। लगातार हम सभी विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं। बताते चले कि प्रदीप सिंह रोटरी क्लब मऊ के दो बार सचिव के पद पर रह चुके हैं, इनके कार्यकाल में कई उपलब्धियां दर्ज हैं। सचिव पुनीत श्रीवास्तव ने कहा कि पूरे वर्ष सामाजिक कार्यों को लोगों के बीच जाकर किया जाएगा। वर्ष 2024 25 के सत्र के कार्य योजना को तैयार कर लिया गया है जुलाई माह में से ही कार्य योजनाओं को मूर्त रूप दिया जाएगा इसकी रणनीति कर दी गई है। वहीं अध्यक्ष प्रदीप सिंह और सचिव पुनीत श्रीवास्तव को क्लब के सदस्यों ने बधाई दिया। बधाई देने वालों में क्लब के वरिष्ठ सदस्य डॉक्टर एससी तिवारी, डॉक्टर एच एन सिंह, डॉक्टर अजीत सिंह, डॉक्टर संजय सिंह, डॉक्टर असगर अली सिद्दीकी, डॉक्टर पुष्पेंद्र सिंह, डॉ असलम, डॉ एस खालिद आदि ने हार्दिक बधाई दी है।

मोहम्मद अजुरुद्दीन बने राज सिंह, रिजवाना हुईं गुड़िया

- चंदौली में मुस्लिम परिवार ने अपनाया हिंदू धर्म, कहा
- जबरदस्ती बनाया गया था मुस्लिम

केटी न्यूज / चंदौली

सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत बिछियां गांव निवासी एक मुस्लिम परिवार ने हिंदू धर्म अपनाया है। मुस्लिम परिवार ने वाराणसी भोजूबीर स्थित आर्य समाज मंदिर में पूरे वैदिक विधि - विधान और मंत्रो के साथ हिंदू धर्म स्वीकार किया है। हालांकि इस बात को लेकर क्षेत्र में चचाओं का बाजार गरम है। बिछियां गांव निवासी मोहम्मद अजुरुद्दीन, पत्नी रिजवाना और बेटे मोहम्मद राज ने मुस्लिम धर्म को छोड़कर हिंदू धर्म को अपनाया है। पूरा परिवार सनातन धर्म और संस्कृति से प्रेरित था। सनातन धर्म में वापसी के बाद मोहम्मद अजीरुद्दीन ने अपना नाम डब्लू सिंह, पत्नी रिजवाना ने गुड़िया सिंह और बेटे मोहम्मद राज ने राज सिंह रख लिया है।सनातन धर्म स्वीकार करने के बाद परिवार ने बताया कि पहले उनका परिवार हिंदू ही था। मुगलकाल में जबरन उनके पूर्वजों को मुस्लिम बना दिया गया था। पीढ़ियों से उनका झुकाव सनातन धर्म में था और उनका परिवार मुस्लिम होते हुए भी होली, दिवाली और दशहरा मनाता रहा है। गांव के ग्रामीण संजय सिंह ने बताया कि यह एक सार्थक पहल है। लोग पीढ़ियों का रिकार्ड निकाल देखने के बाद जबरन मुस्लिम बनाए जाने पर अफसोस करते हुए सनातन धर्म की तरफ उन्मुख हो हिंदू धर्म अपना रहे हैं। इनका परिवार पहले हिंदू ही था। रिकार्ड खंगालने और देखने के बाद मुस्लिम परिवार ने हिंदू धर्म अपनाया है। परिवार ने हिंदू धर्म अपनाने पर खुद को गौरवान्वित बताया। कहा कि सनातन धर्म और संस्कृति जीवन जीने का श्रेष्ठ मार्ग है।



बच्चे पाठ्य सामग्री का बार-बार करें अध्ययन बृजभान कुमार

मऊ। बच्चे राष्ट्र के सुनहले भविष्य हैं और शिक्षा उनके आँखों की ज्योति है।यह बातें प्रभारी जिला अल्प बचत अधिकारी वृजभान कुमार ने शिक्षाक्षेत्र रतनपुरा के कंपोजिट विद्यालय जमदरा पर नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का स्वागत कार्यक्रम एवं स्कूल चलों अभियान रैली का नेतृत्व करते हुए कही।उन्होने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालत उपस्थित होने एवं विद्यालय में पढ़ी हुई सामग्री का बार बार अभ्यास करने की बात भी कही। रैली में पधारे खंड शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों के अभिभावकों के खाते में प्रदेश सरकार द्वारा डीबीटी के माध्यम से गणवेश, जूते-मोजे,स्वेटर, बैग,स्टेशनरी क्रय करने हेतु 1200/-की धनराशि प्रेषित की जा चुकी है।

डा. सोनेलाल के विचारों को आत्मसात करना ही सच्ची श्रद्धांजलि

चंदौली। अपना दल कमेरावादी जिला इकाई चंदौली ने अपना दल के संस्थाक डॉ सोनेलाल पटेल की 75वीं जयंती पार्टी कार्यालय ओड़वार, मालगोदाम रोड डीडीयू नगर पर धूम-धाम के से मनाया । इस मौके पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में उपस्थित कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि हम सभी डॉ सोनेलाल पटेल के विचारों पर चलकर उनको सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करेंगें। पार्टी के जिलाध्यक्ष गुरु पूरन पटेल ने कहा कि डॉ सोने लाल पटेल जी की जयंती पर उनके विचारों को आत्मसात करने की जरूरत है। उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धांजलि दी गई।

ससुर, सास, दुल्हन, अगुआ, साली व दादी करते थे रोल

फर्जी तरीके से शादी का झांसा देकर लूटने वाले गैंग के छह अभियुक्त गिरफ्तार

- अभियुक्तों के पास से लाखों के समेत 14500 रुपए बरामद

केटी न्यूज / बलिया

अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में मंगलवार को नगरा पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर बस स्टैंड रसड़ा से छह अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। वही उनके कब्जे से फर्जी तरीके से शादी कर पैसा, आभूषण व अन्य कीमती सामान को बरामद किया।

पूछताछ में अभियुक्तों ने अपना नाम व पता मारकण्डे चौहान उर्फ विकास पुत्र बली चौहान निवासी नदाँव थाना बक्सर जिला बक्सर, कमलेश पुत्र झल्लर निवासी ककरी थाना नगरा जनपद बलिया, कमली पत्नी रूदल निवासी ककरी थाना नगरा जनपद बलिया, मीना पत्नी कमलेश निवासी ककरी थाना नगरा जनपद बलिया एवं रानी पत्नी अंकुर चौबे निवासी नरायनपुर थाना रसड़ा जनपद बलिया बताया। अभियुक्त मारकण्डेय चौहान के पास से कुल 6500 रुपया व एक मोबाइल, कमलेश के पास से 6500 रुपया तथा महिला कमली के पास से एक जोड़ी कान की बाली, एक पैड मोबाइल, महिला मीना के पास से एक नाक की कील, एक चांदी का मंगलसूत्र, एक मोबाइल, महिला रानी के पास से दो साड़ी, पेटीकोट, एक जोडी पायल, 1500 रुपया नगद व एक मोबाइल, महिला पूजा के पास से एक साडी, पेटीकोट व एक गुलाबी रंग का सूट तथा एक सफेद पन्नी मे आठ बिछिया, एक अंगूठी व एक मोबाइल बरामद किया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियुक्तगणों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है। पूछताछ में अभियुक्तगणों के द्वारा बताया गया कि फर्जी शादी में मीना देवी पत्नी कमलेश निवासी ककरी थाना नगरा जनपद बलिया सास का रोल अदा करती थी। जबकि पूजा पुत्री कमलेश निवासी ककरी थाना नगरा जनपद बलिया दुल्हन का रोल अदा करती थी। वही रानी पत्नी अंकुर चौबे निवासी नरायनपुर थाना रसड़ा जनपद बलिया साली का रोल अदा करती थी। जबकि कमली पत्नी रूदल निवासी ककरी थाना नगरा जनपद बलिया दादी का रोल अदा करती थी तथा कमलेश पुत्र झल्लर निवासी ककरी थाना नगरा जनपद बलिया ससुर का रोल अदा करता था। वही मारकण्डे चौहान उर्फ विकास पुत्र बली चौहान निवासी नदाँव थाना बक्सर जिला बक्सर शादी में अगुआ का फर्जी रोल अदा करता था। इस तरह हम लोगों का 06 सदस्यों का एक सामूहिक संगठन है। जिससे हम लोगों को फर्जी शादी कर अपने जाल में फसाते है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम उनि संदीप यादव, हेका तरूण वर्मा, का.कुलदीप गौतम, मका नेहा सिंह, मका सुनयना देवी आदि रही।





केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

संपादकीय

बक्सर, 03 जुलाई 2024
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

सुभाषितम्

विजेता बोलते हैं कि मुझे कुछ करना चाहिए, जबकि हारने वाले बोलते हैं कि कुछ होना चाहिए। - शिव खेरा

संसद में दिया गया राहुल गांधी का भाषण चर्चाओं में

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा के पहले, विपक्ष नीट वाले मामले की चर्चा करना चाहता था। सरकार ने स्थगन प्रस्ताव मंजूर नहीं किया। सरकार और आसंदी का कहना था। राष्ट्रपति के धन्यवाद प्रस्ताव पर विपक्ष अपनी बात कह सकता है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान स्थगन या अन्य प्रस्ताव पर चर्चा की अनुमति नहीं दी जा सकती है। सरकार को भरोसा था, स्थगन प्रस्ताव को लेकर विपक्ष हो-हल्ला और हंगामा करेगा। धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा में भाग नहीं लेगा। सरकार विपक्ष के ऊपर आरोप लगाएगी। विपक्ष चर्चा ही नहीं करना चाहता है। इससे सरकार को नीट का मामला डाइवर्ट करने में मदद मिलती। विपक्ष भी अब सत्ता पक्ष की चाल को समझने लगा है। राष्ट्रपति के धन्यवाद प्रस्ताव पर विपक्ष चर्चा करने के लिए तैयार हो गया। सत्ता पक्ष की ओर से पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुरूआत की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धियां और अयोध्या मैं राम मंदिर के निर्माण और विकास को अपने भाषण में शामिल किया। अनुराग ठाकुर ने सरकार और प्रधानमंत्री मोदी की जो उपलब्धियां बताई थी। उसी को आधार बनाकर राहुल गांधी ने विपक्ष की ओर से अपना पक्ष रखा। राहुल गांधी ने अयोध्या मामले में हिंदू और नफरत को राम मंदिर ओर अयोध्या के विकास से जोड़कर ,जिस तरह अहिंसा और हिंदू की व्याख्या की। वह तारीफ करने योग्य थी। राहुल गांधी ने अपने भाषण में भगवान शिव, गुरु नानक देव, यीशु मसीह, भगवान राम के अहिंसा संदेशों की याद दिलाते हुए कहा, किसी ने भी हिंसा का कभी समर्थन नहीं किया। हिंदुत्व,अग्निवीर,पेपर लीक एवं कोटा का उल्लेख करते हुए,उन्होंने सरकार के ऊपर तीखा हमला बोला। राहुल गांधी भारतीय जनता पार्टी की राजनीति को समझ गए हैं। उन्होंने डर और भय की राजनीति से दूर रहने के लिए कहा। उन्होंने सदन के अंदर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर निशाना साधते हुए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह,सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और भाजपा के अंदर प्रधानमंत्री मोदी के भय का उल्लेख करते हुए, सत्ता पक्ष को निशाने पर लिया। आसंदी को उन्होंने सर्वोच्च बताते हुए किसी के सामने नहीं झुकने की सलाह दे डाली। अडानी और अंबानी का भी उल्लेख उन्होंने नोटबंदी से जोड़कर कर दिया। सांप्रदायिक आधार पर लोगों के बांटने पर उन्होंने सरकार को घेरा। उन्होंने यह भी कह दिया, हिंदू समाज कभी हिंसक नहीं हो सकती है। एक तरह से उन्होंने भाजपा और उनके सभी सहयोगी संगठनों को हिंदू के नाम पर हिंसक बताने का काम किया। बहरहाल राहुल गांधी के 1 घंटे 40 मिनट के भाषण को लेकर, जिस तरह की प्रतिक्रिया सारे देश में हो रही है। उसमें विपक्ष के नेता के रूप में उन्हें सराहा गया है। वहीं सदन में सरकार को हर मुद्दे में घेरने में सफल हुए हैं। यह अलग बात है, राहुल गांधी के भाषण के कई अंश लोकसभा की कार्रवाई से हटा दिए गए हैं। डिजिटल मीडिया के जमाने में लोकसभा की कार्रवाई लाइव चल रही थी। राहुल ने जो भी बोला, वह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करोड़ों लोगों तक तुरंत पहुंच गया। स्थगन प्रस्ताव सरकार और लोकसभा अध्यक्ष ने भले स्वीकार नहीं किया। राहुल गांधी ने जिस तरह से परीक्षा मे हो रही गड़बड़ी,अग्निवीर, सत्य- अहिंसा ओर हिंदू की व्याख्या की है। राहुल गांधी ने कहा हिंदू कभी हिंसक नहीं हो सकता है। जो हिंसक है, वह हिंदू नहीं हो सकता है। हिंदुत्व और हिंदू धर्म को लेकर उन्होंने सत्ता पक्ष के लिए कड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। राहुल गांधी ने संसद के अंदर जनता की समस्याओं को मजबूती के साथ रखा है। राहुल गांधी के भाषण की चर्चा सारे देश और दुनिया में हो रही है। राहुल गांधी की जो छबि बनाई गई थी। नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी की छवि ठीक उसके विपरीत नजर आई, यही राहुल गांधी और विपक्ष की सफलता है।

चिंतन-मनन

कोई भी परिस्थिति हो, ये काम कभी बंद ना करें

अपने विचारों का मूल्यांकन करना कभी भी बंद न करें, क्योंकि विचारों का प्रवाह अनवरत और कभी-कभी अत्यधिक भी हो जाता है। हर नया विचार पुराने को चुनौती देता है। यहीं से भ्रम भी पैदा होता है और कभी-कभी अधिक विचार आने से निर्णय भी गलत हो जाते हैं। रावण के साथ यही हुआ। वह बहुत विद्वान था। लिहाजा उसके भीतर विचारों की भरमार थी।

सुंदरकांड का दृश्य है। रावण के दरबार में हनुमानजी निर्भीक खड़े थे। दोनों का वार्तालाप शुरू होता है।

कह लंकेस कवन तैं कीसा। केहि कें बल घालेहि बन खीसा।।
की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखउं अति असंक सठ तोही।।

लंकापति रावण ने कहा - रे वानर! तू कौन है? किसके बल पर तूने वन को उजाड़कर नष्ट कर डाला? क्या तूने कभी मेरा नाम और यश नहीं सुना? रे शठ! मैं तुझे अत्यंत निरूशंक देख रहा हूं।

मारे निसिचर केहिं अपराधा। कहु सठ तोहि न प्रान कइ बाधा।। तूने किस अपराध से राक्षसों को मारा? बता, क्या तुझे प्राण जाने का भय नहीं है? यहां रावण ने हनुमानजी से पांच प्रश्न पूछे। इन शब्दों में अहंकार भरा हुआ था। रावण ने अपने ही विचारों को शब्दों से जोड़ने के लिए अहंकार का सेतु बनाया, जबकि विश्लेषण के साथ शब्द प्रस्तुत करने थे, क्योंकि सामने हनुमानजी खड़े थे। हनुमानजी की विशेषता यही थी कि वे अपने विचारों का मूल्यांकन करते रहते थे। दरअसल रावण यह मानता ही नहीं था कि वह अहंकारी है। उसके हिसाब से तो जो वह कर रहा होता था, वही सही माना जाए। उसके पास सबकुछ होने के बाद भी वह अव्वल दर्जे का भिखारी था। यहीं से हनुमानजी उसे बुद्धि का दान देना शुरू करते हैं।

महान रूसी गणितज्ञ इगोर रोस्टिस्लावोविच

- संजय गोस्वामी

इगोर शफारेविच का जन्म 3 जून, 1923 को जाइटॉमिर में हुआ था। माध्यमिक विद्यालय की नौवीं कक्षा के बाद उन्हें मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी के यांत्रिकी और गणित विभाग के अंतिम वर्ष में भर्ती कराया गया, जहाँ से उन्होंने 1940 में स्नातक किया। गणित में उनके पहले सलाहकार बी.एन. डेलोन, आई.एम. गेलफैंड और ए.जी. कुरोश थे। 1942 में उन्हें टोपोलॉजिकल क्षेत्रों में निरपेक्ष मूल्यों पर एक शोध के लिए पीएचडी से सम्मानित किया गया। इसके ठीक बाद, बी. एन. डेलोन से प्रेरित होकर, उन्होंने बीजीय संख्याओं और बीजीय कार्यों के क्षेत्रों के गैलोइस समूहों पर अपना काम शुरू किया। 1946 में उन्हें इन जांचों के लिए डॉक्टर ऑफ साइंसेज की उपाधि से सम्मानित किया गया। विशेष रूप से, उन्होंने पी-एडिक संख्याओं के क्षेत्रों के सभी पी-विस्तार और बीजीय संख्याओं के क्षेत्रों के गैर-शाखायुक्त पी-विस्तार का वर्णन किया। शफारेविच की एक उत्कृष्ट उपलब्धि पी-एडिक संख्याओं के क्षेत्रों में हिल्बर्ट अवशेष प्रतीक के लिए एक स्पष्ट, पूरी तरह से स्थानीय सूत्र था और, एक परिणाम के रूप में, शक्ति अवशेषों पारस्परिकता कानून के लिए सबसे सामान्य स्पष्ट सूत्र था। गैलोइस सिद्धांत में उनकी शोध ने शफारेविच को हल करने योग्य समूहों के लिए व्युत्क्रम गैलोइस समस्या के समाधान की ओर अग्रसर किया। अर्थात्, उन्होंने साबित किया कि बीजीय संख्याओं के प्रत्येक क्षेत्र में अनंत रूप से कई गैलोइस एक्सटेंशन होते हैं, जिनका गैलोइस समूह कोई भी निर्धारित हल करने योग्य समूह होता है। 1959 में, बीजीय संख्या सिद्धांत और गैलोइस सिद्धांत में उनकी शोध के लिए, शैफारेविच को लेनिन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 1958 में उन्हें यूएसएसआर के विज्ञान अकादमी का एक संगत सदस्य चुना गया। 1964 में, शाफारेविच और ई. गोलोड ने परिमित पी-समूहों के लिए जनरेटर और संबंधों की संख्या के लिए असमानता साबित की। इस परिणाम ने बीजीय संख्याओं के क्षेत्रों के एक विस्तृत वर्ग के लिए गैर-शाखा विस्तार की अनंत श्रृंखलाओं के अस्तित्व को निहित किया, साथ ही परिमित रूप से उत्पन्न अनंत पी-समूहों (जैसे अप्रतिबंधित बर्नसाइड समस्या को नकारात्मक रूप से हल करना) और अनंत आयामी परिमित रूप से उत्पन्न शून्य-बीजगणित के अस्तित्व को भी निहित किया। शाफारेविच ने 1960 के दशक में बीजीय ज्यामिति की शोध शुरू की, जिसमें बीजीय सतहों की बाइनरी ज्यामिति पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह कार्य 1965 में प्रसिद्ध मोनोग्राफ बीजीय सतहों के प्रकाशन में परिणत हुआ, जिसने एस. अराकेलोव, आई. डोलगाचेव, एम. गिजाटुलिन, यू. मैनिन, बी. मोइसेजन, ए. पार्शिन और अन्य द्वारा स्थापित बीजीय ज्यामिति में एक मजबूत स्कूल की नींव रखी। आई. पियाटेट्स्की-शापिरो के साथ मिलकर उन्होंने ङ3 सतहों पर महत्वपूर्ण परिणाम प्राप्त किए। बीजीय संख्या क्षेत्रों पर बीजीय वक्रों की संरचना का अध्ययन करते हुए, उन्होंने (जे. टेट के समानांतर और स्वतंत्र रूप से) दीर्घवृत्तीय वक्रों से संबंधित सबसे रहस्यमय समूह का आविष्कार किया, जिसे अब टेट-शफारेविच समूह कहा जाता है और सिरिलिक अक्षर ? द्वारा दर्शाया जाता है । ज्यामितीय रूप से कहें तो, टेट-शफारेविच समूह के गैर-तुच्छ तत्वों को अ के होमोटोपी स्पेस के रूप में देखा जा सकता है, जिसमें ङ के प्रत्येक स्थान ५ के लिए ङ५-तर्कसंगत बिंदु होते हैं, लेकिन ङ-तर्कसंगत बिंदु नहीं होते हैं। यह समूह को यह निर्धारित करने की अनुमति देता है कि ङ क्षेत्र में गुणांक वाले तर्कसंगत समीकरणों के लिए हैस सिद्धांत कितना असफल है। कार्ल-एरिक लिंड ने इस तरह के होमोटोपी स्पेस का एक उदाहरण प्रदर्शित किया, जिसमें दिखाया गया कि जीनस के वास्तविक संख्याओं और सभी स्र-एडिक क्षेत्रों में समाधान हैं, लेकिन इसमें तर्कसंगत बिंदुओं का अभाव है। अर्न्स्ट एस. सेल्मर ने 3७3 + 4८3 + 5९3 = 0 सहित अतिरिक्त उदाहरण दिए। उन्होंने शफारेविच अनुमान भी तैयार किया, जिसमें निश्चित आयाम और खराब कमी के अभाज्य संख्याओं के निर्धारित सेट वाले संख्या क्षेत्र पर एबेलियन किस्मों के सेट की परिमितता बताई गई थी। मान लीजिए उ, द के ऊपर जीनस (गणित) ˇ का एक गैर-एकवचन बीजगणितीय वक्र है। तब उ पर परिमेय बिंदुओं का समुच्चय निम्नानुसार निर्धारित किया जा सकता है: कोई अंक नहीं या अपरिमित रूप से अनेक; उ को शंकु खंड के रूप में संभाला जाता है। कोई बिंदु नहीं, या उ एक अण्डाकार वक्र है और इसके तर्कसंगत बिंदु एक सूक्ष्म रूप से उत्पन्न एबेलियन समूह (मोर्डेल की प्रमेय, बाद में मोर्डेल-वील प्रमेय के लिए सामान्यीकृत) बनाते हैं। इसके अलावा, मजूर का मरोड़ प्रमेय मरोड़ उपसमूह की संरचना को प्रतिबंधित करता है। मोर्डेल अनुमान के अनुसार, अब फाल्टिंग्स प्रमेय, उ में परिमेय बिंदुओं की केवल सीमित संख्या है। इगोर शैफारेविच ने अनुमान लगाया कि निश्चित आयाम और निश्चित एबेलियन किस्म डिग्री के एबेलियन किस्मों के केवल निश्चित रूप से कई आइसोमोर्फिज्म वर्ग हैं एक निश्चित संख्या के क्षेत्र में स्थान (गणित) के एक निश्चित परिमित सेट के बाहर अच्छी कमी के साथ। अलेक्सी पार्शिन ने दिखाया कि शफारेविच के परिमित अनुमान का अर्थ मोर्डेल अनुमान होगा, जिसे अब पार्शिन की चाल कहा जाता है। गर्ड फाल्टिंग ने नेरोन मॉडल के सिद्धांत सहित बीजगणितीय ज्यामिति के उपकरणों के साथ, टेट अनुमान के एक मामले में ज्ञात कमी का उपयोग करके शफारेविच के परिमितता अनुमान को साबित कर दिया। फाल्टिंग के प्रमाण का मुख्य विचार सीगल मॉड्यूलर किस्म के माध्यम से हाइट फंक्शन , फाल्टिंग हाइट और हाइट फंक्शन नैव हाइट की तुलना है। इस अनुमान को जी. फाल्टिंग्स ने मोर्डेल अनुमान के अपने प्रमाण में एक कदम के रूप में साबित किया था। दुनिया भर के गणितज्ञों की पीढ़ियों ने बोरेविच और शफारेविच की अद्भुत पुस्तकों संख्या सिद्धांत (1964 में पहला संस्करण) और शफारेविच की मूलभूत बीजगणितीय ज्यामिति (1972 में पहला संस्करण) द्वारा बीजगणितीय संख्याओं और बीजगणितीय ज्यामिति के सिद्धांत का अध्ययन किया (और कर रहे हैं)। गणित में आधुनिक समस्याएं। मौलिक दिशाएँ (अंग्रेजी अनुवाद में गणितीय विज्ञान के विश्वकोश के रूप में जाना जाता है) श्रृंखला के लिए उन्होंने कई पुस्तकें लिखेः जैसेबीजगणितक् बीजगणित की मूल अवधारणाएँ, बीजगणितीय ज्यामिति, रीमैन सतहें और बीजगणितीय समूह, बीजगणितीय ज्यामिति, बीजगणितीय सतहें (वी. इस्कोव्स्कीख के साथ)। वे पूरी पुस्तकें बीजगणित और बीजगणितीय ज्यामिति के संपादक भी थे। आई. शफारेविच ने यूक्रेनी बीजगणितीय विद्यालय के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विशेष रूप से, उन्होंने कीव और उजगोरोड में प्रतिनिधित्व सिद्धांत में शोध का अत्यधिक समर्थन किया और उनके विकास पर महत्वपूर्ण रूप से प्रभाव डाला। 1960 के दशक के युवा कीव बीजगणितज्ञों में से एक, यूरी ड्रोज्ड, शफारेविच के पीएचडी छात्र थे और उन्होंने महान मैत्रे के साथ अपने अध्ययन, संपर्कों और चचाओं से बहुत कुछ सीखा, आई. शाफारेविच के छात्र ओलेग वेवेन्डेस्की ने लविव इवान फ्रेंको विश्वविद्यालय में बीजगणितीय ज्यामिति पर अपने काम में दयालुता, समझ, निष्पक्षता और रचनात्मक आलोचना को एक साथ रखा। इगोर शाफारेविच, एक प्रसिद्ध गणितज्ञ, ने बीजगणितीय संख्या सिद्धांत और बीजगणित में महत्वपूर्ण योगदान दिया, साथ ही समाजवाद पर महत्वपूर्ण कार्य भी लिखे और यहूदी-विरोधी होने के आरोपों का सामना किया। उनके शुरूआती काम में गणित के विभिन्न क्षेत्र शामिल थे, जिसमें बीजगणितीय संख्या सिद्धांत और बीजगणितीय ज्यामिति शामिल थे, जिसमें एक उल्लेखनीय उपलब्धि बीजगणितीय संख्या सिद्धांत में शाफारेविच-वेइल प्रमेय थी।

क्या नालंदा महाविहार को बख्तियार खिलजी ने नष्ट किया था?

-राम पुनियानी

नालंदा विश्वविद्यालय के नए कैंपस का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 19 जून (2024) को किया। इस मौके पर म्यांमार, श्रीलंका, वियतनाम, जापान और कोरिया के राजदूतों सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इन देशों में से अधिकांश में बौद्ध धर्म सम्राट अशोक द्वारा भेजे गए प्रचारकों के जरिये फैला था। नालंदा को पुनर्जीवित कर उसे एक वैश्विक विश्वविद्यालय का स्वरुप देने का प्रस्ताव सबसे पहले 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने किया था। बाद में बिहार विधानसभा और यूपीए सरकार ने इसका अनुमोदन किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाषण देते हुए, मोदी ने कहा कि बारहवीं सदी में विदेशी हमलावरों ने इस विश्वविद्यालय को जला कर राख कर दिया था। वे इसी आम धारणा को दुहरा रहे थे कि महमूद गौरी के सिपहसालार बख्तियार खिलजी ने नालंदा विश्वविद्यालय को नष्ट किया था। यह धारणा उसी सामाजिक सोच का हिस्सा है जो मानती है कि मुस्लिम आक्रांताओं ने हिन्दू मंदिरों को नष्ट किया और तलवार की नोंक पर लोगों को इस्लाम अपनाने पर मजबूर किया। इस सोच की नींव ब्रिटिश काल में पड़ी थी जब अंग्रेजों ने देश के इतिहास का साम्प्रदायिक नजरिए से लेखन किया। अंग्रेजों के बाद उनकी इस विरासत को आगे बढ़ाने का काम हिन्दू और मुस्लिम साम्प्रदायिक ताकतों ने किया। मुस्लिम लीग द्वारा हिन्दुओं के बारे में फैलाए गए मिथकों के कारण पाकिस्तान में हिन्दुओं का जीना मुहाल हो गया वहीं आरएसएस ने भारत में मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने का काम बखूबी अंजाम दिया। यहां तक कि सरदार वल्लभ भाई पटेल को आरएसएस के बारे में यह लिखना पड़ा कि ह्लउनके सभी भाषण साम्प्रदायिकता से भरे हुए थे। हिन्दुओं को उत्साहित करने और उनकी सुरक्षा के लिए उन्हें लामबंद करने के लिए यह जहर फैलाना जरूरी नहीं था। इस जहर का अंतिम नतीजा यह हुआ कि देश को गांधीजी के अनमोल जीवन की बलि भोगनी पड़ी। मोदी का यह कहना कि नालंदा को विदेशी हमलावरों ने जलाकर नष्ट किया था झूठी बातों की उसी श्रृंखला का हिस्सा है जो मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने के लिए बरसों से इस्तेमाल की जा रही हैं। नालंदा विश्वविद्यालय एक अद्भुत शिक्षण संस्थान था। बिहार के राजगीर में एक बड़े क्षेत्र में फैले इस विश्वविद्यालय का निर्माण गुप्त वंश के सम्राटों ने छठवीं सदी में किया था। इस बौद्ध शैक्षणिक संस्थान में, जहां सभी विद्यार्थी वहीं रहकर अध्ययन करते थे, मुख्यतः बौद्ध दर्शन पढ़ाया जाता था। इसके अतिरिक्त वहां गणित, तर्कशास्त्र, ब्राह्मणवादी हिन्दू धर्म के ग्रंथ एवं स्वास्थ्य विज्ञान भी पढ़ाए जाते थे। यह विश्वविद्यालय अपने खुलेपन, बेलाग संवादों और तार्किकता को बढ़ावा देने के लिए जाना जाता था। इसमें पढ़ने के लिए दूर-दूर से विद्यार्थी आया करते थे। इस विश्वविद्यालय का खर्च मौर्य वंश के राजाओं के खजाने से मिलने वाले धन से चलता था। बाद में पाल और सेन राजवंशों का शासन आने के बाद इस विश्वविद्यालय को मिलने वाली मदद कम हो गई और इसकी जगह अन्य विश्वविद्यालयों जैसे ओदंतपुरी और विक्रमशिला को राजकीय सहायता मिलने लगी। यहीं से नालंदा का पतन शुरू हुआ। नालंदा विश्वविद्यालय का पुस्तकालय, जिसमें दसियों लाख किताबें, पांडुलिपियां और अन्य दुर्लभ वस्तुएं थीं, को आखिर किसने आग लगाई थी? इसका दोष खिलजी पर मढ़ा जाता रहा है, विशेषकर ब्रिटिश राज के बाद से। मगर ऐसा एक भी तत्कालीन स्त्रोत नहीं है, जो इसके लिए खिलजी को जिम्मेदार ठहराता हो। खिलजी का मुख्य और एकमात्र लक्ष्य था लूटपाट। अयोध्या से बंगाल जाते हुए उसने किला-ए-बिहार पर यह सोचकर हमला किया कि उसमें दौलत छिपी होगी। रास्ते में उसने लूटमार की और लोगों को मारा। नालंदा उसके रास्ते में नहीं था, बल्कि जिस रास्ते से वह गुजरा, नालंदा उससे काफी दूर था। और वैसे भी उसके पास किसी विश्वविद्यालय पर हमला करने का कोई कारण नहीं था। उस समय के किसी स्त्रोत में यह नहीं कहा गया है कि खिलजी नालंदा आया था। मिनहाज-ए-सिराज द्वारा लिखी गई पुस्तक तबकात-ए-नासिरी में इस तरह की कोई बात नहीं कही गई है। उस समय दो तिब्बती अध्येता धर्मस्वामिन और सुंपा नालंदा में भारत और विशेषकर यहां बौद्ध धर्म के इतिहास का अध्ययन कर रहे थे। मगर उन्होंने भी अपनी किताबों में यह नहीं लिखा है कि खिलजी नालंदा आया या उसने नालंदा को आग के हवाले किया। एक अन्य बौद्ध अध्येता तारानाथ, जो तिब्बत से था, भी अपनी पुस्तक में इस तरह की चर्चा नहीं करता। यह दिलचस्प है कि आक्रांताओं ने अजंता, एलोरा और सांची स्तूप सहित किसी महत्वपूर्ण बौद्ध ढ़ांचे या संस्थान को नुकसान नहीं पहुंचाया। इतिहासविद् यदुनाथ सरकार और आर। मजूमदार भी इससे सहमत नहीं हैं कि नालंदा को खिलजी ने नष्ट किया था। तो फिर यह विश्वविद्यालय किस तरह नष्ट हुआ और क्यों और कैसे अपना महत्व खो बैठा? इस बारे में कई कहानियां प्रचलित हैं जिनमें से एक यह है कि उसे खिलजी ने नष्ट किया था। प्राचीन भारतीय इतिहास के अप्रतिम अध्येता प्रोफेसर डी। एन। झा अपने लेखों के संकलन (अगेंस्ट द ग्रेन, मनोहर, 2020) में प्रकाशित एक लेख रेसपांडिग टू ए कम्युनलिस्ट में तिब्बती भिक्षु तारानाथ की भारत में बौद्ध धर्म के इतिहास पर लिखी पुस्तक के प्रासंगिक हिस्सों को उद्धत करते हुए लिखते हैंः नालेन्द्र (नालंदा) में काकुटसिद्ध द्वारा बनाए गए मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान शैतान शमनों ने तीर्थिका भिक्षुकों (ब्राम्हणों) पर गंदगी फैंकी। इससे नाराज होकर उनमें से एक आजीविका का इंतजाम करने चला गया और दूसरे ने एक गहरे गड्ढे में बैठकर सूर्य साधना शुरू कर दी। उसने एक यज्ञ किया और पवित्र राख चारों ओर फैला दी जिससे अचानक आग लग गई।

ओम कहूं मैं अनुभव अपना

- राकेश अचल

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के पहले भाषण में परिपक्वता थी या बचपना ये तय करने के लिए आप। स्वतंत्र हैं। लेकिन मुझे लगता है कि पिछले दस साल में पहली बार सत्तारूढ़ दल को असुविधा का सामना करना पड़ा है। राहुल ने हिंदुत्व की तलवार से ही हिंदू सम्राट और उनकी पलटन को छकाया है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी कल तक भारतीय जनता पार्टी के लिए पप्पू और मोशा की जोड़ी के लिए कांग्रेस के शाहजादा भर थे किन्तु अब वे विपक्ष के नेता भी हैं। राहुल को नयी भूमिका में स्वीकार करना मोशा की मजबूरी है,वो भी संवैधानिक मजबूरी।अब सरकार राहुल गांधी को पप्पू नहीं कह सकती। लोकसभा अध्यक्ष माननीय ओम बिरला राहुल का माइक बंद करने का दुस्साहस नहीं कर सकते। लोकसभा स्थगित करने से पहले भी उन्हें सत्तारूढ़ दल की ओर सौ बार देखना पड़ेगा। हिंदू धर्म ग्रंथ रामचरित मानस में जैसे गोस्वामी तुलसीदास ने। पूरी कथा शिव -पार्वती संवाद के रूप में कहीं ठीक वैसे ही राहुल गांधी ने देश की व्यथा -शिव जी कहते हैं के जरिए बखान की। और पूरे सदन ने उन्हें सुना। सोमवार को हंगामा विपक्ष की ओर से नहीं बल्कि सत्तापक्ष की ओर से हुआ। कभी कभी लगा कि जैसे राहुल लोकसभा अध्यक्ष को इंगित कर कह रहे हैं कि - ओम कहूं मैं अनुभव अपना,सत हरि भगति,जगत है सपना । राहुल के भाषण पर माननीय बैशाखा प्रधानमंत्री जी ही नहीं बल्कि उनके तमाम खासमखास सिपाहसलार खिसियाए,भन्नाए,बमके किंतु राहुल की बोलती बंद नहीं कर सके ।राहुल गांधी के भाषण के समय प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, रक्षामंत्री, संसदीय कार्य मंत्री और कृषि मंत्री तक को खड़े होकर राहुल के वारों से सदन के नेता माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को बचाना पड़ा। सदन में वर्षा बाद मानसून का असर दिखाई दिया। सत्ताधारी दल को पल-पल पर छाते लगाना पड़ा लेकिन बच कोई नहीं सका। सबसे बुरी और दयनीय दशा थी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जी की।वे कसमसा रहे थे, तिलमिला रहे थे, लेकिन विपक्षी नेता पर हावी नहीं हो पा रहे थे।उनकी हैडमास्टरी काम नहीं आ रही थी। आखिर राहुल लोकसभा अध्यक्ष से प्रधानमंत्री से भी वरिष्ठ सांसद जो थे। सत्तारूढ़ दल के नेता राहुल के हर आरोप को भ्रामक बता रहे थे, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष राहुल की एक भी बात को विलोपित करने की हिम्मत नहीं कर पाए। मामला हिंदुत्व का उठा, नफरत का उठा। हिंदू मुसलमान का उठा , नीट पेपर लीक का उठा। किसान का उठा। मणिपुर का उठा।अग्निवीर का उठा।सबसे ऊपर था देश को भयभीत करने का मुद्दा। राहुल गांधी ने कहा कि माननीय ने देश के हर वर्ग को भयभीत करने की कोशिश की। यहां तक कि अपनी पार्टी के नेताओं तक को भयभीत कर रखा है। और हर मुद्दे पर सरकार या तो बौखलाई या फिर उसे बगलें झांकने पर मजबूर होना पड़ा। कुल मिलाकर सरकार की दशा दयनीय थी। राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे सरकार पर बरस रहे थे। वहां भी पीठाधीश्वर को बचाव की मुद्रा में पूरा देश देख रहा था।सदन में पहले जयश्री राम का नाम गूंजता था लेकिन सोमवार को बम बम भोले की गूंज थी। कोई रामभक्त आखिर शिवद्रोही कैसे बनता? क्योंकि रामजी पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि - शिवद्रोही मम दास कहावा,सो नर मोहे सपनेहु नहिं भावा। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जब जबाब देने की बारी आएगी तब तय है कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी भी विपक्ष के नेता की जमकर धुनाई और छिलाई करेंगे।

आज का राशिफल

मेष आज का दिन थकान और परेशानी वाला रहेगा। आज आप किसी वजह से तनाव में रहेंगे।

वृषभ आज आपके धन में वृद्धि होगी। आपको लाभ होगा और आपके लिए लाभ के योग बन रहे हैं।

मिथुन आज लाभ होगा। करियर में कुछ बड़ा बदलाव करने के बारे में सोच सकते हैं।

कर्क आज का दिन सफलता से भरा होगा और आज आप नए प्रॉजेक्ट की तरफ ध्यान दें।

सिंह अगर सैर सपाटे की योजना बन रही है तो यात्रा आदि के लिए कुछ तैयारी करनी होगी।

कन्या व्यवस्था करना या फिर जरूरी वस्तु की खरीद या फिर कहीं अटका हुआ पैसा निकालना।

तुला आज आपके धन में वृद्धि के योग हैं। आज आपको तीर्थयात्रा आदि का कार्यक्रम बन सकता है।

वृश्चिक दिन किसी प्रकार का सुधार करने में बीतेगा। कुछ बदलाव करने के बारे में सोच सकते हैं।

धनु आज करियर के मामले में आज कोई भी फैसला काफी सोचकर लेने की जरूरत है।

मकर आज करियर के मामले में लाभ और आज आप जिन मामलों में अपना दिमाग लगाएंगे।

कुंभ आज आपके कार्यक्षेत्र के वातावरण में सुधार होगा। कठोर प्रकृति का व्यक्ति नज़रों से दूर रहेगा।

मीन विपरीत हालात में मन को व्यथा होगी। जीवनसाथी का भरोसा जीतना जरूरी होगा।

विशेष

3 नए अपराधिक कानून बनाम आपातकाल

1 जुलाई से तीन नए अपराध कानून लागू हो गए हैं। इन कानून के लागू हो जाने के बाद जिस तरह से नागरिकों और न्यायालयों के अधिकार पर स्थाई रूप से कैंची चलाई गई है। उसके बाद लोगों को आपातकाल की याद आने लगी है। पुलिस अब किसी को भी भी 15 दिनों तक बंद रख सकेगी। 24 घंटे के अंदर न्यायालय में पेश करने की बाध्यता खत्म हो गई। पुलिस चाहेगी तो 90 दिन तक आरोपी को अपनी हिरासत में रख सकेगी। न्यायालय के अधिकार भी बहुत कम कर दिए गए हैं। पुलिस और सरकारी अधिकारियों के अधिकार बढ़ा दिए गए हैं। शासन की कार्रवाई के खिलाफ अब न्यायालय जाना भी आसान नहीं रहा। ऐसी स्थिति में अब लोग आपातकाल की याद कर रहे हैं। उस समय तो लोगों को जेल में कुछ समय के लिए नजर बंद करके रखा गया था। उनके ऊपर कोई मुकदमे नहीं चलाए गए थे।

अब कोई भी श्री 420 नहीं होगा

सरकार ने जो नए कानून लागू किए हैं। उसमें भारतीय दंड संहिता की धाराएं बदल दी गई है। नए कानून लागू हो जाने के बाद अब कोई श्री 420 नहीं रहेगा। अब उसे श्री 318 के नाम से जाना जाएगा। 318 कभी 420 की जगह ले पाएगा या नहीं, इसको लेकर सोशल मीडिया से लेकर सभी जगह चचाएं हो रही हैं।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1527: फ्रांसिसी सेना ने इटली के मिलानी क्षेत्र पर हमला कर पोष को मुक्त कराया. 1583: रूस के जार इवान ने आवेश में अपने बेटे की हत्या कर दी. 1608: फ्रांस के खोजी समुअल डी,चैम्पलेन ने कनाड़ा के क्यूबेक शहर की आधारशिला रखी. 1665: डच बेड़े को इंग्लैंड के बेड़े ने शिकस्त दी. 1665: ब्रिटिश बेड़े ने सेंट मालो पर बमबारी की. 1760: मराठा सेना ने दिल्ली पर कब्जा किया. 1778: प्रसिया ने आस्ट्रिया के खिलाफ जंग का ऐलान किया. 1849: ग्युसेपी गैडराल्डी के विरोध के बावजूद फ्रांस के सैनिक रोम पहुंचने में सफल हो गए. 1881 : ब्रिटेन के दबाव में तुर्की ने यूनान के साथ समझौता किया. 1896 तुर्की के सुलतान हमीद द्वितीय ने क्रीट के लोगों को प्रशासन चलाने का अधिकार दिया.

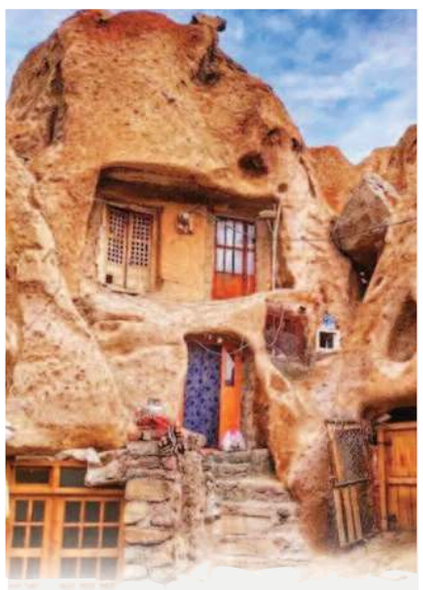
दैनिक पंचांग

3 जुलाई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.20 बजे से
चंद्र	वृष में	सिंह	08.36 बजे से
मंगल	मेष में	कन्या	10.48 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.59 बजे से
गुरु	वृष में	वृश्चिक	15.13 ब.से
शुक्र	मिथुन में	धनु	17.29 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	19.34 बजे से
राहु	मीन में	कुंभ	21.21 बजे से
केतु	कन्या में	मीन	22.54 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मेष	00.24 बजे से
		वृष	02.04 बजे स
		मिथुन	04.02 बजे से

बुधवार 2024 वर्ष का 185 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण **तिथि** द्वादशी 07.11 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** रोहिणी 04.08

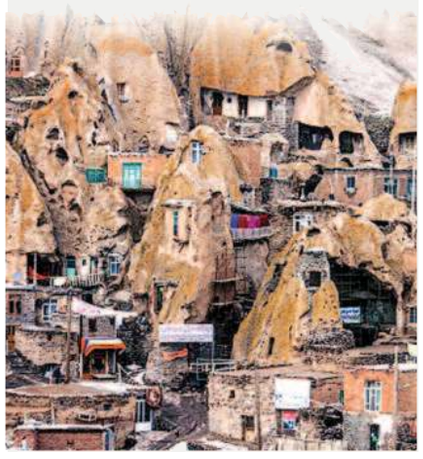


पिछले 700 सालों से घोंसलों में रह रहे हैं इस गांव के लोग

हर किसी का सपना अच्छे और आलीशान घर में रहने का होता है. हर कोई चाहता है उसका अपना घर हो तथा उसमें खूब सारी जगह हो. हर कोई चाहता है कि उसका अपना घर ऐसी जगह हो जहां हरियाली हो तथा वहां सूरज की रोशनी आती रहे. जिससे कि वह अपने घर में सुकून से रह सके. हालांकि इस धरती पर एक ऐसा गांव है. जहां के लोग पिछले 700 सालों से घर में नहीं बल्कि घोसले में रहते हैं. यह घर एकदम चिड़ियों के घोंसलों की तरह दिखता है. आप जानकर हैरान रह जाएंगे कि ये लोग एक दो साल से नहीं, बल्कि कई पीढ़ियों से ऐसे घरों में रह रहे हैं. ऐसा गांव ईरान में है. ईरान के कंदोवन गांव के लोग घोंसलानुमा घरों में रहते हैं. अपनी अजीबोगरीब परंपरा के लिए ये गांव और यहां रहने वाले लोग दुनियाभर में मशहूर हैं. इस गांव के लोग पक्षियों की तरह घोंसले बनाकर रहते हैं. आप भले ही इन घरों को आम घर समझते हैं, लेकिन इस घर की खासियत जानकर आप हैरान रह जाएंगे.

इस घर में सर्दियों में गर्मी और गर्मियों में ठंडी रहती है.

ये घर देखने में भले ही अजीब लगें, लेकिन रहने में काफी आरामदायक है. यह गांव 700 साल पुराना है. यहां रहने वाले लोग न हीटर का इस्तेमाल करते हैं, न ही एसी का इस्तेमाल करते हैं. यहां गर्मी के मौसम में ठंडी रहती है, जबकि सर्दी में गर्मी रहती है. अब आप सोच रहे होंगे कि इन घरों का निर्माण कैसे और क्यों हुआ? यहां रह रहे लोगों के पूर्वजों ने मंगोलों के हमलों से बचने के लिए ये घर बनाए थे. कंदोवन के प्रारंभिक निवासी यहां हमलावर मंगोलों से बचने के लिए आए थे. वे छिपने के लिए ज्वालामुखी चट्टानों में ठिकाना खोदा करते थे तथा वहीं उनका स्थायी घर बन जाता था. दुनियाभर में यह गांव अपने अनोखे घरों के लिए जाना जाता है.





कैसे आता है मानसून

क्या है इसके पीछे की साइंस

मानसून मूलतः हिन्द महासागर एवं अरब सागर की ओर से भारत के दक्षिण-पश्चिम तट पर आनी वाली हवाओं को कहते हैं जो भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश आदि में भारी वर्षा करातीं हैं। ये ऐसी मौसमी पवन होती हैं, जो दक्षिणी एशिया क्षेत्र में जून से सितंबर तक, प्रायः चार माह सक्रिय रहती है। यहां ये उल्लेखनीय है, कि मानसून हवाओं का अर्थ अधिकांश समय वर्षा कराने से नहीं लिया जाना चाहिये। मानसून पूरी तरह से हवाओं के बहाव पर निर्भर करता है। आम हवाएं जब अपनी दिशा बदल लेती हैं तब मानसून आता है। जब ये ठंडे से गर्म क्षेत्रों की तरफ बहती हैं तो उनमें नमी की मात्र बढ़ जाती है जिसके कारण वर्षा होती है।



मानसून एक विशेष प्रकार का जलवायु परिवर्तन है, जो अपने साथ बारिश और आंधी लेकर आता है। इसे आमतौर पर गर्मी के अंत और वर्षा ऋतु के शुरू होने पर देखा जाता है। अक्सर 20 से 25 जून तक मानसून उत्तर भारत में दस्तक दे ही देता है और 15 जुलाई तक यह पूरे भारत में आ जाता है। सरल शब्दों में मानसून को आप रिवर्सल ऑफ विंड भी कह सकते हैं। यह कई कारणों से आता है। आइए आज हम आपको इसके पीछे की साइंस के बारे में बताते हैं।

मानसून के बनने के पीछे कारण क्या हैं?

मानसून तब बनता है जब गर्मी के मौसम में हिंद महासागर में सूर्य विषुवत रेखा के ठीक ऊपर होता है। इस दौरान समुद्र का तापमान 30 डिग्री और पृथ्वी का टेंप्रेचर 45-46 डिग्री तक रहता है। ऐसे में, हिंद महासागर के दक्षिणी हिस्से में मानसूनी हवाएं एक्टिव हो जाती हैं और फिर ये विषुवत रेखा को पार करके एशिया की ओर बढ़ने लगती है। इस परिवर्तन के कारण हवा उच्च दबाव वाले क्षेत्रों से निम्न दबाव वाले क्षेत्रों की ओर प्रवाहित होती है, जिससे मानसून वायु गतिशील होती है। यह प्रक्रिया उषा और लवर्षा ऋतु के बीच स्थिर होती है और मानसून को उत्पन्न करती है।

भारत के दो हिस्से में अलग तरीके से आता है मानसून

तेज हवाएं और बारिश वाले बादल जब बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में पहुंचते हैं, तो ये दो हिस्सों में बंट जाते हैं। इसका एक हिस्सा अरब सागर की ओर यानी गुजरात, मुंबई, राजस्थान से होते हुए आगे बढ़ता है। वहीं, इसका दूसरा हिस्सा बंगाल की खाड़ी से पश्चिम बंगाल, बिहार होते हुए हिमालय से टकराकर गंगा के तलहटी क्षेत्रों की ओर मुड़ जाता है। इस तरीके से मानसून भारत में दस्तक देता है।

मानसून की उत्पत्ति कैसे हुई?

मानसून शब्द की उत्पत्ति अरबी भाषा के शब्द मौसिम से हुई है, जिसका अर्थ है- ऋतु या मौसम। इसकी उत्पत्ति अरब के समुद्री व्यापारियों द्वारा की गई थी। जानकारी के लिए बता दें कि समुद्री व्यापारी समुद्र में चलने वाली हवा को मौसिम कहा करते थे, जिसे धीरे-धीरे मानसून के रूप में जाना जाने लगा।

क्या है मानसून और यह बरसात से कैसे अलग है?

भारत में केरल के रास्ते से मानसून का आगमन होता है, ऐसे में बहुत से लोगों को लगता है कि मानसून और बरसात दोनों ही एक चीज है, ऐसे में चलिए जानते हैं इसके बीच का अंतर।
भारत में हर साल केरल के रास्ते मानसून भारत में प्रवेश करता है, यानी साल की पहली बारिश केरल से होते हुए पूरे देश में होती है। मानसून आने के बाद देश के अलग-अलग राज्यों में बारिश होने लगती है। ऐसे भी बहुत से लोग हैं, जिन्हें यह लगता है कि मानसून और बरसात दोनों एक ही है, इन दोनों में बस शब्दों का अंतर है।

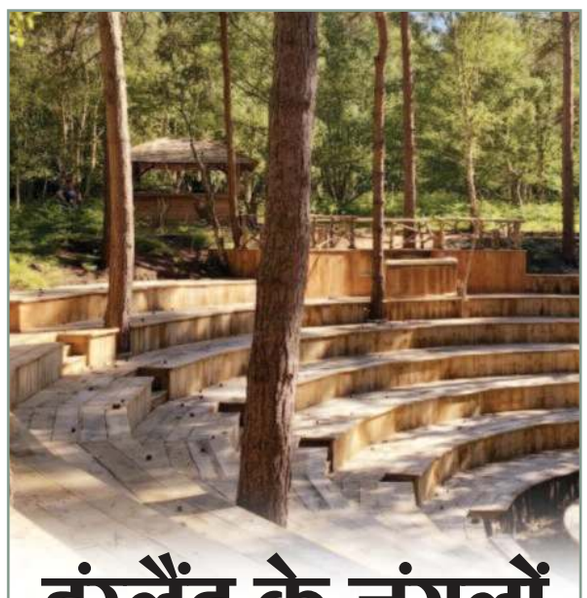
मानसून क्या है?

मानसून अरबी भाषा के मौसिम शब्द से लिया गया है, इस शब्द की उत्पत्ति अरब के समुद्री व्यापारियों द्वारा की गई थी। बता दें कि समुद्री व्यापारी समुद्र में चलने वाली हवा को मौसिम कहा करते थे, जिससे ही धीरे-धीरे मानसूनके रूप में जाना जाने लगा। आम भाषा में मानसून को समझने की कोशिश करें, तो यह ऐसी हवाएं हैं, जो मौसम के अनुरूप अपनी दिशा बदलती है। मानसून एक तरह की ऐसी हवा है, जो जहां जाती हैं वहां बारिश कराती है और इसी कारण मानसून के आने से बारिश होती है।
वहीं मानसून का मतलब सिर्फ बरसात नहीं है, बता दें कि बरसात मानसून का हिस्सा मात्र है। वातावरण की एक पूरी प्रक्रिया ही मानसून है। इसके अलावा यह मौसमी बदलाव के कारण हवा की दिशा में होने वाला बदलाव है। आपको बता दें कि मानसून के कारण बरसात होती है, न की बरसात के कारण मानसून। बता दें कि मानसूनी हवा देश में प्रवेश करती है, जिसके बाद ही देश में बारिश की बूंदें गिरने लगती है। लगातार बारिश होने को ही बरसात कहा जाता है, जो किसी राज्य में 1 महीने रहता है तो किसी में 3 या चार।

मानसून के आने के बाद कैसे होती है बारिश?

भारत में जब मानसूनी हवाएं दक्षिण-पश्चिम तट पर वेस्टर्न घाट से टकराती है, तब जा के देश में वर्षा या बारिश की स्थिति बनती है। ऐसा कई बार हो चुका है, जब मानसून (मानसून में घूमने के लिए जगह) अपने तय तिथि के साथ देश में नहीं पहुंच पाता। बता दें कि इसके पीछे कारण है, जैसे कई बार मानसून किसी चक्रवात से टकरा जाता है, जिसके कारण मानसून आने में देरी होती है, जिसके बाद बारिश में भी देरी होती है।





इंग्लैंड के जंगलों में दुनिया का पहला ओपन थिएटर

इंग्लैंड के साउथवॉल्ड के जंगलों में दुनिया का पहला ओपन थिएटर बन रहा है, जो इस माह के अंत तक पूरा हो जाएगा। पूरी तरह से लकड़ी से तैयार हो रहे इस थिएटर में 350 लोगो की क्षमता होगी। यहां दिन में पेड़ों की छाया और रात में खुले आसामान के नीचे कार्यक्रम किए जा सकेंगे। इसे खासतौर से पर्यावरण प्रेमियों के लिए ही तैयार किया जा रहा है। यहां थिएटर आर्टिस्ट अपनी अदाकारी दिखाएंगे। साथ ही समय समय पर पर्यावरण के लिए पेड़ों के महत्व को भी समझाएंगे। इस थिएटर का नाम द थोरिंगटन थिएटर रखा गया है। यहां नाटक और म्यूज़िकल कान्टेस्ट आयोजित किए जाएंगे। इस थिएटर को बनाने वाले चार्लोट बान्ड ने बनाया कि इस थिएटर को बनाने में किसी तरह के पेड़ का नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान यहां दो बम गिरे थे, जिसकी वजह से यहां गड्ढा बन गया है और ज्यादा पेड़ न होने के कारण उन्हें थिएटर के लिए जगह मिल गई।



आखिर क्यों ट्रेन के पीछे X का निशान होता है?

X का मतलब होता है कि यह ट्रेन का आखिरी डिब्बा है और ट्रेन के आखिरी डिब्बे पर X के साथ एलवी लिखने का मतलब होता है 'लास्ट व्हीकल'। अगर आप ध्यान देंगे तो एलवी हमेशा एक्स के निशान के साथ लिखा होता है। अगर किसी ट्रेन के पीछे यह निशान नहीं बना होता है, तो इसका अर्थ होता है कि कोई डिब्बा ट्रेन से अलग हो गया है। जिस कारण दुर्घटना होने के सम्भावना ज्यादा रहता है इसलिए दुर्घटना को रोकने के लिए यह निशान बनाया गया है। आपने जरूर देखा होगा की रेलवे क्रोसिंग पर गार्ड ट्रेन को हरी झंडी दिखाता है साथ ही वह यह भी सुनिश्चित करता है कि ट्रेन के लास्ट डब्बे में X का निशान बना हो। रात के समय ये सुनिश्चित करने के लिए क्रोस के निशान के नीचे एक लाल बत्ती लगी होती है जिसे देख कर रात में भी अंदाजा लगाया जाता है कि ट्रेन सेफ है।



भारत का ऐसा गांव जहां के लोग अपने देश में खाते हैं और सोने के लिए दूसरे देश में जाते हैं

भारत एक ऐसा देश है जहां के लगभग हर गांव में आपको कुछ अलग रिवाज या कुछ रोचक तथ्य जानने को मिलेंगे। जैसे-किसी गांव में सांप की पूजा होती है, किसी गांव में सिर्फ पुरुष ही खाना बनाते हैं तो कोई गांव काला जादू के लिए जाना जाता है।



भारत में एक ऐसा ही गांव है जिसका नाम है लोंगवा। इस गांव के बारे में कहा जाता है कि यहां के लोग खाते हैं भारत में और सोने के लिए दूसरे देश में पहुंचते हैं। इस लेख में आपको भारत के लोंगवा गांव के बारे में कुछ रोचक तथ्यों के बारे में बताने जा रहे हैं।

लोंगवा गांव कहां है?

इस अनोखे गांव के बारे में बताने से पहले यह जान लेते हैं कि यह कहां है। आपको बता दें कि यह गांव भारत के नागालैंड और म्यांमार की सीमा पर स्थित है। नागालैंड के मोन जिले में स्थित यह गांव भारत का आखिरी गांव भी माना जाता है।(गुजरात में है अफ्रीकी गांव)

लोंगवा गांव क्यों है अनोखा?

इस अनोखे गांव के बारे में एक नहीं बल्कि कई रोचक तथ्य है। कहा जाता है कि सीमा पर होने के चलते इस गांव का आधा हिस्सा भारत में पड़ता है और आधा हिस्स म्यांमार में पड़ता है। इसके अलावा लोंगवा गांव के बारे में कहा जाता है किसी-किसी घर का किचन भारत में स्थित है और सोने के लिए म्यांमार में जाते हैं। यही नहीं भारत के कुछ लोग खेती करने म्यांमार में जाते हैं तो कुछ म्यांमार से भारत में खेती करने आते हैं।

क्या सच में इस गांव के मुखिया की 60 पत्नियां हैं?

इस अनोखे गांव के बारे में अगर सबसे अधिक कुछ चर्चित है तो वो है इस गांव का मुखिया। कहा जाता है कि इस गांव का जो व्यक्ति मुखिया है उनकी 1-2 या 3 नहीं बल्कि 60 पत्नियां हैं। इस मुखिया के बारे में यह भी बोला जाता है कि नागालैंड के साथ-साथ अरुणाचल प्रदेश और म्यांमार के लगभग 70 से अधिक गांवों में उनका प्रभुत्व है।

क्या इस गांव के लोग म्यांमार की सेना में शामिल हैं?

लोंगवा गांव के बारे में कहा जाता है कि यहां के लोग भारतीय सेना के साथ-साथ म्यांमार की सेना में भी शामिल है। सीमा पर मौजूद होने के बाद कई लोगों के पास दोनों ही देशों में रहने का निवास स्थल है जिसके चलते सेना में शामिल होते रहते हैं। हालांकि, इस गांव के बारे में एक विचित्र कहानी भी है कि इस गांव के लोगों में खोपड़ी पहने का रिवाज है जिसे देखने के बाद एक आम व्यक्ति डर जाता है। आपको बता दें कि इस गांव में घूमने के लिए एक से एक बेहतरीन जगहें भी हैं।



संक्षिप्त समाचार

5 प्रतिशत ब्याज पर 3 लाख लोन दे रही मोदी सरकार



नईदिल्ली, एजेंसी। नरेंद्र मोदी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में कई ऐसी योजनाओं की शुरुआत की, जिसका सीधा लाभ गरीब वर्ग को होता है। ऐसी ही एक योजना- पीएम विश्वकर्मा है। साल 2023 में 17 सितंबर को पीएम विश्वकर्मा योजना की शुरुआत की गई। अब तक इस योजना में 13 लाख से ज्यादा लोग रजिस्टर्ड हो चुके हैं। आइए योजना की डिटेल जान लेते हैं। इस योजना के दायरे में अपने हाथों और औजारों की मदद से काम करने वाले कारीगरों समेत 18 व्यवसाय को जोड़ा गया है। इसके दायरे में बढ़ई, नाव निर्माता हथियार निर्माता, लोहार, हथौड़ा और टूल किट निर्माता, ताला बनाने वाला, सोनार, कुम्हार, मूर्तिकार (मूर्तिकार, पत्थर तराशने वाला), पत्थर तोड़ने वाला शामिल है। इसके अलावा मोची/जूता कारीगर, राजमिस्त्री, टोकरी/चटाई/झाड़ू निर्माता/कॉयर बुनकर, गुड़िया और खिलौना निर्माता (पारंपरिक), नाई, माला बनाने वाला, धोबी, दर्जी और मछली पकड़ने का जाल निर्माण में लगे कारीगरों और शिल्पकारों को शामिल किया गया है।पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत 3 लाख रुपये तक लोन मिल सकता है। यह लोन बिना कुछ गिरवी रखे दिया जाता है। लोन को 1 लाख और 2 लाख रुपए के दो किश्तों में क्रमशः 18 महीने और 30 महीने की अवधि के लिए 5 प्रतिशत निर्धारित रियायती ब्याज दर पर दिया जा रहा है।जिन लाभार्थियों ने बेसिक ट्रेनिंग पूरी कर ली है, वे एक लाख रुपये तक की ऋण सहायता की पहली किश्त का लाभ उठाने के पात्र होंगे। दूसरी ऋण किश्त उन लाभार्थियों के लिए उपलब्ध है जिन्होंने पहली किश्त का लाभ उठाया है और एक मानक ऋण खाता बनाए रखा है। इसके अलावा अपने व्यवसाय में डिजिटल ट्रांजैक्शन को अपनाना भी अनिवार्य है।

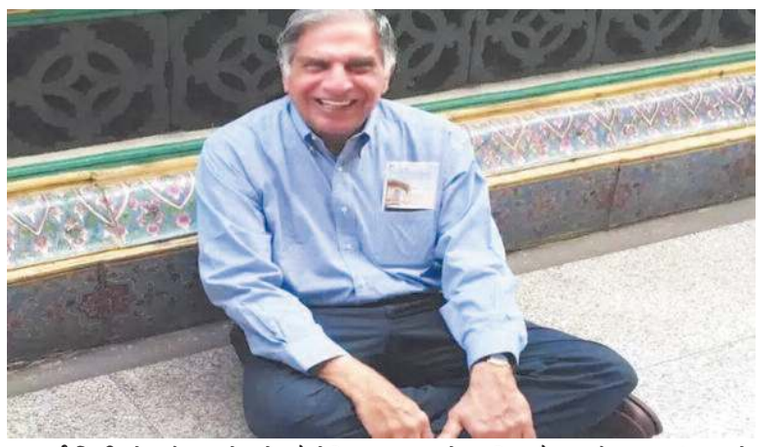
एलाइड ब्लेंडर्स आईपीओ की शेयर बाजार में शानदार लिस्टिंग



नई दिल्ली, एजेंसी। शराब बेचने वाली कंपनी एलाइड ब्लेंडर्स आईपीओ ने स्टॉक मार्केट में शानदार शुरुआत की है। कंपनी के शेयर 13 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ बीएसई में 318.10 रुपये पर लिस्ट हुआ है। वहीं, एनएसई में कंपनी के शेयर 14 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 320 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। हालांकि, मजबूत लिस्टिंग के बाद कंपनी के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है। बीएसई में कंपनी के शेयर 319.90 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंचने के बाद लुढ़क गए हैं।एलाइड ब्लेंडर्स के शेयर 10.25 मिनट पर बीएसई में 310.40 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहे थे। बता दें, कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 267 रुपये से 281 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था।स्वास्तिक इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड की वेल्थ हेड शिवानी नयती कहती हैं कि कंपनी की लिस्टिंग प्री-लिस्टिंग चर्चाओं के अनुरुप नहीं रहा है। ऐसे में जो निवेशक इस स्टॉक को होल्ड करना चाहते हैं वे सभी इश्यू प्राइस पर अपना स्टॉप लॉस इश्यू प्राइस पर रखना चाहिए।कंपनी ने आईपीओ के लिए 53 शेयरों का एक लॉट बनाया था। जिस वजह से एक रिटेल निवेशक को कम से कम 14,893 रुपये का दांव लगाना पड़ा था। कंपनी के कर्मचारियों को हर एक शेयर पर 26 रुपये की छूट दी गई थी। रिटेल निवेशकों के लिए 25 जून 2024 से 27 जून 2024 तक ओपन हुआ था। बता दें, कंपनी का आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 24 जून को खुला था।

संस्थान ने 28 जून को थमा दिया था टर्मिनेशन लेटर, टाटा एजुकेशन ट्रस्ट ने बढ़ा दिया इंस्टीट्यूट को ग्रांट

रतन टाटा ने बचाई टीआईएसएस के 115 कर्मचारियों की नौकरी



नई दिल्ली: देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप के चेयरमैन एमिरेटस रतन टाटा ने एक बार फिर दरियादिली की मिसाल पेश की है। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सांइसेज ने मुंबई, तुलजापुर, हैदराबाद और गुवाहाटी में 115 कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की थी। इनमें 55 फैकल्टी मेंबर्स और 60 नॉन टीचिंग स्टाफ शामिल था। 28 जून को उन्हें नोटिस थमाकर बताया गया कि 30 जून, 2024 के बाद उनका कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिया जाएगा। लेकिन रतन टाटा की अगुवाई वाले टाटा एजुकेशन ट्रस्ट ने इंस्टीट्यूट को ग्रांट बढ़ाने का भरोसा दिया है। इसके बाद संस्थान ने कर्मचारियों का टर्मिनेशन वापस ले लिया है। यह पहला मौका नहीं है जब रतन टाटा ने कर्मचारियों के प्रति दरियादिली दिखाई है।

कोरोना काल में जब कंपनियां बड़े पैमाने पर छंटनी कर रही थीं तो रतन टाटा ने इसका जमकर विरोध किया था। उन्होंने कहा था कि कोरोना के मुश्किल दौर में लोगों के प्रति कंपनियों की जिम्मेदारी बनती है। जिन्होंने आपके लिए काम किया, आपने उन्हें ही छोड़ दिया। उद्यमियों और कंपनियों के लिए लंबे समय तक काम करने और अच्छा प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों के प्रति संवेदनशीलता जरूरी है। महामारी के दौर में आप अपने कर्मचारियों के साथ ऐसा बर्ताव करते हैं, क्या यही आपकी नैतिकता है' टाटा ग्रुप की कंपनी टीसीएस ने पहले ही ऐलान कर दिया था कि वह किसी भी कर्मचारी की छंटनी नहीं करने वाली है।

भारत रत्न देने की मांग

रतन टाटा देश के एकमात्र उद्योगपति हैं जिन्हें कई बार देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की मांग हो चुकी है। साल 2022 की शुरुआत में उन्हें भारत रत्न देने की मांग को लेकर ट्विटर पर एक अभियान चलाया गया था। हालांकि तब रतन टाटा ने लोगों से इस कैंपेन को बंद करने की मांग करते हुए कहा था कि वह एक भारतीय होने पर खुद को भाग्यशाली मानते हैं। रतन टाटा को साल 2000 में पद्म भूषण और 2008 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। देश में अब तक केवल एक ही उद्योगपति जेआरडी टाटा को भारत रत्न दिया गया है। 28 दिसंबर 1937 को जन्मे रतन टाटा साल 1991 से 2012 तक टाटा ग्रुप के चेयरमैन रहे। इस दौरान उन्होंने टाटा ग्रुप को बुलंदियों पर पहुंचाया। रतन टाटा सिर्फ एक अच्छे उद्योगपति ही नहीं हैं, वे एक अच्छे इंसान भी हैं। वह अपने साथ काम करने वाले लोगों का काफी ख्याल रखते हैं। उनकी पहचान ऐसे शख्स के रूप में है जो हमेशा अपने कर्मचारियों के साथ खड़ा रहता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उस कर्मचारी की कंपनी में क्या रैंक है। रतन टाटा एक बार कर्मचारी की जान बचाने के लिए खुद विमान उड़ाने को तैयार हो गए थे। यह वाकया अगस्त 2004 का है। पुणे में टाटा मोटर्स के एमडी प्रकाश एम तेलंग की तबीयत अचानक खराब हो गई और डॉक्टरों ने उन्हें तुरंत मुंबई ले जाने की सलाह दी। रविवार का दिन था और डॉक्टर एयर एंबुलेंस का जुगाड़ नहीं कर पा रहे थे। जब इस बारे में रतन टाटा को बताया गया तो वह कंपनी का प्लेन उड़ाने के लिए तैयार हो गए। टाटा के पास पायलट का लाइसेंस है। लेकिन इस बीच एयर एंबुलेंस का प्रबंध हो गया और प्रकाश को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल ले जाया गया। वहां उनका सफल इलाज हुआ। प्रकाश करीब 50 साल तक टाटा मोटर्स में रहने के बाद 2012 में रिटायर हुए। रतन टाटा एक ट्रेंड पायलट हैं और उनके पास विमान उड़ाने का लाइसेंस है। उनके पास एक दसॉ फाल्कन 2000 प्राइवेट जेट भी है, जिसकी कीमत करीब 150 करोड़ रुपये बताई जाती है।

10 लाख करोड़ रुपये की है इंडियन वेडिंग इंडस्ट्री, अमेरिका के मुकाबले करीब दोगुना है आकार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में शादियां सिर्फ एक समारोह नहीं, बल्कि बहुत बड़ा बिजनेस हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का शादी उद्योग लगभग 10 लाख करोड़ रुपये (130 अरब डॉलर) का है। यह खाने-पीने के बाद दूसरी सबसे बड़ी इंडस्ट्री है। एक आम भारतीय शादी पर शिक्षा से दोगुना खर्च करता है। यह भारत में शादियों के सांस्कृतिक महत्व और आर्थिक प्रभाव को दर्शाता है। भारत में हर साल 80 लाख से 1 करोड़ शादियां होती हैं, जो चीन (70-80 लाख) और अमेरिका (20-25 लाख) से कहीं ज्यादा हैं। ब्रोकरेज फर्म जेफरीज की रिपोर्ट के अनुसार, इंडियन वेडिंग इंडस्ट्री अमेरिका (70 अरब डॉलर) से लगभग दोगुना बड़ी है। हालांकि, यह चीन (170 अरब डॉलर) से छोटी है। भारत में शादियां खाने-पीने (681 अरब डॉलर) के बाद दूसरी सबसे बड़ी कजम्पशन कैटेगरी है।

भारत में शादियां भव्य होती हैं। इनमें कई रस्में और ज्यादा खर्च शामिल होता है। यह उद्योग आभूषण और परिधान जैसी श्रेणियों में खपत को बढ़ावा देता है। अप्रत्यक्ष रूप से ऑटो और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों को लाभान्वित करता है। इन्हें रोकने के राजनीतिक प्रयासों के बावजूद विदेशी जगहों पर आलीशान शादियां भारतीय वैभव को प्रदर्शित करती रहती हैं। भारतीय शादियां कई दिनों तक चलने वाले आयोजन होते हैं। ये क्षेत्र, धर्म और आर्थिक पृष्ठभूमि से प्रभावित होते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हिंदू कैलेंडर का पालन करते हुए शादियां खास महीनों में शुभ दिनों में होती हैं।

एचडीएफसी बैंक ग्राहकों के लिए जरूरी अपडेट, 13 जुलाई को काम नहीं करेगा यूपीआई

नई दिल्ली, एजेंसी। एचडीएफसी बैंक के ग्राहकों के लिए बड़ी खबर है। एचडीएफसी के ग्राहक 13 जुलाई को यूपीआई समेत कुछ सर्विस का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। दरअसल बैंक इस दिन सिस्टम अपग्रेड करेगा, जिसकी वजह से बैंक की यूपीआई सेवा भी अस्थाई रूप से प्रभावित होगी। साथ ही इस बीच ग्राहक अपना बैंक बैलेंस भी चेक नहीं कर पाएंगे।

ये है सिस्टम अपग्रेड का समय: सिस्टम अपग्रेड करने का मकसद बैंक की परफॉर्मेंस और क्षमताओं को बेहतर करना और विश्वसनीयता को बढ़ाना है। बैंक के अनुसार, 13 जुलाई को सिस्टम अपग्रेड का समय सुबह 3 बजे है और उसी दिन शाम 4.30 बजे तक यह अपग्रेड हो जाएगा। इस अवधि के दौरान ग्राहक कुछ सेवाओं का लाभ नहीं ले पाएंगे। यूपीआई सर्विस दो विशिष्ट समय पर बंद रहेंगीं।

जानकारी के अनुसार 13 जुलाई को यूपीआई सर्विस सुबह 3:00 बजे से 3:45 बजे तक और सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:45 बजे तक काम नहीं करेगी। वहीं पूरे अपग्रेड अवधि के दौरान नेटबैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध नहीं रहेंगी।

डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड से ट्रांजैक्शन रहेगा जारी: सिस्टम अपग्रेड अवधि के दौरान ग्राहक अपने एचडीएफसी बैंक डेबिट कार्ड या क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके किसी भी एटीएम से नकदी निकाल सकते हैं। वहीं, बैंक बैलेंस 12 जुलाई को शाम 7.30 बजे के बैलेंस के आधार पर दिखेगा। इसके अलावा ग्राहक दुकानों पर स्वाइप मशीनों पर अपने एचडीएफसी बैंक डेबिट कार्ड या क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल जारी रख सकते हैं। एचडीएफसी डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड से ऑनलाइन खरीदारी, पिन रीसेट करना या कार्ड से होने वाली अन्य गतिविधियां जारी रख सकते हैं। किसी भी तरह के अवरोध से बचने के लिए बैंक की ओर से 12 जुलाई 2024 को शाम 7:30 बजे से पहले पर्याप्त धनराशि निकालने और सभी फंड ट्रांसफर वगैरह जरूरी काम को करने की सलाह दी गई है।

सोना हुआ सस्ता, चांदी के बढ़े भाव



नई दिल्ली, एजेंसी। शादियों के इस सीजन से पहले आज सोना जहां सस्ता हुआ है, वहीं चांदी थोड़ी महंगी हुई है। सर्राफा मार्केट में आज 24 कैरेट गोल्ड की कीमत 71858 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुली। चांदी के भाव आज 88085 रुपये प्रति किलो पर खुले। आईबीजेए द्वारा जारी रेट के मुताबिक 24 कैरेट गोल्ड का भाव आज पिछले बंद 71874 रुपये प्रति 10 ग्राम से 16 रुपये सस्ता होकर 71858 रुपये पर आ गया है। 23 कैरेट गोल्ड का भाव भी 16 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता होकर 71570 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। 22 कैरेट गोल्ड की कीमत भी अब 15 रुपये गिरकर 65822 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई है। 18 कैरेट गोल्ड का भाव 12 रुपये सस्ता होकर 53894 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। 14 कैरेट गोल्ड का भाव भी 9 रुपये गिरकर 42027 रुपये प्रति 10 ग्राम पर चला गया है। चांदी के रेट में आज 283 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी है।

जीएसटी के साथ सोने-चांदी के रेट: आज 23 कैरेट सोने का रेट जीएसटी के साथ 73717 रुपये प्रति 10 ग्राम का पड़ेगा। अन्य चार्जेज के साथ यह 81088 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पड़ेगा। जबकि, 22 कैरेट गोल्ड का भाव जीएसटी समेत 67796 रुपये पर पहुंच गया है। जबकि, ज्वेलरी मेकिंग चार्ज और मुनाफा जोड़ने के बाद यह करीब 74576 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से मिलेगा।

शादियों के इस सीजन से पहले आज सोना जहां सस्ता हुआ है, वहीं चांदी थोड़ी महंगी हुई है। सर्राफा मार्केट में आज 24 कैरेट गोल्ड की कीमत 71858 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुली। चांदी के भाव आज 88085 रुपये प्रति किलो पर खुले। आईबीजेए द्वारा जारी रेट के मुताबिक 24 कैरेट गोल्ड का भाव आज पिछले बंद 71874 रुपये प्रति 10 ग्राम से 16 रुपये सस्ता होकर 71858 रुपये पर आ गया है। 23 कैरेट गोल्ड का भाव भी 16 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता होकर 71570 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। 22 कैरेट गोल्ड की कीमत भी अब 15 रुपये गिरकर 65822 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई है। 18 कैरेट गोल्ड का भाव 12 रुपये सस्ता होकर 53894 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। 14 कैरेट गोल्ड का भाव भी 9 रुपये गिरकर 42027 रुपये प्रति 10 ग्राम पर चला गया है। चांदी के रेट में आज 283 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी है।

ऑनलाइन ट्रेंड को देख युवा करते हैं खरीदारी



नईदिल्ली, एजेंसी। जहां पुरानी पीढ़ी के लोग अपनी पसंद की चीजें खरीदने के लिए डिपार्टमेंट स्टोर या शॉपिंग मॉल के चक्कर काटते थे वहीं नई पीढ़ी इंफ्लूएंसर और ऑनलाइन सर्च पर अधिक जोर देती है। हालिया स्टडी में यह बात सामने आई है। इसके अनुसार, एशिया पैसिफिक की जेन जेड की पसंद इंफ्लूएंसर से प्रभावित होती है। वे उसकी तरह कपड़े, हेयरस्टाइल आदि की भी नकल करते हैं। केपीएमजी की नई रिपोर्ट में बताया गया कि इस तरह का चलन इंस्टाग्राम जैसे सोशल कॉमर्स प्लेटफॉर्म के आने से बढ़ा है, जहां इंफ्लूएंसर की सलाह अहम भूमिका निभाती है। विभिन्न देशों के 14 बाजारों पर किए गए सर्वे के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की गई। इसके तहत 7000 से अधिक यूजर का सर्वे किया गया।

भारत पर भी असर: डिजिटल युग में जन्मे और बड़े होने के कारण आज की युवा पीढ़ी सट्टा लगाने, जोखिम का आकलन करने और बजट बनाने के लिए तकनीक पर निर्भर करती है। हालिया एक रिपोर्ट के अनुसार, वे मोबाइल ऐप के माध्यम से निवेश करते हैं। दुनिया में डिजिटल डिवाइस के साथ बड़ी होने वाली पहली पीढ़ी 'जेन जेड' है। 1997 से 2012 के बीच जन्मे इसका हिस्सा हैं।

सरकार ने क्रूड पर विंडफॉल टैक्स बढ़ाया, डीजल, पेट्रोल और एटीएफ पर जीरो

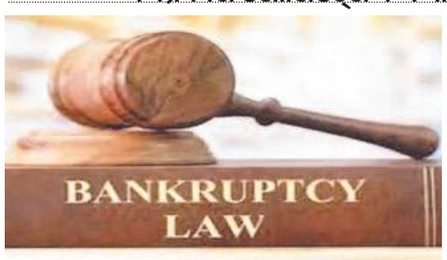
नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर यानी विंडफॉल टैक्स को मंगलवार से 3,250 रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 6,000 रुपये प्रति टन कर दिया है। यह टैक्स विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाता है। यह रिलायंस जैसी दिग्गज ऑयल कंपनियों के लिए झटका है।



डीजल, पेट्रोल और विमान ईंधन या एटीएफ के निर्यात पर एसएईडी को शून्य पर बरकरार रखा गया है। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, नई दरें दो जुलाई से प्रभावी हो गईं। भारत ने पहली बार एक जुलाई 2022 को अप्रत्याशित लाभ पर कर लगाया। विंडफॉल टैक्स रेट की समीक्षा प्रत्येक पखवाड़े पिछले दो सप्ताह की औसत तेल कीमतों के आधार पर की जाती है। ब्लूमबर्ग एनर्जी पर दिए गए आज के ताजा रेट के अनुसार ब्रेंट क्रूड का रेट 86.83 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। जबकि, डब्ल्यूटीआई 83.53 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। दूसरी ओर पिछले कई महीनों से भारत में पेट्रोल-डीजल के रेट में बदलाव नहीं हुआ है। भारत ने उन निजी रिफाइनरों को रेग्युलेट करने के लिए कच्चे तेल उत्पादकों पेट्रोल, डीजल और विमानन ईंधन के निर्यात पर इस टैक्स को शुरू किया, जो मजबूत रिफाइनिंग मार्जिन से लाभ पाने के लिए भारत के बजाय विदेशों में फ्यूल बेचना चाहते थे। जुलाई 2022 में भारत सरकार ने कच्चे तेल उत्पादकों को टार्गेट करते हुए विंडफॉल टैक्स लगाया। इसके बाद, पेट्रोल, डीजल और एटीएफ के निर्यात को कवर करने के लिए इसका विस्तार किया गया।इसका उद्देश्य निजी रिफाइनरों को रेग्युलेट करना और उन्हें घरेलू बाजार सप्लाई को प्राथमिकता देने के बजाय विदेशों में इन ईंधनों को बेचकर ऊंची वैश्विक कीमतों पर पूंजी लगाने से रोकना है। बता दें वित्त मंत्रालय हर दो सप्ताह में विंडफॉल टैक्स की दर को समायोजित करता है।

778 करोड़ की गारंटी और 52,000 करोड़ का बकाया...

जयप्रकाश एसोसिएट्स कंपनी में डूबने वाला है बैंकों का पैसा!



नई दिल्ली, एजेंसी। दिवालिया हो चुकी इन्फ्रास्ट्रक्चर और रियल एस्टेट कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स को कर्ज देने वाले बैंकों को तगड़ा झटका लग सकता है। कंपनी के प्रमोटर्स की कुल बैंक गारंटी 778 करोड़ रुपये की है जबकि बैंकों का उस पर 52,000 करोड़ रुपये का बकाया है। यानी कंपनी की कुल गारंटी बकाये के दो फीसदी से भी कम है। साफ है कि कंपनी के प्रमोटर्स द्वारा दी गई व्यक्तिगत गारंटी उनकी देनदारियों को पूरा करने के लिए नाकाफी है। इस कंपनी के पास दिल्ली, आगरा, नोएडा और मसूरी में होटल हैं। साथ ही उसका सीमेंट और रियल एस्टेट का भी बिजनस है। बैंक उम्मीद कर रहे हैं कि इन्हें बेचकर कुछ बकाया वसूल किया जा सकता है। आईसीआईसीआई बैंक ने 2018 में कंपनी के खिलाफ याचिका दायर की थी जिसे पिछले महीने की शुरुआत में बैंकरप्सी कोर्ट ने स्वीकार किया गया था।जेएएल के चेयरमैन और प्रमोटर मनोज गौड़ ने 778 करोड़ रुपये की कुल गारंटी दी है। बैंकरों के मुताबिक गौड़ और वाइस चेयरमैन सुनील कुमार शर्मा द्वारा दी गई करीब 800 करोड़ रुपये की गारंटी का कोई खास महत्व नहीं रह गया है। करीब सात साल पहले 2017 में आरबीआई ने कंपनी को दिवालिया घोषित करने की सिफारिश की थी। एक बैंकर ने कहा कि व्यक्तिगत गारंटी बैंकों के लिए केवल एक सुविधा है। यह प्रमोटरों द्वारा दर्शाई गई एसेट्स पर निर्भर करती है, जो इस मामले में कई साल पहले की है। हम इस पर निर्भर नहीं हैं। कंपनी के होटल, सीमेंट या रियल एस्टेट एसेट्स में से कुछ अब भी काम कर रही हैं। बैंकों की उम्मीद है कि इन्हें बेचकर कुछ बकाया वसूल किया जा सकता है।

किस बैंक का है सबसे ज्यादा बकाया: अंतरिम समाधान पेशेवर भुवन मदान के दाखिल दस्तावेजों से पता चलता है कि जेएएल पर एसबीआई का सबसे ज्यादा 15,000 करोड़ रुपये का बकाया है। आईसीआईसीआई बैंक 9,204 करोड़ रुपये के साथ दूसरे स्थान पर है। कंपनी के जिन एसेट्स पर बैंकों का पहला चार्ज है उनमें आगरा, नोएडा, दिल्ली और मसूरी में होटल, चुर्कट, रेवत, साधवा खुर्द और चुनार में पांच सीमेंट प्लांट तथा नोएडा के करीब यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एरिया में जमीन शामिल है। एक दूसरे बैंकर ने कहा कि प्रमोटर्स द्वारा दी गई गारंटी एक प्रकार का बीमा है, क्योंकि व्यक्तिगत इनसॉल्वेंसी लागू करने के सिविल के साथ-साथ सामाजिक प्रभाव भी होते हैं।

अडानी को लगी 150 अरब डॉलर की चपत, हिंडनबर्ग रिसर्च को सेबी ने भेजा नोटिस



अमेरिका कंपनी ने इसके जवाब में लिखा ब्लॉग पोस्ट

सेबी पर लगाया धोखाधड़ी करने वालों का साथ देने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की शॉर्ट सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने पिछले साल जनवरी में अडानी ग्रुप के खिलाफ एक रिपोर्ट जारी की थी। इस पर काफी हंगामा हुआ था और अडानी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। एक समय ग्रुप का मार्केट कैप 150 अरब डॉलर तक गिर गया था। हालांकि उसके बाद ग्रुप के शेयरों ने काफी हद तक इस नुकसान की भरपाई कर ली है। अब सवाल उठता है कि हिंडनबर्ग रिसर्च को इससे कितनी कमाई हुई है। कंपनी ने खुद इसका खुलासा किया है। कंपनी का कहना है कि



अडानी सिक्योरिटीज की शॉर्टिंग से अपने क्लाइंट के जरिए 4.1 मिलियन डॉलर का रेवेन्यू मिला। लेकिन यह रकम रिसर्च में लगी उसकी राशि के बराबर भी नहीं है। हिंडनबर्ग ने मार्केट रेगुलेटर सेबी के कारण बताओ नोटिस के जवाब में एक ब्लॉग पोस्ट में यह बात कही। कंपनी ने कहा कि हमने इनवेस्टर रिलेशनशिप के जरिए अडानी शॉर्ट्स से 4.1 मिलियन डॉलर का रेवेन्यू अर्जित किया है। साथ ही कंपनी ने अडानी के अमेरिकी बांड को शॉर्ट करके भी 31,000 डॉलर कमाए। कंपनी का कहना है कि यह बहुत छोटी पोजीशन थी। लीगल और रिसर्च खर्चों को छोड़कर हम अडानी शॉर्ट पर भी ब्रेक-ईवन से आगे निकल सकते हैं। कंपनी ने इस रिपोर्ट का खंडन किया कि उसके पास 12-16 निवेशक साझेदार हैं जिन्होंने लाखों डॉलर कमाए हैं। हिंडनबर्ग ने कहा कि कारण बताओ नोटिस में बढ़ाचढ़ाकर बातें की गई है। अडानी थीसिस में केवल एक इनवेस्टर रिलेशनशिप थी।

अडानी-हिंडनबर्ग रिसर्च मामले में आया कोटक बैंक का नाम

अडानी-हिंडनबर्ग मामले में कोटक बैंक का नाम आया है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका की शॉर्ट-सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने सोमवार को कहा कि मार्केट रेगुलेटर सेबी ने उसे एक पत्र भेजा है। इसमें कहा गया है कि उसने पिछले साल अडानी ग्रुप के खिलाफ शॉर्ट बेट में नियमों का उल्लंघन किया था। हिंडनबर्ग ने यह भी कहा कि कोटक बैंक ने एक ऑफशोर फंड स्ट्रक्चर बनाया। इस स्ट्रक्चर का इस्तेमाल हिंडनबर्ग के इनवेस्टर पार्टनर ने अडानी ग्रुप के खिलाफ बेट लगाने के लिए किया। शॉर्ट-सेलर ने कहा कि उसने इनवेस्टर रिलेशनशिप के जरिए 41 लाख डॉलर का रेवेन्यू कमाया और अडानी के अमेरिकी बॉन्ड पर अपनी शॉर्ट पोजीशन से केवल 31,000 कमाए। कंपनी ने इनवेस्टर का नाम नहीं बताया। हिंडनबर्ग ने कहा कि सेबी का कारण बताओ नोटिस कंपनी को धमकाने का प्रयास है। सेबी का कहना है कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में तथ्यों को गलत ढंग से पेश किया गया और इसका मकसद लोगों को गुमराह करना था। हिंडनबर्ग ने कहा, हमें लगता है कि सेबी ने अपनी जिम्मेदारी को नजरअंदाज किया है। ऐसा लगता है वह प्रभावित निवेशकों के हितों को बचाने के बजाय धोखाधड़ी करने वालों को बचाने में लगा है। सेबी, अडानी एंटरप्राइजेज और कोटक ने इस मामले में तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। भारत में कड़े नियमों के कारण विदेशियों के स्थानीय कंपनियों के खिलाफ बेट लगाना मुश्किल है। लेकिन हिंडनबर्ग के खुलासे से उसका काम करने के तरीका भी उजागर हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंकाई राजनीतिज्ञ और तमिल नेता संपन्थन का निधन



कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में तमिल नागरिकों के लिए शांति, न्याय और सम्मान का जीवन सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास करने वाले उदारवादी तमिल नेता आर संपन्थन का रविवार रात निधन हो गया। तमिल नेशनल अलायंस ने घोषणा की कि 91 वर्षीय संपन्थन का अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। संपन्थन (91) ने 2004 से टीएनए का नेतृत्व किया और सिंहली बहुल देश में मुख्य विपक्षी नेता बनने वाले दूसरे तमिल बने। वह लंबे समय से बीमार होने के कारण संसद के मौजूदा सत्र में शामिल नहीं हो रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीलंकाई तमिल नेता के साथ अपनी मुलाकात की एक तस्वीर साझा करते हुए सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, टीएनए के अनुभवी नेता आर संपन्थन के परिवार और दोस्तों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। मोदी ने लिखा, उनके साथ हुई मुलाकातों की यादें हमेशा संजोकर रखूंगा। उन्होंने श्रीलंका के तमिल नागरिकों के लिए शांति, सुरक्षा, समानता, न्याय और सम्मान का जीवन सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किए। श्रीलंका और भारत में उनके दोस्त और समर्थक उन्हें बहुत याद करेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी संपन्थन की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है। जयशंकर ने एक्स पर कहा कि उन्होंने (संपन्थन) अपना पूरा जीवन श्रीलंका में तमिलों के लिए समानता, सम्मान और न्याय की लड़ाई के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा, श्रीलंकाई तमिल नेता आर संपन्थन के निधन के बारे में सुनकर गहरा दुख हुआ। संपन्थन 2015 में विपक्ष के नेता बने और 2019 तक एक नए संविधान का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल रहे। वह एक प्रतिभाशाली वकील थे। संपन्थन पहली बार 1977 में पूर्वी बंदरगाह जिले त्रिंकोमाली से निर्वाचित होकर संसद पहुंचे थे।

तूफान 'बेरिल ने दक्षिण-पूर्वी कैरेबियाई द्वीप में मचाई तबाही

वाशिंगटन, एजेंसी। तूफान 'बेरिल ने दक्षिण-पूर्वी कैरेबियाई द्वीप समूह में भारी तबाही मचाई और यह श्रेणी-पांच के रूप में मजबूत हो गया है। सोमवार को ग्रेनाडा के कैरियाकोउ द्वीप पर दस्तक देने के बाद 'बेरिल दक्षिण-पूर्वी कैरिबियाई क्षेत्र में पहुंचा जिसके असर से यहां के घरों के दरवाजे, खिड़कियां और छतें क्षतिग्रस्त हो गईं। यह कैरियाकोउ द्वीप में श्रेणी-चार के तूफान में पहुंचा था जो कि और मजबूत होता चला गया। सोमवार देर रात 'बेरिल की हवा की गति बढ़कर 160 मील प्रति घंटे (260 किलोमीटर प्रति घंटा) हो गई। आने वाले दिनों में इसकी गति में और बदलाव होने के आसार हैं। ग्रेनाडा के प्रधानमंत्री डिकॉन मिशेल ने सोमवार देर रात कहा कि तूफान के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई है और फिलहाल अधिकारी कैरियाकोउ तथा पेटिट मार्टिनिक द्वीपों पर स्थिति का आकलन करने में सक्षम नहीं हैं। शुरुआती खबरों में बड़े पैमाने पर नुकसान की बात सामने आई है और संचार व्यवस्था भी ठप्प है।

शिकागो में भारतीय-अमेरिकी डॉक्टर स्वास्थ्य देखभाल में धोखाधड़ी के आरोप में दोषी, हो सकती है 10 साल की सजा

शिकागो, एजेंसी। अमेरिका के शिकागो में 51 वर्षीय भारतीय अमेरिकी डॉक्टर को स्वास्थ्य देखभाल में धोखाधड़ी मामले में दोषी ठहराया गया है। दरअसल, उन पर मेडिकेड और बीमाकर्ताओं को फर्जी सेवाओं के झूठे बिल दिखाकर धोखाधड़ी करने का आरोप लगा था। डॉक्टर की पहचान मोना घोष के तौर पर की गई है। वह स्त्री रोग सेवाओं में विशेषज्ञता वाली प्रोग्रेसिव वूमेन हेल्थकेयर की मालिक हैं। उन्हें स्वास्थ्य देखभाल धोखाधड़ी के दो मामलों में दोषी ठहराया गया है। उन्हें प्रत्येक मामले में दस साल तक की सजा हो सकती है। अमेरिका के जिला जज फ्रैंकलिन यू वाल्डेरामा ने सजा के लिए 22 अक्तूबर की तारीख तय की है। आरोपी डॉक्टर ने स्वीकार किया कि वह धोखाधड़ी से प्राप्त 1.5 मिलियन डॉलर से अधिक धनराशि की भरपाई के लिए जवाबदेह थी। अभियोजक पक्ष ने आरोप लगाया कि डॉक्टर घोष धोखाधड़ी से प्राप्त कम से कम 2.4 मिलियन डॉलर की भरपाई के लिए जवाबदेह है। अंतिम राशि अदालत द्वारा सजा सुनाने के दौरान तय की जाएगी। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, 2018 से 2022 तक डॉक्टर घोष ने मेडिकेड, ट्राइकेयर और अन्य बीमाकर्ताओं के समक्ष ऐसे दावे पेश किए, जो चिकित्सकीय रूप से जरूरी नहीं थे। उन्होंने अपने कर्मचारियों से भी फर्जी दावे पेश करवाए। हालांकि, कुछ दावे रोगी की सहमति के बिना पेश किए गए थे। डॉक्टर घोष ने स्वीकार किया कि उन्होंने फर्जी दावों का समर्थन करने के लिए झूठे रोगी चिकित्सा रिकॉर्ड भी तैयार किया था।

समुद्र में तैरती बोतल में मिली सामग्री पीने से पांच श्रीलंकाई मछुआरों की मौत

कोलंबो, एजेंसी। नौसेना के प्रवक्ता कैप्टन गयान विक्रमसूर्या ने बताया कि शनिवार को समुद्र में तैरती बोतल में मिली सामग्री पीने वाले पांच श्रीलंकाई मछुआरों की रविवार दोपहर मौत हो गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि वे सभी तांगले फिशरीज हार्बर से समुद्र में गए थे। उन्होंने बताया कि मछुआरों को यह बोतल तट से करीब 320 समुद्री मील दूर मिली थी। उन्होंने उसमें मौजूद सामग्री पी ली। माना जा रहा है कि वह शराब थी। विक्रमसूर्या ने बताया कि एक की हालत गंभीर है। उसका उपचार किया जा रहा है।

रिपोर्ट में खौफनाक खुलासा- जिंदा उइगर मुस्लिमों के अंग निकाल कर बेच रहा चीन

बीजिंग, एजेंसी। एक रिपोर्ट में चीन की काली करतूतों का खौफनाक खुलासा किया गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया कि चीन अंग प्रत्यारोपण की उच्च मांग को पूरा करने के लिए अपने मुस्लिम उइगर नागरिकों के अंग निकाल कर बेच रहा है। जानकारी के अनुसार चीन पर लंबे समय से अपने अल्पसंख्यकों से अंग निकालने का आरोप लगाया जाता रहा है क्योंकि यह अवैध रूप से दुनिया के सबसे बड़े अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रमों में से एक चलाता है। इन अंगों का आधिकारिक स्रोत मृत्युदंड की सजा पाए कैदी रहे हैं, लेकिन पृष्ठभूमि में अवैध रूप से एक बड़ा हिस्सा उन लोगों से आता है जो अपनी राजनीतिक या धार्मिक मान्यताओं के आधार पर जेल में बंद हैं। इनमें मुख्य रूप से झिंजियांग के उइगर मुसलमान और चीन के स्थानीय धार्मिक संप्रदाय फालुन गोंग का अभ्यास करने वाले लोग शामिल हैं।



बहाने से लिया जाता उइगरों से डाटा : कई मानवाधिकार निगरानी समूहों ने अतीत में चीन पर उइगरों और फालुन गोंग अभ्यासियों के खिलाफ भयानक अपराधों का आरोप लगाया है और जबरन अंग निकालना उनमें से एक है। मार्च 2024 में, एक अमेरिकी कांग्रेस समिति की बैठक के दौरान, एक रिपोर्ट पेश की गई जिसमें दावा किया गया कि चीन खाड़ी देशों के मूल निवासी मुस्लिम चिकित्सा पर्यटकों से आने वाले अंग प्रत्यारोपण की उच्च मांग को पूरा करने के लिए अपने मुस्लिम उइगर नागरिकों से आनुवंशिक जानकारी एकत्र कर रहा है। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना द्वारा किए गए अत्याचारों के मद्देनजर, संयुक्त राज्य अमेरिका ने 27 मार्च, 2023 को अमेरिकी सीनेट में पारित एच.आर. 1154 बिल के तहत स्टॉप फोर्स्ड ऑर्गन हार्वेस्टिंग एक्ट पेश किया था।

विदेशी मांग को पूरा करने के लिए फास्ट-ट्रैक मानव अंग लेन बनाए : 2019 में, मानवीय साक्ष्यों के आधार पर स्थिति की जांच करने के लिए एक पीपुल्स चाइना ट्रिब्यूनल की स्थापना की गई और यह पता चला कि उच्च विदेशी मांग को पूरा करने के लिए झिंजियांग के काशगर हवाई अड्डे पर विशेष फास्ट-ट्रैक मानव अंग लेन बनाए गए थे, और उइगर लक्षित थे। बाद में, उइगरों से जबरन अंग निकालने के बारे में चाइना ट्रिब्यूनल की रिपोर्ट को विभिन्न प्रेस और मीडिया चैनलों में बताया गया। तियानजिन में कोरियाई अंग पर्यटन की जांच करते समय, यह पता चला कि सऊदी देशों ने अपने अंग प्राप्तकर्ताओं के लिए अंगों के मिलान के लिए धन मुहैया कराया था और चीन ने इसे पूंजी प्रवाह का एक बड़ा स्रोत बना दिया था।

अमेरिकी सीनेट द्वारा कार्रवाई का इंतजार : इस अधिनियम का उद्देश्य राजनीतिक कैदियों, फालुन गोंग चिकित्सकों और मुस्लिम उइगर नागरिकों को जबरन अंग कटाई के व्यापार से समर्थन और सुरक्षा प्रदान करना है। एच.आर. 1154 बिल सदन में 413 से 2 मतों से संतोषजनक रूप से पारित हो गया और चीन में जबरन अंग कटाई के खिलाफ अमेरिकी सीनेट द्वारा कार्रवाई का इंतजार कर रहा है। यह अध्यास में शामिल व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ प्रतिबंधों को अधिकृत करता है, जिसमें अंग प्रत्यारोपण सर्जरी उपकरणों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाना और अंग प्रत्यारोपण सर्जनों के प्रशिक्षण को रोकना शामिल है। चीन में 1990 के दशक से चिकित्सा पर्यटन के नाम पर फल-फूल रहा अंग व्यापारवप्रचलित है। यह जानकर आश्चर्य होता है कि चीन में अंग प्रत्यारोपण के लिए प्रतीक्षा समय दुनिया के अन्य हिस्सों की तुलना में अपेक्षाकृत कम है। चीन में अंग प्रत्यारोपण के लिए मरीज को अधिकतम दो महीने तक इंतजार करना पड़ता है, जबकि अमेरिका और कनाडा जैसे अन्य प्रमुख स्थापित देशों में प्रतीक्षा अवधि 2 से 4 साल तक हो सकती है।

परेशान करने वाला तथ्य यह भी : एक और परेशान करने वाला तथ्य यह है कि चीन में अंगों के स्रोत की बात करें तो इसमें बहुत बड़ी विसंगति है। 2005 में अमेरिकी कांग्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, चीन में 95प्रतिशत तक अंग प्रत्यारोपण कैदियों से किए गए थे, लेकिन किए गए प्रत्यारोपणों की संख्या कभी भी इस आंकड़े को सही नहीं ठहराती। 2006 में, एमनेस्टी इंटरनेशनल ने चीन में 1,770 लोगों को फांसी दिए जाने की रिपोर्ट की और उच्चतम आंकड़ा 8,000 के करीब था, जिसमें से कुछ मामलों को कैदियों में प्रचलित बीमारियों के कारण खारिज कर दिया गया था। फिर भी सवाल उठता है कि चीन उन दिनों अंगों की उच्च मांग को कैसे पूरा कर पाया। 2016 में, झिंजियांग में हर उइगर को मेडिकल चेकअप के बहाने चीनी अधिकारियों के निर्देशानुसार आईरिस स्कैन, ब्लड टाइपिंग, फिंगरप्रिंटिंग और डीएनए जमा करने के लिए कहा गया था।

मुझे पता है, सच कैसे बोलना है, बाइडन का पीछे हटने से इनकार, नए विज्ञापन से ट्रंप पर बोला हमला



वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन बीते हफ्ते अटलांटा में हुई राष्ट्रपति चुनाव की बहस में ट्रंप के सामने कमजोर दिखाई दिए थे, जिसके बाद उनकी उम्मीदवारी पर ही सवाल उठने शुरू हो गए थे, लेकिन लगता है कि बाइडन पीछे हटने के लिए तैयार नहीं हैं। दरअसल बाइडन की प्रचार टीम ने एक विज्ञापन वीडियो तैयार किया है, जिसमें बाइडन ने ट्रंप पर तीखा हमला बोला है और एक तरह से बहस में हुए नुकसान की भरपाई करने की कोशिश की है। नए प्रचार वीडियो को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए जो बाइडन ने कैप्शन में लिखा कि साथियों, मैं जानता हूं कि मैं युवा नहीं हूं, लेकिन मुझे पता है कि जिम्मेदारी कैसे निभानी है। मुझे पता है कि सच कैसे बोलना है, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ये नहीं जानते। इस प्रचार वीडियो में अटलांटा में हुई बाइडन और ट्रंप की बहस पर ही फोकस किया गया है। वीडियो में बाइडन कहते सुने जा सकते हैं कि आपने पिछली बहस देखी, उस बहस में ट्रंप ने अधिकतर बातें झूठ बोलीं थी, जिसमें उन्होंने अमेरिकी अर्थव्यवस्था को बेहतर करने और कोरोना महामारी से सही तरीके से निपटने का दावा किया था, जो कि एक झूठ था। बाइडन ने कहा कि सबसे बड़ा झूठ जो उन्होंने बोला कि उनका कैपिटल हिल दंगे में कोई हाथ नहीं था। गौरतलब है कि इस प्रचार वीडियो में ट्रंप का एक पुराना फुटेज दिखाया गया, जिसमें वह प्रदर्शनकारियों को कैपिटल हिल की तरफ मार्च करने और उकसाने की कोशिश कर रहे हैं। बाइडन ने कहा कि पुलिस पर हमला किया गया, संसद में तोड़फोड़ की गई, लेकिन ट्रंप ने इसे रोकने के लिए कुछ भी नहीं किया।

हमास ने जारी किया विस्फोटक तैयार करते सदस्यों का वीडियो

गाजा, एजेंसी। इस्लामिक रेजिस्टेंस मूवमेंट (हमास) की सशस्त्र शाखा अल-कस्साम ब्रिगेड ने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें उसके सदस्य गाजा पट्टी के शहरों में घुसने वाले इजरायली सैन्य वाहनों के खिलाफ इस्तेमाल के लिए विस्फोटक डिवाइस तैयार करते दिख रहे हैं। चालीस सेकंड के इस वीडियो में समूह के सदस्य डिवाइस को पेंट करते और उन्हें पोर्टेबल बैग में रखते हुए दिख रहे हैं। ये बैग काले कपड़े से ढके हुए हैं जिस पर लिखा है-जो मेरी मौत चाहता है, वह मृगतृष्णा ... और (ऑपरेशन) अल-अक्सा फ्लड का पीछा कर रहा है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने रविवार को बताया कि अल-क़स्साम ने पिछले अक्टूबर से गाजा में इजरायली सेना के साथ चल रहे युद्ध के दौरान पहली बार फिदायीन ऑपरेशन डिवाइस के इस्तेमाल की घोषणा की है। वीडियो जारी होने से पहले अल-क़स्साम और इस्लामिक जिहाद आंदोलन की सैन्य शाखा अल-कुद्स ब्रिगेड ने रविवार को पूर्वी गाजा शहर के शुजैया मोहल्ले और शहर के दक्षिण में ताल अल-हवा मोहल्ले में इजरायली वाहनों और सैनिकों को निशाना बनाने का दावा किया था। अल-क़स्साम ने एक बयान में कहा कि उसके सदस्यों ने ताल अल-हवा के दक्षिण में यासिन 105 रॉकेट से एक इजरायली नामर एपीसी (सैनिकों को ले जाने वाले बख्तरबंद वाहन) को नष्ट कर दिया, जिसमें उसके चालक दल के सदस्य हताहत हुए हैं।

केन्या में हिंसक हुआ कर व्यवस्था के खिलाफ आंदोलन, विरोध प्रदर्शन में 39 लोगों की मौत

नैरोबी, एजेंसी। केन्या में नई कर वृद्धि के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन हो रहा है। अबतक इस हिंसा में कम से कम 39 लोगों की मौत हो गई है। एक मीडिया रिपोर्ट में राष्ट्रीय अधिकारों की निगरानी का हवाला देते हुए बताया कि प्रदर्शनकारियों ने केन्या में इस सप्ताह एक नए दौर के विरोध प्रदर्शन के लिए कमर कस ली है। केन्या नेशनल कमीशन ऑन ह्यूमन राइट्स (केएनसीएचआर) के रिकॉर्ड के मुताबिक केन्या में देशव्यापी कर कानून के विरोध प्रदर्शनों के संबंध में 39 लोग मारे गए हैं और 361 घायल हुए हैं। इसके अलावा जबरन गायब होने के 32 मामले दर्ज हुए हैं। वहीं 627 प्रदर्शनकारियों की इसमें गिरफ्तारियां भी हुई हैं।

किस कारण मचा बवाल : बता दें कि केन्या में सरकार द्वारा नए टैक्स लगाने से जनता काफी गुस्से में है। यहां मई में केन्या फाइनेंस विधेयक 2024 पेश किया गया, जिसमें ब्रेड, कैंसर ट्रीटमेंट, कुकिंग ऑयल, बच्चों का डायपर से सैनेटरी पैड, मोटर वाहन, सोलर उपकरण से लेकर डिजिटल सर्विस से जुड़े प्रोडक्ट्स पर भारी-भरकम टैक्स लगाने का प्रस्ताव है। इसमें ब्रेड पर 16 फीसदी सेल्स टैक्स, कुकिंग ऑयल पर 25 फीसदी टैक्स, मोटर व्हीकल पर 2.5 फीसदी वैट और इंपोर्ट ड्यूटी को तीन फीसदी का प्रस्ताव है।

आक्रोशित भीड़ ने संसद में लगाई आग : वहीं इस विधेयक पर केन्या के संसद में मौजूद सभी सांसदों ने इसका समर्थन किया है। उनका मानना है कि यह सरकारी कामों को पूरा करने के लिए जरूरी है। रेवेन्यू बढ़ाने पर होने वाली कमाई के जरिए सरकार देश में सड़कों का निर्माण, स्कूलों में टीचर्स को हायर कर सकेगी। वहीं किसानों को फर्टिलाइजर के लिए सब्सिडी मिल जाएगी। इससे देश पर कर्ज कम हो जाएगा। उसके बाद इस विधेयक को लेकर संसद में वोटिंग हुई, जिसमें करीब 195 में से 106 सांसदों ने इसके पक्ष में वोट किया, जिसके बाद पूरे इलाके में प्रदर्शन शुरू हो गया। इस समय सदन के अंदर सांसद विधेयक पर चर्चा कर रहे थे, उसी समय आक्रोशित भीड़ ने संसद में आग लगा दी। इसके बाद सांसदों को संसद भवन से सुरक्षित निकाला गया।



पुलिस ने आंसू गैस और गोलियां चलाईं : केन्या की संसद में हजारों लोगों के घुसने और उसके एक हिस्से में आग लगाने के बाद पुलिस ने आंसू गैस और गोलियां चलाईं। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने मंगलवार को हिंसा और अराजकता के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की बात कही है। केन्या में हो रहे इस विरोध प्रदर्शन से वहां के मौजूदा राष्ट्रपति विलियम रूटो की सरकार के सामने ये सबसे गंभीर संकट है क्योंकि उन्होंने सितंबर 2022 में एक ऐसे देश में गहरे विभाजनकारी चुनाव के बाद पदभार संभाला था, जिसे अक्सर अशांत क्षेत्र में स्थिरता का प्रतीक माना जाता है।

महंगाई से जूझ रहे पाकिस्तानियों ने ईंधन की कीमत बढ़ाने पर की सरकार की आलोचना

इस्लामाबाद, एजेंसी। महंगाई से जूझ रहे पाकिस्तानियों को एक और झटका लगा है। सरकार ने पेट्रोल की कीमत 9.56 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दी है। सरकार के इस फैसले की देश भर में कड़ी आलोचना की जा रही है। शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार का कहना है कि दुनिया भर में ईंधन की कीमतों में वृद्धि होने कें चलते सरकार ने यहां भी कीमतें बढ़ाने का फैसला किया है।

वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, हाई स्पीड डीजल (एचएसडी) की कीमत में भी 9.56 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। ताजा वृद्धि के बाद नई कीमतें अब 265.61 रुपये (प्रति लीटर पेट्रोल) और 277.49 रुपये (प्रति लीटर एचएसडी) हो गई हैं। इस्लामाबाद निवासी एक शख्स ने कहा कि यह सरकार केवल अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) को खुश करने के लिए काम कर रही है। इसे नागरिकों की पीड़ा की परवाह नहीं है।

पेट्रोल पंप पर खड़े एक व्यक्ति ने कहा कि मैं बीआईकेईए (पाकिस्तान में परिवहन सेवाएं प्रदान करने वाली एक स्थानीय कंपनी) का एक राइडर हूं। ईंधन की कीमतों में वृद्धि ने मुझे बुरी तरह प्रभावित किया है, क्योंकि हम अपनी सवारी की दरें नहीं बढ़ा सकते हैं और हमें अपनी जेब से ईंधन की कीमतों में वृद्धि का खर्च उठाना पड़ेगा। उसने कहा कि यह सरकार हमारे दर्द को महसूस नहीं कर सकती है, यह हमारी पीड़ाओं को नहीं समझती, इसे हमारे मरने जीने की परवाह नहीं है। यह केवल आईएमएफ को खुश करना और अपने नागरिकों का जीवन कठिन बनाना चाहती है। सरकार पहले से ही बिजली के भारी दरों के चलते लोगों के विरोध का सामना कर रही है। लोगों ने बुनियादी जरूरतों की वस्तुओं की कीमतों के आसमान छूने पर सरकार की कड़ी आलोचना की है। विशेषज्ञों को डर है कि अगर सरकार पेट्रोल और एचएसडी पर शुल्क बढ़ाने का फैसला करती है, तो आने वाले दिनों में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में और वृद्धि हो सकती है।



इजरायल-फिलीस्तीन जंग निर्णायक मोड़ पर: नेतन्याहू के रक्षा मंत्री बोले- 9 माह में हमास की 20 बटालियनें की तबाह

गाजा, एजेंसी। इजरायली सेना आईडीएफ ने 9 महीनों के भीतर गाजा और फिर राफा को श्मशान बना दिया है। अब इजरायल और हमास के बीच जंग निर्णायक मोड़ पर आ चुकी है। इस दौरान हजारों निर्दोषों की जान चली गई। इस बीच बेंजामिन नेतन्याहू सरकार में रक्षा मंत्री योआव गैलांट ने दावा किया है कि आईडीएफ हमास की 24 में से 20 बटालियन मिट्टी में मिला चुकी है। अब सिर्फ चार बची हैं और कुछ दिनों में वो भी नहीं रहेंगी। उन्होंने कहा कि हमास के आतंकी अब हमारी सेना के आगे नहीं टिक पा रहे हैं। उनकी हथियारों की आपूर्ति बंद हो गई है और वो धीरे-धीरे मर रहे हैं। टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा मंत्री योआव गैलांट की यह टिप्पणी फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह के साथ युद्ध के नौ महीने बाद आई है। उन्होंने कहा कि जिन इलाकों में हमारे सैनिक हमास के खिलाफ संघर्ष कर रहे थे, वहां बढ़त हासिल कर ली है। उधर, इजरायली अधिकारियों का कहना है कि आईडीएफ ने गाजा पट्टी में हमास की चार बटालियनों को छोड़कर बाकी सभी को हरा दिया है। अब सिर्फ राफा में दो और मध्य गाजा में दो बची हैं। राफा पर हमले को लेकर बात करते हुए गैलांट ने कहा कि आईडीएफ ने मिस्र के साथ लगती राफा सीमा पर कब्जा कर लिया है और सीमा पर 25 तस्करी सुरंगों का पता लगाया है। इन सुरंगों को नष्ट कर दिया गया है या उन पर हमारा कब्जा हो चुका है। ये वे सुरंगे बताई जा रही हैं जहां हमास को उनके समर्थकों द्वारा हथियारों की आपूर्ति की जा रही थी। गैलांट का दावा है कि हथियार न मिलने से हमास के लड़ाके युद्ध में टिक नहीं पा रहे हैं और लड़ाई में लगातार मारे जा रहे हैं। उन्होंने सैनिकों से अपने संदेश में कहा, राफा में लड़ाई बहुत महत्वपूर्ण है। हम वास्तव में हमास को खत्म करने के करीब हैं। युद्ध का परिणाम यह निकल रहा है कि उनके पास खुद को हथियारबंद करने का कोई तरीका नहीं बचा है। हमने उनकी सुरंगों को खोज निकाला है और कब्जा कर लिया है। अब उनके पास हमारे आगे घुटने टेकने या मारे जाने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है। उनके पास अपने हताहतों की देखभाल करने का कोई साधन नहीं है और हम इसे युद्ध में अपने लिए अच्छा संकेत मान रहे हैं। गैलेंट ने आगे कहा, हमास के आतंकियों में अब लड़ने की भावना टूट चुकी है और समय इजरायल के साथ है।



एक बार फिर डोनाल्ड ट्रंप के बचाव में आए एलन मस्क, उपराष्ट्रपति हैरिस पर भड़के, कहा- कब राजनेता समझेंगे...

वॉशिंगटन, एजेंसी। टेस्ला सीईओ एलन मस्क एक बार फिर चर्चाओं में आ गए हैं। उन्होंने सोमवार को गर्भपात प्रतिबंध पर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख के बारे में झूठ बोलने के लिए उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की आलोचना की।

क्या कहा था हैरिस ने : हैरिस ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा था, डोनाल्ड ट्रंप देश में गर्भपात पर प्रतिबंध लगाएंगे। उन्हें रोकने और महिलाओं की प्रजनन स्वतंत्रता को बहाल करने के लिए मैं और राष्ट्रपति जो बाइडन पूरी ताकत लगा देंगे।

इस दिन होने हैं चुनाव : बता दें, अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। ऐसे में सभी राजनीतिक दल अपने प्रचार प्रसार में लगे हुए हैं। यहां राष्ट्रपति पद के लिए दो नेताओं जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ा मुकाबला है। दोनों ही प्रतिद्वंद्वी एक दूसरे पर हमलावर हैं। हालांकि, उपराष्ट्रपति द्वारा साझा किए गए पोस्ट के साथ कुछ खबरों की लिंक भी थी। लिखा था कि ट्रंप ने बार-बार कहा है कि वह गर्भपात प्रतिबंध पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे।

मस्क का हमला : इसी पर पलटवार करते हुए मस्क ने हैरिस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, राजनेता या कम से कम इंटर्न जो एक्स का इस्तेमाल करते हैं, कब सीखेंगे कि इस मंच पर झूठ बोलना अब काम नहीं करता है? इतना ही नहीं गुस्साए मस्क ने हैरिस की पोस्ट पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने पिछले हफ्ते बाइडन के साथ हुई अमेरिकी राष्ट्रपति की बहस में स्पष्ट रूप से कहा है कि वह ऐसा नहीं करेंगे। अमेरिका में गर्भपात पर प्रतिबंध का विषय डेमोक्रेट बाइडन और उनके रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी ट्रंप के बीच राष्ट्रपति चुनाव प्रचार में प्रमुखता से उभरा है।



क्या है सुप्रीम कोर्ट का 2022 का फैसला : सुप्रीम कोर्ट के जून 2022 के रो बनाम वेड के फैसले बाद इडाहो में गर्भपात को कानून द्वारा अपराध घोषित कर दिया गया था। कानून के मुताबिक, राज्य में गर्भपात करने वाले को दो से पांच साल तक की कैद हो सकती है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात को कानूनी तौर पर मंजूरी देने वाले पांच दशक पुराने ऐतिहासिक रो बनाम वेड फैसले को जून 2022 में पलट दिया था। इसका मतलब था कि अमेरिकी महिलाओं के लिए गर्भपात के हक का कानूनी दर्जा खत्म हो जाएगा। हालांकि राहत की बात यह है कि अमेरिका के सभी राज्य गर्भपात को लेकर अपने-अपने अलग नियम बना सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा था कि संविधान गर्भपात का अधिकार प्रदान नहीं करता है। उन्होंने यह भी बताया था कि गर्भपात को विनियमित करने का अधिकार लोगों और उनके चुने हुए प्रतिनिधियों को वापस कर दिया गया है। बहुमत से लिए गए फैसले को सुनाते हुए न्यायमूर्ति सैमुअल अलिटो ने कहा था कि गर्भपात एक गहरा नैतिक मुद्दा प्रस्तुत करता है, जिस पर अमेरिकी तीव्र परस्पर विरोधी विचार रखते हैं। संविधान प्रत्येक राज्य के नागरिकों को गर्भपात को विनियमित करने या प्रतिबंधित करने से प्रतिबंधित नहीं करता है।

भारत में नहीं, इस देश में होगा विश्व चैंपियनशिप का मुकाबला, लिरेन का सामना करेंगे गुकेश



नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश का विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2024 में विश्व चैंपियन डिंग लिरेन से सामना अपने घर में नहीं हो सकेगा। सिंगापुर ने इसकी मेजबानी के अधिकार जीत लिए हैं जिससे भारत की इसका आयोजन करने की उम्मीदों को झटका लगा है। फिडे ने सोमवार को विश्व चैंपियनशिप मुकाबले की मेजबानी सिंगापुर को सौंपने की घोषणा की। इसके मायने हैं कि गुकेश दिल्ली या चेन्नई में यह मुकाबला नहीं खेल सकेंगे चूंकि भारत के ये दोनों शहर सिंगापुर से पिछड़ गए। तमिलनाडु सरकार और अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने शतरंज की वैश्विक संस्था फिडे को मेजबानी के लिए अलग-अलग बोली सौंपी थी। यह मुकाबला 20 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच होगा। फिडे ने कहा, सिंगापुर सरकार से समर्थन के साथ सिंगापुर शतरंज महासंघ ने फिडे विश्व चैंपियनशिप मैच 2024 की मेजबानी हासिल की है। सभी दावेदारों की समीक्षा, आयोजन स्थलों, सुविधाओं, कार्यक्रम और मौकों की समीक्षा के बाद अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ ने सिंगापुर को चुना है। फिडे अध्यक्ष अकार्डी ड्वोरकोविच ने कहा, हमें खुशी है कि फिडे के इतिहास में पहली बार, विश्व चैंपियनशिप का मैच सिंगापुर में होगा। सिंगापुर न केवल सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक पर्यटन और व्यापार केंद्रों में से एक है, बल्कि यह एक संपन्न शतरंज केंद्र भी है जहां कई प्रतिभाएं हैं। मैं दिल्ली और चेन्नई को भी धन्यवाद देना चाहूंगा जो मेजबानी हासिल करने की दौड़ में थे और इन्होंने बोली लगाई थी।भारत के 17 वर्षीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने टोरंटो में अप्रैल में खेले गए कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया था। इसके साथ ही वह 40 साल पहले महान गैरी कास्पारोव द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ते हुए विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के चैलेंजर बन गए थे। गुकेश कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने थे। कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट विश्व चैंपियन के लिए चुनौती तय करने के लिए आयोजित किया जाता है और इस तरह गुकेश का लिरेन से मुकाबला तय हुआ था।

पेरिस ओलंपिक से ठीक पहले नीरज चोपड़ा ने लिया बड़ा फैसला



नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक और विश्व चैंपियन भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पोरिस ओलंपिक से पहले एक बड़ा फैसला लिया है। हाल में पावो नूरमी खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले और पेरिस खेलों में भारत की सबसे बड़ी पदक उम्मीद नीरज रविवार को होने वाले पेरिस डायमंड लीग में हिस्सा नहीं लेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, नीरज ने जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी में असहजता के कारण इन खेलों से बाहर रहने का निर्णय लिया है। टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पिछले महीने पावो नूरमी खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की थी। नीरज ने ओलंपिक से पहले हुए इन खेलों में 85.97 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे थे। नीरज इस टूर्नामेंट में पहले पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने तीसरे प्रयास में शानदार वापसी की थी और अंत तक अपनी बढ़त को कायम रखने में सफल रहे थे। नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह ट्रेनिंग और थ्रो करते समय ब्लॉकिंग करने वाले अपने पैर को मजबूत बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

विराट कोहली ने दिया पीएम मोदी को धन्यवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद कहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कोहली की तारीफ की थी, जिसके बाद विराट ने प्रतिक्रिया के तौर पर उनका शुक्रिया अदा किया है। विराट कोहली ने हाल ही में टी20 विश्व कप फाइनल जीतने के बाद इस प्रारूप से अपने संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा था- प्रिय विराट कोहली, आपसे बात करके अच्छा लगा। आपने फाइनल मैच में अपनी पारी की तरह भारतीय बल्लेबाजी को भी शानदार ढंग से एंकर किया है। ऐसा आपने क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में किया है। टी20 क्रिकेट आपको मिस करेगा, लेकिन मुझे भरोसा है कि आप खिलाड़ियों की नई पीढ़ी को प्रेरणा देते रहेंगे। इसकी प्रतिक्रिया में विराट कोहली ने पीएम का धन्यवाद करते हुए लिखा कि प्रिय नरेंद्र मोदी सर, आपके शब्दों व सपोर्ट के लिए आपका बहुत धन्यवाद और आपने हमेशा उत्साह बढ़ाया है। इस टीम का हिस्सा होना गौरव की बात रही है जिसने विश्व कप ट्रॉफी को घर लाने का काम किया है। इस वजह से देश को जो खुशी मिली है, उसके चलते हम बहुत प्रभावित और अभिभूत हैं। टी20 विश्व कप फाइनल मुकाबले में विराट कोहली ने ओपनिंग में आकर 59 गेंदों पर 76 रनों की पारी खेली थी। भारत ने इस पारी के दम पर 176 रन बनाए थे, जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 169 रन ही बना सकी थी। विराट कोहली के अलावा कप्तान रोहित शर्मा और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भी टी20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट से अपने संन्यास की घोषणा कर चुके हैं।



प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर कोहली की तारीफ की थी

पुर्तगाल ने पेनल्टी शूटआउट में स्लोवेनिया को हराकर यूरो कप के क्वार्टर फाइनल में मारी एंट्री



फ्रैंकफर्ट, एजेंसी। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने यूरो 2024 के राउंड ऑफ 16 में पेनल्टी शूटआउट में स्लोवेनिया को हराकर पुर्तगाल को यूरो 2024 के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया। पुर्तगाल ने सोमवार को यूरो 2024 में पेनल्टी शूटआउट से स्लोवेनिया को 3-0 से हराया। यह एक रोमांचक मुकाबला रहा।

इस मुकाबले में निर्धारित समय में दोनों टीम गोल नहीं कर पाई, इसके बाद एक्स्ट्रा टाइम में भी स्कोर 0-0 रहा। हालांकि, रोनाल्डो के पास एक बड़ा मौका था लेकिन वो पेनल्टी चूक गए। इसके बाद यह स्टार खिलाड़ी काफी निराश नजर आया। लेकिन शूटआउट में उन्होंने पहला पेनल्टी स्कोर कर टीम को मजबूत शुरुआत दी। वहीं, पुर्तगाल के गोलकीपर डिएगो कोस्टा ने लगातार तीन गोल बचाए, जिससे पुर्तगाल ने स्लोवेनिया पर 3-0 से जीत हासिल की और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। पुर्तगाल का सामना अगले दौर में टूर्नामेंट की पसंदीदा टीम फ्रांस से होगा, जिसने सोमवार को बेल्जियम को 1-0 से हराया था। कोस्टा, इस रोमांचक मुकाबले में पुर्तगाल के लिए हीरो रहे। उन्होंने जोसिप इलिसिक, जुरे बाल्कोवेक और बेंजामिन वर्बिक की लगातार तीन पेनल्टी शॉट बचाई। इस बीच, उनके साथी रोनाल्डो, ब्रूनो फर्नांडीस और बर्नार्डो सिल्वा ने पेनल्टी को गोल में बदला, जिससे पुर्तगाल की 3-0 से जीत सुनिश्चित हुई और क्वार्टर फाइनल में जगह बनी। 24 वर्षीय कोस्टा ने मैच के बाद कहा, यह मेरे करियर का अब तक का सबसे अच्छा मैच हो सकता है। मैंने मैदान पर अपना बेस्ट दिया है। मैंने पेनल्टी शूटआउट के दौरान खुद पर भरोसा रखा। रिपोर्ट के अनुसार, पेनल्टी शूटआउट में अपने शानदार प्रदर्शन के अलावा, कोस्टा ने एक्स्ट्रा टाइम के अंतिम चरण में एक महत्वपूर्ण बचाव किया था। पुर्तगाल के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने कोस्टा की प्रशंसा करते हुए कहा, कोस्टा हमारा सीक्रेट हथियार है। उसने इस रोमांचक मुकाबले में अपनी ताकत दिखाई। कोस्टा के शानदार प्रदर्शन से पहले, कप्तान रोनाल्डो के पास विजयी गोल करने का मौका था, लेकिन स्लोवेनियाई गोलकीपर ने उनके पेनल्टी को बचा लिया। पेनल्टी चूकने के बाद, भावुक रोनाल्डो को टीम के साथियों और कोचिंग स्टाफ ने सांत्वना दी। जबकि पुर्तगाली प्रशंसकों ने 39 वर्षीय अनुभवी खिलाड़ी का समर्थन करने के लिए ÷विवा रोनाल्डो का नारा लगाया। रोनाल्डो ने मैच के बाद के कहा, ÷इस मैच ने मुझे दुखी होने के साथ खुश होने का मौका भी दिया। यह फुटबॉल है। आप इसे समझ नहीं सकते, मेरे पास मैच को तय करने का मौका था, लेकिन मैं चूक गया इसलिए मैं काफी भावुक हो गया था। हालांकि, अपने आंसू पोंछते हुए रोनाल्डो ने खेलना जारी रखा और पेनल्टी शूटआउट में पहले स्थान पर आकर भरपूर आत्मविश्वास के साथ पेनल्टी को गोल में तब्दील किया। मार्टिनेज ने रोनाल्डो के बारे में कहा, रोनाल्डो एक्स्ट्रा टाइम में पेनल्टी चूक गए, लेकिन शूटआउट में वे सबसे पहले आए और हमें जीत की ओर ले गए। यह ड्रेसिंग रूम से लेकर मैदान तक पूरी टीम की जीत थी। रोनाल्डो हमारे लीडर हैं, और वे हमें मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह दिखाते हैं कि सबसे कठिन समय में भी हमें कभी हार नहीं माननी चाहिए।

कार्लोस अल्काराज ने जीत के साथ की शुरुआत, मेदवेदेव भी अगले दौर में पहुंचने में सफल रहे

लंदन, एजेंसी। स्पेन के गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन की शानदार शुरुआत की। अल्काराज ने पहले दौर में क्वालिफायर मार्क लाजल को सीधे सेटों में 7-6 (3), 7-5, 6-2 से हराया और अगले दौर में प्रवेश करने में सफल रहे। विश्व रैंकिंग में 269 वें स्थान पर काबिज खिलाड़ी लाजल ने हालांकि शुरुआती दो सेट में स्पेन के खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी। तीन सप्ताह पहले फ्रेंच ओपन में अपनी तीसरी बड़ी चैंपियनशिप जीतने वाले अल्काराज ने पिछले साल विंबलडन फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराया था।

पुरुष सिंगल्स वर्ग के अन्य मैचों में पांचवीं वरीयता प्राप्त डेनियल मेदवेदेव ने अलेक्जेंडर कोवासिक को 6-3, 6-4, 6-2 से और आठवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड ने एलेक्स बोल्ट को 7-6 (2), 6-4, 6-4 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। गैर वरीयता प्राप्त कनाडा के डेनिस शापोवालोव ने 19वें नंबर के खिलाड़ी निकोलस जैरी को 6-1, 7-5, 6-4 से हराया।मारिया सक्कारी ने महिला सिंगल्स के अपने शुरुआती मुकाबले में मेकार्टनी केसलर 6-3, 6-1 से आसानी से शिकस्त दी। पिछले महीने फ्रेंच ओपन की उपविजेता रहीं सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मिन पाओलिनी अपने चौथे प्रयास में पहली बार विंबलडन के पहले दौर की बाधा को पार करने में सफल रहीं। इटली की इस खिलाड़ी ने सारा सोरिब्स टोर्मो को 7-5, 6-3 से हराया। तीसरी वरीयता प्राप्त अरिना सबालेंका कंधे में चोट के कारण सोमवार को विंबलडन से हट गईं।



विराट कोहली ने रचा इतिहास

आईसीसी ट्रॉफी के मामले में बना दिया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 की ट्रॉफी जीत ली. टी20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल मुकाबला भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला गया था. भारत ने यह मुकाबला 7 रन से जीता. इसके साथ ही भारत दो बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाला देश बन गया. इस फाइनल मुकाबले में विराट कोहली ने अहम भूमिका निभाई. विराट कोहली ने इस जीत के साथ इतिहास रच दिया, जिसके बाद वह दुनिया के इकलौते ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने अपने क्रिकेट करियर में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की व्हाइट बॉल क्रिकेट की सभी ट्रॉफियां जीतीं.विराट कोहली को अब एक अलग नजरिए से देखा जाएगा क्योंकि उन्होंने एक बड़ा इतिहास रच दिया है. वे चारों आईसीसी व्हाइट बॉल ट्रॉफी जीतने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर बन गए हैं. जिसमें अंडर-19 वर्ल्ड कप, टी20 वर्ल्ड कप, चैंपियंस ट्रॉफी और वनडे वर्ल्ड कप शामिल हैं. यह कारनामा एमएस धोनी भी नहीं कर पाए थे.

अंडर-19 वर्ल्ड कप

आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2008 के फाइनल में भारत का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से हुआ. इस टूर्नामेंट में विराट कोहली भारत के कप्तान थे. उन्होंने फाइनल मैच में 34 गेंदों पर 19 रन बनाए. भारत-19 ने यह टूर्नामेंट डीएलएस मेथड के तहत 12 रन से जीता था.

वर्ल्ड कप 2011

आईसीसी वर्ल्ड कप 2011 का फाइनल मैच भारत और श्रीलंका के बीच खेला गया था. इस मैच में विराट कोहली ने 49 गेंदों पर 35 रन बनाए थे. उस समय एमएस धोनी टीम के कप्तान थे. भारत ने यह फाइनल मैच 10 गेंद रहते 6 विकेट से जीत लिया था.



आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2013

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2013 का फाइनल मैच भारत बनाम इंग्लैंड था. इस मैच में विराट कोहली ने 34 गेंदों पर 43 रन बनाए. इस समय भी एमएस धोनी टीम के कप्तान थे. भारत ने यह फाइनल मैच पांच रन से जीता था.

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल मैच भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेला गया, जिसमें विराट कोहली ने 59 गेंदों में 76 रन बनाए. इस समय टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा थे. भारत ने यह मैच 7 रन से जीत लिया था.

टी20 क्रिकेट विश्व कप के फाइनल मैच को लाइव स्ट्रीमिंग पर रिकॉर्ड 5.3 करोड़ दर्शकों ने देखा

मुंबई, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 क्रिकेट विश्व कप के फाइनल मैच ने व्यूअरशिप के मामले में रिकॉर्ड बनाया है। कांटे की टक्कर का यह मैच बारबाडोस में खेला गया था। भारत ने मैच को जीतकर 11 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को समाप्त कर दिया। इस मैच को रिकॉर्ड 5.3 करोड़ लोगों ने देखा। ओटीटी पर यह इस प्रतियोगिता के दौरान दर्ज की गई सबसे ज्यादा व्यूअरशिप है। यह मैच जबरदस्त रोमांच के चलते किसी भी टीम की ओर जा सकता था।

जिम्बाब्वे के लिए टीम इंडिया रवाना, अब जूनियर्स के कंधे पर टी-20 की कमान

नईदिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में 29 जून को फतेह प्राप्त करने के बाद अब एक दम नई टीम इंडिया का टी20 में टेस्ट शुरू होगा. भारतीय टीम 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए रवाना हो गई है. संन्यास लेने के बाद विराट कोहली, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा जैसे खिलाड़ी इस टीम से नदारद होंगे. इस टीम की कप्तानी शुभमन गिल को सौंपी गई है. इसके अलावा टीम के इस दौरे के लिए हेड कोच राहुल द्रविड की जगह वीवीएस लक्ष्मण होंगे. जो पूर्व में भी भारतीय क्रिकेट टीम की कोचिंग की कमान संभाल चुके हैं. राहुल द्रविड का बतौर हेड कोच भारतीय क्रिकेट टीम के साथ सफर 29 जून को खत्म हो गया. इसी बीच टीम इंडिया जिम्बाब्वे दौरे के लिए रवाना हो गई है, इसके फोटो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से शेयर किए गए. जहां टीम के साथ वीवीएस लक्ष्मण भी दिखे, जो भारतीय टीम के हेड कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे. इसके अलावा ऋषभ पंत ने फोटो शेयर किए, उसमें टीम के अन्य सदस्य भी दिख रहे हैं. इसमें पहली बार टीम इंडिया में शामिल हुए अभिषेक शर्मा और रियान पराग जैसे खिलाड़ी भी हैं. देखा जाए तो टी20 वर्ल्ड कप 2024 के मुख्य स्क्वॉड में शामिल 15 में से 13 खिलाड़ियों को इस दौरे से आराम दिया गया है. वर्ल्ड कप स्क्वॉड से सिर्फ यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन को ही इस दौरे के लिए चुना गया है. शुभमन गिल, आवेश खान, रिंकू सिंह और खलील अहमद को टी20 वर्ल्ड कप के लिए ट्रैवलिंग रिजर्व के रूप में चुना गया था और वह मुख्य टीम का हिस्सा नहीं थे. गिल, रिंकू, आवेश और खलील को भी टीम में जगह मिली है.



भारत बनाम जिम्बाब्वे टी20 सीरीज के सभी मैच भारतीय समयानुसार शाम 4:30 बजे शुरू होंगे. इन मैचों का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा. वहीं सीरीज की लाइव स्ट्रीमिंग सोनीलिव ऐप और वेबसाइट पर उपलब्ध होगी.

जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय क्रिकेट टीम: शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, संजू सैमसन (विकेट कीपर), ध्रुव जुरेल (विकेट कीपर), रियान पराग, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, खलील अहमद, मुकेश कुमार, तुषार देशपांडे, शिवम दुबे.

भारत के खिलाफ जिम्बाब्वे की टीम: सिकंदर रजा (कप्तान), फराज अकरम, ब्रायन बेनेट, जोनाथन कैंपबेल, टेंडाई चतारा, ल्यूक जोंगवे, इनोसेंट काइया, क्लाइव मडांडे, वेस्ली मधेवेरे, तदिवनाशे मारुमानी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, ब्रैंडन मावुता, ब्लेसिंग मुजारबानी, डायोन मायर्स, एंटम नकवी, रिचर्ड नगारवा, मिल्टन शुम्बा



साउथ में कमाल पर कमाल दोहरा रहीं कल्कि

बॉलीवुड की टैलेंटेड अदाकारा कल्कि केकलां दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। वे आने वाले दिनों में तमिल फिल्म नेसिप्पाया में नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अभिनेत्री इस फिल्म में एक वकील की भूमिका में नजर आएंगी। कल्कि केकलां हाल ही में ओटीटी पर स्ट्रीम हुई फिल्म खो गए हम कहां में नजर आई थीं। इस फिल्म में वे अहम भूमिका में नजर आई थीं। अब वेव तमिल फिल्म नेसिप्पाया में अपने अभिनय का जलवा बिखरने को तैयार हैं। सूत्रों की मानें तो अभिनेत्री इस फिल्म में पुर्तगाल में रहने वाली एक वकील इंदिरा की भूमिका निभाएंगी। कल्कि केकलां इस फिल्म से पहले अजित कुमार की फिल्म नरकोंडा पारवई में भी एक छोटी सी भूमिका में नजर आ चुकी हैं। इस फिल्म से उन्होंने तमिल सिनेमा में अपना डेब्यू किया था। वहीं अब वे नेसिप्पाया एक अहम किरदार निभाती दिखेंगीं। कल्कि केकलां की यह फिल्म एक रोमांटिक ड्रामा है फिल्म होने जा रही है। इस फिल्म में भी कल्कि का किरदार उनकी पिछली फिल्मों की तरह दिलचस्प होने वाला है। अभिनेत्री अपनी इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित दिख रही हैं। कल्कि केकलां की इस का निर्देशन विष्णुवर्धन करने वाले हैं। नेसिप्पाया से वे तमिल सिनेमा में अपनी वापसी कर रहे हैं। दर्शकों को उनकी फिल्मों का बेसब्री से इंतजार रहता है। इस फिल्म में कल्कि कोचलिन के अलावा आकाश मुरली की भी अहम भूमिका होगी।



अक्षय की फिल्म Sarfira ने तोड़े रिकॉर्ड!

फिल्म के ट्रेलर को मिला सबसे ज़्यादा व्यूज़

फिल्म सरफिरा में अक्षय कुमार एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं जो कभी हार न मानते हुए अपने सपने को पूरा करने की ताकत रखते है। अक्षय कुमार हमेशा से ऐसी फिल्में चुनते हैं जिसका कंटेंट बहुत ही दमदार होता है। फिल्म सरफिरा भी कंटेंट से भरी ऐसी ही एक फिल्म है जिसके ट्रेलर को लोग खूब सराह रहे हैं, साथ ही और ज्यादा देखने की इच्चा रखते है। नए दौर की सीख वाली फिल्मों के चैंपियन के रूप में, अक्की इस बार एक ऐसी कहानी लेकर आए हैं जो युवाओं की उद्यमशीलता की भावना पर विश्वास करती है। इसने जाहिर तौर पर लोगों के दिलों को छू लिया है, जिससे फिल्म की रिलीज का इंतजार और बेसब्री से किया जाने लगा है। जी हां, अक्की के फैन्स और ऑडियंस को अब बस फिल्म के थिएटर्स में आने का इंतजार है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि यह फिल्म खिलाड़ी कुमार की शानदार स्टोरीटेलिंग की विरासत को जारी रखेगी।

करीना कपूर स्टारर

द बकिंघम मर्डर्स

13 सितंबर को होगी रिलीज



एक्ट्रेस करीना कपूर खान अब हंसल मेहता के निर्देशन में बनी फिल्म द बकिंघम मर्डर्स को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। फिल्म की रिलीज डेट से अब पर्दा उठ गया है। यह फिल्म 13 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में ऐश टंडन, रणवीर बरार और कीथ एलन जैसे बेहतरीन एक्टर्स हैं। इसका डायरेक्शन हंसल मेहता ने किया है। हंसल अलीगढ़, शाहिद, स्कैम 1992- द हर्षद मेहता स्टोरी के लिए जाने जाते हैं। वीरे दी वेडिंग और क्रू जैसी हिट फिल्मों के बाद, करीना कपूर खान और एकता कपूर इस फिल्म में फिर साथ आई हैं। अपने सोशल मीडिया पर मेकर्स ने फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा करते हुए एक दिलचस्प पोस्टर शेयर किया और लिखा कि हमें यह बताने में खुशी महसूस हो रही हैं कि द बकिंघम मर्डर्स 13 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में आ रही है। फिल्म में करीना कपूर ब्रिटिश-भारतीय महिला जासूस जस भामरा का किरदार निभा रही हैं, जिसे बकिंघमशायर में मारे गए 10 साल के बच्चे का मामला सौंपा जाता है। कहानी जैसे-जैसे आगे बढ़ती है, नए-नए रहस्यों का खुलासा होता है। शहर में लगभग हर कोई इस हत्या का संदिग्ध है। अपने किरदार को लेकर करीना ने इंस्टा पोस्ट में लिखा था, जस एक ऐसा किरदार था जिसे निभाने का मैं पिछले 23 सालों से इंतजार कर रही थी। मुझे हमेशा से जासूसी सीरीज पसंद हैं। मैंने थ्रिलर फिल्मों की फैन होने के चलते करमचंद से लेकर प्राइम सस्पेक्ट में हेलेन मिरेन तक, अगाथा क्रिस्टी में हरक्यूल पोयरोट से लेकर मारे ऑफ ईस्टटाउन में केट विंसलेट तक सब कुछ देखा है। मैं बस जासूस महिला का किरदार करना चाहती थी। हंसल और एकता ने मुझे ये मौका दिया उसके लिए थैंक यू। करीना ने आगे लिखा कि हंसल मेहता और एकता कपूर ने मुझे 25 पन्नों वाली कहानी दी। मैंने इसे रात 1 बजे पढ़ना शुरू किया और मुझे वह महिला जासूस मिल गई, जो मैं बनना चाहती थी। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसमें दिल है, थोड़ी मुस्कुराहट है और ढेर सारे आंसू हैं। मैं एक एक्टर और पहली बार प्रोड्यूसर के रूप में नर्वस और एक्साइटेड हूं। एक्टिंग करने के अलावा, फिल्म में करीना कपूर बतौर प्रोड्यूसर भी डेब्यू कर रही हैं। वह को-प्रोड्यूसर हैं। इससे पहले, फिल्म का बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल 2023 में प्रीमियर हुआ था। मुंबई फिल्म फेस्टिवल 2023 में भी इस फिल्म की स्क्रीनिंग हुई थी। फिल्म को जबरदस्त थ्रिलर बताया जा रहा है, जिसमें छुपे हुए राज और रिश्तों पर रोशनी डाली गई, साथ ही छुपी हुई हत्या की मिस्ट्री के रहस्य को सुलझाते हुए देखा गया। द बकिंघम मर्डर्स असीम अरोड़ा, कश्यप कपूर और राघव राज कक्कड़ द्वारा लिखी गई है। इसे बालाजी टेलीफिल्म्स और टीबीएम फिल्म्स द्वारा शोभा कपूर, एकता आर कपूर और करीना कपूर खान के साथ मिलकर निर्मित किया गया है। करीना को अब से पहले द क्रू में देखा गया था।

विपुल अमृतलाल शाह की फिल्म हिसाब की शूटिंग शुरू



विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्देशित हिसाब को लेकर फैंस काफी एक्साइटिड हैं। दर्शक इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसके बारे में फिल्म मेकर्स ने बड़ा अपडेट शेयर किया है। मेकर्स ने सनशाइन पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड के ऑफिशियल हैंडल से इंस्टाग्राम पर शूटिंग शुरू होने की घोषणा की। प्रोडक्शन कंपनी ने सेट पर एक छोटे से मंदिर के बगल में रखे फिल्म के क्लैपबोर्ड की एक तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा, आज, हम अपनी भावनाओं को जीवंत करने और पैशन को स्क्रीन पर उतारने का काम शुरू कर रहे हैं; हिसाब की शुरुआत, जिसे सनशाइन पिक्चर्स के सहयोग से जियो स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है! पोस्ट में सृष्टि श्रीवास्तव, रोहिताश्व गौर और गोपाल दत्त को टैग किया गया।

दिलजीत ने पंजाबी अभिनेताओं की रूढ़धारणा को तोड़ा व उन्हें अच्छा काम दिलाया:एमी विर्क

एक्टर-सिंगर एमी विर्क ने बॉलीवुड में म्यूजिक और शोबिज के क्षेत्र में धमाल मचाने वाले दिलजीत दोसांझ को अभिनेताओं की रूढ़धारणा तोड़ने का श्रेय दिया है। जल्द ही फिल्म बैड न्यूज में नजर आने वाले एमी ने कहा, धर्मा प्रोडक्शन्स, करण जौहर, आनंद तिवारी, विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी के साथ काम करना एक सपना है। मुझे उम्मीद है कि भविष्य में मैं कई और मनोरंजक फिल्मों का हिस्सा बनूंगा। एमी ने कहा कि पंजाब से आकर इन बड़ी मनोरंजक फिल्मों में काम करना मेरे लिए बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि इससे पहले, दिलजीत (दोसांझ) पाजी आए और पंजाबी अभिनेताओं की रूढ़ धारणा को तोड़ा, इससे हमें यहां अच्छा काम मिला। मुझे उम्मीद है कि मैं अपने काम से पंजाब और आप सभी को गौरवान्वित करूंगा। उन्होंने मजाक में पंजाबी और हिंदी फिल्म उद्योग के बीच एक समानता भी बताई। एमी ने कहा कि टीम के साथ काम करना एक बेहतरीन अनुभव था और सेट पर बहुत ही मजेदार माहौल था। पंजाब फिल्म इंडस्ट्री में हम ऐसे ही शूटिंग शुरू कर देते हैं, कोई अलार्म या शेड्यूल नहीं होता। उन्होंने कहा कि यहां पर वे बेहद पेशेवर हैं और जल्दी काम शुरू करते हैं और समय पर खत्म कर देते हैं।



बड़े भैया शब्बीर अहलूवालिया से अनगिनत चीजें सीखी: मनित जौरा



लोकप्रिय टीवी सीरियल प्यार का पहला नाम राधा मोहन दर्शकों का खूब एंटरटेन कर रहा है। इस शो में एक्टर मनित जौरा युग के किरदार में और शब्बीर अहलूवालिया मोहन के रोल में नजर आ रहे हैं। ऑन स्क्रीन दोनों आपस में लड़ते और एक-दूसरे के रास्ते में कांटे बिछाते नजर आते हैं, लेकिन ऑफ-स्क्रीन इनका बॉन्ड बेहद मजबूत है। दोनों अक्सर शॉट्स के बीच खूब बातचीत करते हैं। फिल्मों, खाने और परिवार जैसे टॉपिक पर डिस्कस करते हैं। मनित हमेशा शब्बीर को अपना आदर्श मानते हैं और उनसे सलाह लेते हैं।

इस बारे में मनित ने कहा कि शब्बीर भाई के साथ काम करना कुछ ऐसा है, जिसका मैं हमेशा इंतजार करता हूं। वह एक बेहतरीन इंसान हैं और मैं उन्हें अपना बड़े भैया मानता हूं। मनित ने कहा कि वह वाकई बहुत मजेदार इंसान हैं, एक बार जब आप उन्हें जान लेंगे, तो आपके मन में उनके लिए प्यार और सम्मान की भावना पैदा होगी।

लोग अक्सर मुझसे पूछते हैं कि मैं उन्हें भाई क्यों कहता हूं और मेरा जवाब है कि वह उन चंद लोगों में से एक हैं, जिनसे मैंने अनगिनत चीजें सीखी हैं और अब भी सीख रहा हूं, मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है। शॉट्स के बीच में साथ में हंसने से लेकर साथ में हमारे सीन की रिहर्सल करने तक, मैं अपने रिश्ते को बहुत संजोता हूं।

इस रोमांटिक शो में मोहन (शब्बीर अहलूवालिया) के अलावा, राधा (निहारिका रॉय) और दामिनी (संभबाना मोहंती) जैसे शानदार किरदार हैं।

माइकल जैक्सन की मृत्यु के समय उन पर

500 मिलियन डॉलर का कर्ज था !

पॉप के बादशाह को गुज़रे 15 साल हो चुके हैं और फिर भी गायक फिर से सुर्खियों में हैं, लेकिन गलत कारणों से। लॉस एंजिल्स टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, लॉस एंजिल्स में 50 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से मरने वाले इस दिग्गज गायक पर 500 मिलियन डॉलर से ज़्यादा का कर्ज था। रिपोर्ट के अनुसार, उनकी संपत्ति के निष्पादकों द्वारा अदालत में दायर की गई फाइलिंग में गायक की मृत्यु के समय उनके द्वारा सामना किए जा रहे वित्तीय संकट के बारे में अब तक की सबसे विस्तृत जानकारी दी गई है। सार्वजनिक लेखाकार की गवाही के अनुसार, लॉस एंजिल्स टाइम्स ने बताया कि माइकल जैक्सन ने आभूषण, कला, फर्नीचर और उपहारों पर बहुत खर्च किया, साथ ही यात्रा की और दान के लिए पैसे दान किए।

माइकल जैक्सन महान संगीत कलाकारों में से एक हैं और लोग आज भी उनके गानों पर थिरकते हैं। आखिरकार किंग ऑफ पॉप के नाम से मशहूर माइकल जैक्सन ने कई दशकों तक अपने प्रशंसकों और अन्य कलाकारों को प्रभावित किया है। कलाकार के जीवन में भी उतार-चढ़ाव आए हैं। माइकल जैक्सन पर बच्चों के साथ यौन शोषण का आरोप लगाया गया था। सबूतों की कमी और पुलिस द्वारा कभी भी कोई आपराधिक आरोप नहीं लगाए जाने के बावजूद, माइकल जैक्सन ने इस मामले को अदालत के बाहर सुलझा लिया और जांच बंद कर दी गई। किंग ऑफ पॉप माइकल जैक्सन की बायोपिक पर काम चल रहा है और निर्माताओं ने आखिरकार इसकी रिलीज को हरी झंडी दे दी है। एंटोनी फूक्वा द्वारा निर्देशित और माइकल नामक आगामी बायोपिक 18 अप्रैल, 2025 को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में दिवंगत स्टार के भतीजे जाफर जैक्सन नजर आएंगे, जो हॉलीवुड में उनकी पहली फिल्म भी होगी।



प्रोडक्शन हाउस लायंसगेट इस फिल्म को वैश्विक स्तर पर रिलीज़ करेगा और इसका निर्माण इस साल 22 जनवरी को शुरू हुआ था। यह बायोपिक माइकल जैक्सन के जीवन और उनके संगीत प्रतिभा पर एक नज़र डालेगी। माइकल का निर्माण ग्राहम किंग द्वारा किया जाएगा और इसे जॉन लोगन द्वारा लिखा जाएगा।

डस्की स्किन वालों को जल्दी नहीं मिलता काम: सानविका



पंचायत की रिंकी यानी सानविका। सीजन-3 में इन्होंने अपनी मासूमियत और सादगी से ऑडियंस को काफी प्रभावित किया है। मध्य प्रदेश की जबलपुर की रहने वाली सानविका का मुंबई का सफर आसान नहीं रहा। शुरुआती दौर में उन्होंने कॉस्ट्यूम डिपार्टमेंट में भी काम किया है। सानविका ने कहा कि एक आउटसाइडर के लिए फिल्म इंडस्ट्री में पैर जमाना आसान नहीं है। एक-डेढ़ साल तो सिर्फ कॉन्टैक्ट बनाने में लग जाते हैं। पंचायत रिलीज होने के बाद सानविका को सोशल मीडिया पर क्रश तक कहा जाने लगा है। हालांकि वे अपने आप को इतनी खूबसूरत नहीं मानतीं। सानविका ने कहा कि आज भी इंडस्ट्री में डस्की स्किन वालों को आसानी से काम नहीं मिलता।

विजय देवरकोंडा की वीडी 12 का विजाग शेड्यूल खत्म



द फैमिली स्टार के फ्लॉप होने के बाद अब अभिनेता विजय देवरकोंडा को अपनी आने वाली फिल्मों से सफलता की उम्मीद हैं। उनकी आने वाली फिल्मों में वीडी 12 और वीडी 14 शामिल हैं।

विजय के साथ-साथ उनके प्रशंसक भी उनकी अगली हिट फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच, अब वीडी 12 की शूटिंग को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। इन दिनों वीडी 12 पर बड़ी तेजी से काम किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, विजाग में फिल्म के एक महीने लंबे शेड्यूल का काम खत्म कर लिया गया है और अब अगले शेड्यूल की तैयारी शुरू हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वीडी 12 के अगले शेड्यूल को श्रीलंका में शूट किया जाएगा। कहा जा रहा है कि श्रीलंका में भी लगभग एक महीने तक वीडी 12 की शूटिंग चलेगी। इस दौरान श्रीलंका के अलग-अलग शहरों में फिल्म को शूट किया जाएगा।

एक जानकारी यह भी सामने आ रही है कि इस शेड्यूल में कुछ एक्शन सीन को भी फिल्माया जाएगा। वीडी 12 का निर्देशन गौतम तिन्नानुरी कर रहे हैं। यह एक थ्रिलर फिल्म होगी। फिल्म में विजय देवरकोंडा का एकदम अलग ही अंदाज देखने को मिलेगा। चर्चा है कि वीडी 12 को इस साल के अंत तक रिलीज कर दिया जाएगा। फिल्म का निर्माण सीथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमाज द्वारा किया जा रहा है।

-साभार एजेंसी